TITLE CODE :-DELHIN29015

राजनीतिक दांव

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से प्रकाशित

जीत सत्य की...

पेज-8 | प्लेऑफ में पहुंची गुजरात | वर्ष-01 | अंक-16 | नई दिल्ली, बुधवार 11 मई, 2022 | पृष्ठ-08 | ₹-2 रु0

मोदी सरकार बना रही है दो हिंदुस्तान : राहुल

दाहोद (गुजरात)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मुख्यमंत्रित्व काल के 'गुजरात मॉडल' को पूरे देश में लागू करते हुए दो हिंदुस्तान बना दिए हैं। श्री गांधी ने श्री मोदी के गृह राज्य गुजरात के जनजातीय ज़िले दाहोद में 'आदिवासी जनाधिकार रैली' को संबोधित करते हुए कहा, 'श्री मोदी ने 2014 में प्रधानमंत्री बनने से पहले जिस तरह गुजरात में काम किया उसी तरह आज पूरे देश में कर रहे हैं और जिसे गुजरात मॉडल कहा जाता था उसे पूरे देश में लागू कर रहे हैं। वे दो हिंदुस्तान बना रहे हैं। इसमें एक अमीरों और उद्योगपतियों के लिए है जिन्हें हर सुविधा उपलब्ध है और उनके लिए कोई नियम कानून भी नहीं है।'

राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी ने एक वक्त मनरेगा पर सवाल उठाया था। उसका मजाक बनाया था लेकिन देश को याद रखने की जरुरत है कि कांग्रेस पार्टी ने क्या किया था। कोरोना के वक्त अगर मनरेगा नहीं होता तो न जाने देख की हालत क्या होती? अकेले गुजरात में कोरोना ने तीन लोगों की जिंदगी छीन ली थी। गंगा मां लाशों से पट गई थी। देश में कई लाख लोग मरे लेकिन ये लोग इस पर बात ही नहीं करते। ये लोग सिर्फ थाली बजाओ, लाइट जलाओ जैसी बात ही करते हैं।

पीएम मोदी पर तंज सकते हुए राहुल गांधी नेकहा कि प्रधानमंत्री आए और नोटबंदी कर दी। आम जनता की जेब का पैसा निकाल लिया और कह दिया कि यह कालेधन के खिलाफ लड़ाई है लेकिन हुआ क्या पूरा देश बैंक के सामने खड़ा हो गया। उनकी कमाई का पाई-पाई बैंक में डाला और कालेधन के खिलाफ कुछ हुआ ही नहीं। इसका फायदा तो उल्टे अरबपतियों को ही हुआ।

कांग्रेस नेता आदिवासी सम्मेलन को सत्याग्रह की शुरूआत बताया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक जनसभा नहीं बल्कि आंदोलन की शुरूआत है। राहुल ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने देश को अमीरों और गरीबों में बांट दिया। उन्होंने दो देश बना दिया एक अमीरों का, एक गरीब और आम जनता का। जबकि कांग्रेस को सिर्फ एक ही भारत चाहिए। जिसमें सिर्फ समानता ही हो। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार की हमेशा ही कोशिश रही कि आम जनता, दलितों और आदिवासियों और युवाओं को फायदा पहुंचाया जाए।

राहुल की इस रैली को आदिवासी वोटबैंक से जोड़कर देखा जा रहा है। गुजरात में पिछले कई चुनावों से आदिवासी समाज कांग्रेस के काफी करीब रहा है। यही कारण है कि चुनाव में कांग्रेस को इस समाज का वोट मिलता रहा है। 182 सीटों वाली विधानसभा में साल 2007 में जिन 27 सीटों पर आदिवासियों का प्रभाव है, उनमें से कांग्रेस ने 14 सीटों पर जीत दर्ज की थी। 2012 के चुनाव में कांग्रेस को 16 सीटें मिलीं। 2017 में उसके पाले में फिर 14 सीट आई।

राहुल का यह दौरा कांग्रेस के लिए काफी खास माना जा रहा है। इसका कारण यह है कि चुनाव में कुछ महीने ही बचे हैं और कांग्रेस की प्रदेश ईकाई में काफी नाराजगी है। कई नेता दूसरे दलों का दामन थाम चुके हैं तो हार्दिक पटेल जैसे नेता असंतुष्ट चल रहे हैं। इस दौरे पर संभावना है कि राहुल की मुलाकात हार्दिक पटेल से हो। हाल ही में, हार्दिक ने सत्तारूढ़ भाजपा के साथ बातचीत की अटकलों के बीच अपने ट्विटर बायो से कांग्रेस और पार्टी के चिन्ह को हटा दिया था। ऐसे में कहा जा रहा है कि राहुल उनके मिलकर बातचीत कर सकते हैं।

राष्ट्रपति ने 13 शूरवीरों को शौर्य चक्र प्रदान किये

नई दिल्ली । राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने आज नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में आयोजित रक्षा अलंकरण समारोह 2022 वीरता पुरस्कार प्रदान किए। सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने राष्ट्रपति से परम विशिष्ट सेवा पदक प्राप्त किया। कैप्टन आशुतोष कुमार को मरणोपरांत शौर्य चक्र से सममानित किया गया। वे जम्मू-कश्मीर में एक आतंकरोधी अभियान में शहीद हो गए थे। राष्ट्रीय राइफल्स के हवलदार अनिल तोमर, हवलदार पिंकू कुमार, हवलदार काशीराई बम्मनाल्ली, नायब सूबेदार श्रीजीत एम और सिपाही जसवंत रेड्डी को मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया। समारोह में उपराष्ट्रपति एम. वैंकेया नायडु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री डॉक्टर एस. जयशंकर और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अल्पसंख्यकों की पहचान करने के मामले पर राज्यों के साथ विचार-विमर्श करे केंद्र : न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राज्य स्तर पर हिंदुओं समेत अल्पसंख्यकों की पहचान करने से जुड़े मामले पर केंद्र द्वारा अलग-अलग रुख अपनाए जाने को लेकर मंगलवार को नाराजगी जताई और उसे तीन महीने में इस मामले पर राज्यों के साथ विचार-विमर्श करने का निर्देश दिया।

इससे पहले, केंद्र ने सोमवार को न्यायालय से कहा था कि अल्पसंख्यकों को अधिसूचित करने का अधिकार केंद्र सरकार के पास है और इस संबंध में कोई भी निर्णय राज्यों और अन्य हितधारकों के साथ चर्चा के बाद लिया जाएगा। केंद्र ने मार्च में कहा था कि जिन हिंदू समुदायों और अन्य समुदायों की संख्या कम है, उन्हें अल्पसंख्यक का दर्जा देने या नहीं देने का फैसला राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को करना है।

न्यायमूर्ति एस के कौल और न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश की पीठ ने कहा कि इस प्रकार के मामले में एक हलफनामा दाखिल किया गया है कि केंद्र और राज्य, दोनों के पास शक्तियां हैं।

पीठ ने टिप्पणी की, बाद में आप कहते हैं कि केंद्र के पास शक्ति है। हमारे जैसे देश में, जहां इतनी विविधता है, हमें अधिक सावधानी बरतनी चाहिए। ये हलफनामे दाखिल होने से पहले, सब कुछ सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध होता है, जिसके अपने अलग परिणाम निकलते है। इसलिए आप जो कहते हैं, आपको उसे लेकर सावधानी बरतनी चाहिए।

पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने एक ताजा हलफनामा दाखिल किया है, जिसमें वह पूर्व के हलफनामे से पीछे हटता प्रतीत होता है और हम इसकी सराहना नहीं करते।

उसने कहा, पहले हलफनामे में पहले ही एक रुख अपना लिया गया है, लेकिन ताजा शपथपत्र के अनुसार अल्पसंख्यकों की पहचान करने की शक्ति केंद्र सरकार के पास है... पूर्वोक्त स्थिति के मद्देनजर, यह आवश्यक है कि केन्द्र यथा प्रस्तावित कार्य करे। मामले को 30 अगस्त के लिए सूचीबद्ध किया जाए।

पीठ ने सुनवाई से तीन दिन पहले स्थिति रिपोर्ट दाखिल किए जाने का निर्देश दिया।

शीर्ष अदालत ने मामले में हस्तक्षेप का अनुरोध करने वाले मेघालय के सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन की याचिका पर भी सुनवाई करने से इनकार कर दिया और उससे अभिवेदन के साथ संबंधित प्राधिकारियों से संपर्क करने को कहा।

केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने राज्यों के साथ विचार-विमर्श के लिए तीन महीने का समय मांगा और अभिवेदन दिया कि कुछ जनहित याचिकाएं दाखिल की गई हैं और साथ ही वे सार्वजनिक क्षेत्र में भी उपलब्ध हो गई हैं।

असम को देश में हेल्थ हब के रूप में विकसित किया जाएगा : अमित शाह

गुवाहाटी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में मंगलवार को गुवाहाटी के खानापाड़ा स्थित पशु चिकित्सा खेल मैदान में भाजपा गठबंधन की दूसरी सरकार की पहली वर्षगांठ भव्य समारोह में मनाई गई। इस मौके पर शाह ने असम में परिवर्तन का जिक्र करते हुए कहा कि आंदोलन, हिंसा के स्थान पर शांति के माहौल की शुरूआत हुई है। असम को देश में हेल्थ हब के रूप में विकसित किया जाएगा।

केंद्रीय गृहमंत्री ने सत्र (मठ) की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए मुख्यमंत्री की प्रशंसा की। उन्होंने कहा एक साल में 10,700 बीघा भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराना बड़ी बात है। कोरोना प्रबंधन में सफलता के लिए असम सरकार धन्यवाद की पात्र है। कोरोना के दौरान डेढ़ करोड़ लोगों को ढाई साल तक मुफ्त चावल दिया गया। शाह ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में एक साल के कार्यकाल की उपलब्धियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 9,000 से अधिक चरमपंथी मुख्यधारा में लौटे हैं। पिछले छह वर्षों में किसी भी बांग्लादेशी ने घुसपैठ नहीं की है।

असम के हर जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का काम शुरू हो गया है। असम को देश में एक हेल्थ हब के रूप में परिवर्तित किया जाएगा। गृहमंत्री ने असम में हुए उपचुनाव के साथ गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) चुनाव में भाजपा के विजय ध्वज को बनाए रखने के लिए लोगों को भी धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. सरना ने रूपकोंवर ज्योतिप्रसाद अग्रवाल की कविताएं पढ़कर संबोधन आरंभ किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिखाए गए अच्छे रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह के साथ पूर्व मुख्यमंत्री सबानंद सोनोवाल का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि एक लाख नियुक्तियां की जाएंगी। अरुणोदय योजना, सड़क निर्माण, मेडिकल कालेज निर्माण का जिक्र करते हुए कहा कि वह असम के लोगों के हित के लिए विकास की गंगा को राज्य में प्रवाहित करने में सफल होंगें।

डिजिटल सेवा के जरिए सरकार और जनता के बीच की दूरी को कम करने का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शक्तिशाली भारत बनाने के लिए प्रधानमंत्री और गृहमंत्री लगातार काम कर रहे हैं। हम भी सर्वश्रेष्ठ असम का निर्माण करेंगे। हम सर्वश्रेष्ठ भारत बनाएंगे। पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री सबानंद सोनोवाल ने मुख्यमंत्री डॉ. सरमा को लेकर कहा कि वे आशावादी हैं। पूर्वोत्तर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रगति के पथ पर बढ़ रहा है। कानून व्यवस्था में सुधार है। अब शांति है।

सोनोवाल ने यह भी उम्मीद जताई कि असम मुख्यमंत्री डॉ. सरमा के नेतृत्व में लंबा रास्ता तय करेगा। खानापाड़ा मैदान में आयोजित सभा में भारी भीड़ के अलावा भाजपा और गठबंधन सहयोगी दलों के वरिष्ठ नेता, सभी मंत्री, विधायक, सांसदों के साथ-साथ कार्यकर्ता शामिल हुए।

राजद्रोह पर अपना पक्ष रखे केंद्र : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट राजद्रोह कानून की समीक्षा के लिए केंद्र को समय देने के लिए तैयार हो गया है। चीफ जस्टिस एनवी रमना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि हम समय देंगे, पर सॉलिसीटर जनरल निर्देश लेकर बताएं कि लंबित केस और भविष्य में दर्ज होने वाले केस पर क्या असर होगा। कोर्ट ने उनसे यह भी पूछा कि क्या अभी 124ए के लंबित केस स्थगित रखे जा सकते हैं। इस मामले पर कल यानी 11 मई को भी सुनवाई होगी। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर कहा है कि उसने राजद्रोह के मामले में लगने वाली भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए की फिर से जांच करने और इस पर दोबारा विचार करने का फैसला किया है।

केंद्र सरकार ने हलफनामा के जरिये कहा है कि इस प्रावधान के बारे में विभिन्न न्यायविदों, शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों और सामान्य रूप से नागरिकों की ओर से सार्वजनिक रूप से अलग-अलग विचार व्यक्त किए गए हैं। केंद्र ने कहा है कि वो प्रधानमंत्री की इस धारणा के अनुरूप है कि हमारे देश को आजाद हुए 75 वर्ष हो चुके हैं, वह अपने औपनिवेशिक बोध को दूर करने की दिशा में काम करना चाहते हैं। इसी भावना के तहत केंद्र सरकार ने 2014-15 में 1500 से अधिक पुराने कानूनों को खत्म कर दिया है। केंद्र सरकार ने 25 हजार से अधिक अनुपालन बोध को भी समाप्त कर दिया है, जो हमारे देश के लोगों के लिए गैरजरूरी बाधा उत्पन्न कर रहे थे। विभिन्न किस्म के अपराध जो लोगों को बिना सोचे समझे बाधा पहुंचा रहे थे, उन्हें अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया गया है।

5 मई को कोर्ट ने कहा था कि सबसे पहले वो इस बात पर विचार करेगा कि मामला संविधान बेंच को सौंपा जाए या नहीं। 15 जुलाई, 2021 को सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस एनवी रमना ने केंद्र सरकार से पूछा था कि क्या आजादी के 75 साल बाद भी राजद्रोह जैसे कानून की जरूरत है। चीफ जस्टिस ने कहा था कि कभी महात्मा गांधी, तिलक जैसे स्वतंत्रता सेनानियों की आवाज को दबाने के लिए ब्रिटिश सत्ता इस कानून का इस्तेमाल करती थी। क्या आजादी के 75 साल बाद भी राजद्रोह कानून की जरूरत है। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने कहा था कि राजद्रोह में दोषी साबित होने वालों की संख्या बहुत कम है लेकिन अगर पुलिस या सरकार चाहे तो इसके जरिये किसी को भी फंसा सकती है। इन सब पर विचार करने की जरूरत है। याचिका सेना के रिटायर्ड मेजर जनरल एस जी बोम्बतकरे ने दायर की है।

सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से अटार्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने कहा था कि राजद्रोह कानून वापस नहीं लिया जाना चाहिए। बल्कि कोर्ट चाहे तो नए सख्त दिशा-निर्देश जारी कर सकता है ताकि राष्ट्रीय हित में ही इस कानून का इस्तेमाल हो। 12 जुलाई, 2021 को राजद्रोह के कानून के खिलाफ मणिपुर के पत्रकार किशोरचंद्र वांगखेमचा और छत्तीसगढ़ के पत्रकार कन्हैयालाल शुक्ल की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान अटार्नी जनरल केके वेणुगोपाल और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जवाब दाखिल करने के लिए समय देने की मांग की थी। याचिकाकर्ता की ओर से वकील तनिमा किशोर ने कहा है कि भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए संविधान की धारा 19 का उल्लंघन करती है। यह धारा सभी नागरिकों को बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन है। याचिका में कहा गया है कि केदारनाथ सिंह बनाम बिहार राज्य के मामले में 1962 में सुप्रीम कोर्ट ने भले ही कानून की वैधता को बरकरार रखा था लेकिन अब इसके साठ साल बीतने के बाद ये कानून आज संवैधानिक कसौटी पर पास नहीं होता है। याचिका में कहा गया है कि भारत पूरी लोकतांत्रिक दुनिया में अपने को लोकतंत्र कहता है। ब्रिटेन, आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, घाना, नाइजीरिया और युगांडा ने राजद्रोह को अलोकतांत्रिक करार दिया है। याचिका में कहा गया है कि दोनों याचिकाकर्ता एक मुखर और जिम्मेदार पत्रकार हैं। वे संबंधित राज्य सरकारों और केंद्र सरकार पर

'आसनी' आज चक्रवाती तूफान में बदलेगा: मौसम विभाग

हैदराबाद/नयी दिल्ली। बंगाल की पश्चिम-मध्य खाड़ी और उससे सटे इलाकों के ऊपर बना चक्रवात 'आसनी' मंगलवार को पिछले छह घंटों में 23 किमी प्रति घंटे की रफ्तार के साथ उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया और दोपहर के करीब ढाई बजे यह पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी में काकीनाडा (आंध्र प्रदेश) से 210 किमी दक्षिण-पश्चिम में, विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) से 310 किमी दक्षिण-दक्षिण पश्चिम में, गोपालपुर से 590 किमी दक्षिण-पश्चिम में और पुरी (ओडिशा) से 640 किमी दक्षिण-पश्चिम में 15.0 डिग्री अक्षांश और 82.4 डिग्री पूर्व देशांतर पर केंद्रित रहा।

'आसनी' के बुधवार सुबह तक उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और आंध्र प्रदेश में काकीनाडा-विशाखापत्तनम तटों के पास पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी तक पहुंचने की संभावना है।

इसके बाद, चक्रवात के धीरे-धीरे उत्तर-उत्तर-पूर्व की ओर मुड़ने और काकीनाडा व विशाखापत्तनम के बीच आंध्र प्रदेश के तट की ओर आगे बढ़ने और फिर उत्तरी आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तटों से होकर बंगाल की उत्तर-पश्चिमी खाड़ी में उभरने की बहुत संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आज शाम एक बुलेटिन में कहा कि इसके कल सुबह तक धीरे-धीरे कमजोर होकर चक्रवाती तूफान में बदलने और गुरुवार की सुबह तक अवसाद में तब्दील होने की संभावना है।

आजम खान को मिली जमानत, फिलहाल रहेंगे जेल में

प्रयागराज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री और समाजवादी पार्टी (सपा) के रामपुर शहर से विधायक आजम खान को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मंगलवार को रामपुर जिले में शत्रु संपत्ति से जुड़े एक मामले में जमानत दे दी है।

न्यायाधीश न्यायमूर्ति राहुल चतुर्वेदी की पीठ ने आजम की जमानत अर्जी पर पिछले कुछ महीनों से सुरक्षित किये गये फैसले को सुनाते हुए जमानत दे दी। इसके साथ ही आजम के खिलाफ चल रहे सभी 87 मामलों में उन्हें जमानत मिल गयी है। सीतापुर जेल में बंद आजम के खिलाफ तीन दिन पहले जिला रामपुर में दर्ज हुए एक अन्य आपराधिक मुकदमे के कारण उन्हें फिलहाल जेल में ही रहना होगा।

जमानत आदेश में न्यायमूर्ति चतुर्वेदी ने कहा कि आजम खान पिछले ढाई साल से जेल में बंद हैं, ऐसे में उन्हें एक एक लाख रुपये के दो जमानतियों और एक लाख रुपये का निजी मुचलका जमा कराने पर अंतरिम जमानत दी जा सकेगी। गौरतलब है कि इस मामले में आजम पर आजादी के बाद पाकिस्तान जा बसे एक व्यक्ति की जमीन को वक्फ की संपत्ति के दायरे में लाकर मौलाना अली जौहर विश्वविद्यालय की जमीन में शामिल कराने का आरोप है।

उक्त विवादित जमीन इमामुद्दीन कुरैशी नामक व्यक्ति की थी, जो 1947-49 के दरम्यान पाकिस्तान जा बसा था। लिहाजा, शत्रु संपत्ति की श्रेणी में आ चुकी उसकी जमीन को फजीर्वाड़ा करके वक्फ की संपत्ति के दायरे में लाकर, बिना कोई राशि चुकाये इसे जौहर विश्वविद्यालय को हस्तांतरित करने का उन पर आरोप है।

इस मामले में अंतरिम जमानत मिलने के बावजूद आजम के खिलाफ गत छह मई को रामपुर में दर्ज किये गए एक अन्य आपराधिक मुकदमे के कारण फिलहाल जेल में ही रहना पड़ेगा। रामपुर में 2020 के एक मुकदमे में तीन दिन पहले ही आजम खान और उनकी पत्नी डा तजीन फातिमा को आरोपी बनाते हुए उनके विरुद्ध फजीर्वाड़ा करने संबंधी गंभीर धाराएं लगायी गयी हैं। इस मामले में कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज (सीएंडडीएस) की कूट रचना कर लगाये गये फर्जी अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) के आधार पर ग्रीन बेल्ट में बनाये गये स्कूल की मान्यता ली गयी थी।

इस मामले में एक अन्य आरोपी एनओसी देने वाला बेसिक शिक्षा विभाग का क्लर्क पहले ही निर्लंबित हो चुका है। रामपुर के पुलिस अधीक्षक एके शुक्ला के मुताबिक आजम खान ने अपने यतीम खाना की जमीन पर बने ह्यरामपुर पब्लिक स्कूलह्ल की मान्यता लेने के लिए बड़े पैमाने पर फजीर्वाड़ा कर ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में स्कूल बनाया। आरोप है कि स्कूल की मान्यता पाने के लिए सीएनडीएस की फर्जी एनओसी बनाई गयी थी। सीएंडडीएस के अधीक्षण अभियंता ने अपने दर्ज बयान में कहा कि उन्होंने ऐसी कोई भी एनओसी जारी नहीं की। उन्होंने उनके हस्ताक्षर कूटरचित होने की भी गवाही दी है। आजम और उनकी पत्नी को इस मामले में भी जमानत की दरकार होगी।

तकरार के बीच आजम खान को लेकर अखिलेश यादव ने दिया ये बड़ा बयान

लखनऊ, एजेंसी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ इस वक्त उनके अपने ही उनसे नाराज दिख रहे हैं। एक समय में नेता जी के सिपहसालार रहे चाचा सिवपाल और आजम खान अब अखिलेश से कुछ नाराज नजर आ रहे है। जिसके बाद अखिलेश यादव ने आज आजम खान को लेकर एक बयान दिया है। जो राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय भी बना हुआ है। दरअसल, अखिलेश वाराणसी के लाल बहादुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचे थे, जहां उन्होंने आजम खान को लेकर एक बड़ा बयान दिया है।

अखिलेश यादव का कहना है कि "वह आजम खान के परिवार से संपर्क में हैं। वहीं, उन्होंने आजम को लेकर अपनी योजना के बारे में कुछ जानकारी दी। सपा अध्यक्ष ने कहा कि आजम खान के परिजनों से वह लगातार बात कर रहे हैं। अखिलेश ने दावा किया है कि समाजवादी पार्टी हमेशा आजम खान और उनके परिवार के साथ है। अखिलेश जल्द ही उनसे मिलेंगे। वहीं, उन्होंने यह भी कहा कि आजम के वकील से भी वह लगातार बात कर रहे हैं और उन्हें सपा में बनाए रखने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं।" वहीं, ज्ञानवापी मुद्दे को लेकर भी सपा अध्यक्ष ने टिप्पणी की है और बीजेपी पर जमकर हमला बोला है।

सवारियों से भरी ई-बस पेड़ से टकराई, कई यात्री चोटिल

कानपुर, एजेंसी। कानपुर जनपद में एक बार फिर इलेक्ट्रिक बस सेवा लोगों के लिए आफत बनकर सामने आई। मंगलवार को चकेरी इलाके में सवारियों से भरी ई-बस अनियत्रित होकर पेड़ से जा टकराई। हादसे में कई सवारियां चोटिल हो गई। हादसे के बाद चालक बस खड़ी कर दी और सवारियों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। बताया जा रहा है कि चालक की गलती से पेड़ से ई-बस पेड़ से टकराई है।

जनपद में चलाई जा रही बेहतर और आरामदायक ई-बस सेवा लोगों के लिए आफत बनकर सामने आ रही है। आज एक बार फिर सवारियों से भरी बस चकेरी थाना क्षेत्र में गुजरते हुए पेड़ से टकरा गई। टक्कर लगते ही सवारियों में चीख पुकार मच गई और बस में बैठे यात्री चोटिल हो गए, उनको निजी वाहनों द्वारा पास के अस्पताल भिजवाया गया।

इस हादसे को लेकर मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने बताया कि वाहन चालक अपनी साइड का अंदाजा नहीं लगा पाया और बस सीधी पेड़ से हो गई। राहत की बात ये रही की कोई भी यात्री को गंभीर चोटें नहीं आई। ई बस के पेड़ से टकराने व प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों से साफ है कि जनपद में संचालित ई बस सेवा में कार्यरत चालक पूरी तरह से प्रशिक्षित नहीं है। ऐसा तब जब शहर में दो बड़े हादसे इसकी शुरूआत के बाद से सामने आ चुके हैं और अधिकारियों की सख्ती के बावजूद चालकों के रवैये में सुधार नहीं होता दिख रहा है।

पड़ोसियों से परेशान परिवार ने लगाई न्याय की गुहार

आगरा, एजेंसी। समुदाय विशेष के पड़ोसियों से परेशान हो एक परिवार ने आलाधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है। पड़ोसियों द्वारा परेशान किये जाने के चलते परिवार ने अपने घर पर मकान बिकाऊ के पोस्टर तक लगा दिए। मामले में एसपी सिटी द्वारा जानकारी के पश्चात उचित कार्यवाही की बात कही गयी है।

मामला थाना सिकंदरा के शिवाकुंज गली नम्बर नौ का है। यहाँ रहने वाली रंजना भदौरिया ने अपने पड़ोसियों पर परेशान किये जाने के आरोप लगाए हैं। जानकारी के अनुसार रंजना के घर में उनके पति विनोद और तीन बेटे अभिषेक, प्रशांत और शिवांकर है। रंजना ने अपने परिवार के साथ मिलकर करीबन पांच वर्ष पूर्व मकान बनवाया था। रंजना द्वारा लगाए गए आरोपों के अनुसार उनके समुदाय विशेष के पडोसी उनके मकान पर कब्जा करना चाहते हैं जिस कारण से वे सभी उन्हें आये-दिन अलग-अलग तरीकों से परेशान करते रहते हैं। इन समुदाय विशेष के पड़ोसियों के कारण ही उनके बेटों की शादी भी नहीं हो पा रही है और वे अपना मकान भी नहीं बेच पा रहे हैं।

पीड़िता के बताये अनुसार वह इस मामले में पहले भी पुलिस में शिकायत कर चुकी हैं।

छात्रा के गिरकर मौत मामले में कॉलेज प्रशासन पर मुकदमा दर्ज

कानपुर, एजेंसी। दयानंद गर्ल्स पीजी कॉलेज से गिरकर छात्रा की मौत मामले में पुलिस ने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। ग्वालटोली थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर छात्रा के कॉलेज की चौथी मंजिल से कूदने के फुटैज पुलिस ने सीसीटीवी से निकालते हुए प्रकरण की गहनता से जांच शुरू कर दी है। वहीं, छात्रा का मोबाइल भी छात्रा के कूदने की घटना की अहम खुलासा हो सकती है। बता दें कि, ग्वालटोली थाना क्षेत्र स्थित सिविल लाइन में डीजी बालिका कॉलेज है। सोमवार को बीए प्रथम वर्ष में पढ़ने छात्रा अदीबा इशाक पढ़ने गई और संदिग्ध हालत में चौथी मंजिल से कूद गई। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंचे एसीपी कर्नलगंज त्रिपुरारी पांडेय व ग्वालटोली थाना पुलिस पहुंची। एसीपी ने बताया कि घटना में कॉलेज के सीसीटीवी फुटैज खंगाले गए हैं जिसमें साफ दिख रहा है कि छात्रा गिर रही है। फुटैज के आधार व छात्रा के परिजनों की तहरीर पर आईपीसी की धारा 306 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। फुटैज की जांच करते हुए आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मोबाइल बन सकता है अहम कड़ी : छात्रा के कॉलेज की बिल्डिंग से कूदकर जान देने के मामले में पुलिस के मुताबिक, उसका मोबाइल अहम कड़ी बन सकता है। मोबाइल के जरिए आखिरी कॉल पर उसने किससे बात की और क्या मामला है इसकी जानकारी हो सकती है। इसलिए मोबाइल को छात्रा की मौत की घटना में अहम कड़ी मना जा रहा है। सूत्रों की माने तो मोबाइल का लॉक खुलवाने के लिए एक्सपर्ट की मदद ली जा रही है।

आम का भोग लगाकर राममंदिर में मनाई गई जानकी नवमी

मंदिरो में उमड़े श्रद्धालुओं ने गाए बधाई गान

अयोध्या, एजेंसी। वैशाख शुक्ल नवमी यानी 10 मई को मां सीता का जन्मोत्सव राम नगरी के मंदिरों में मनाया गया। नवमी को मध्यान्ह 12 बजते ही मंदिरों में घंटे-घड़ियाल बजने लगे। बधाई गान पर श्रद्धालु खूब थिरके। इससे पहले भोर से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जमा हो गई। श्रद्धालु सरयू में स्नान कर मंदिरों में हो रहे पर्व और विशेष अनुष्ठान शामिल हुए। इस बार राममंदिर में विशेष तौर पर आम का भोग लगाकर श्रद्धालुओं में वितरित किया गया। इसी के साथ कनक भवन ,जानकी महल, सतगुरु सदन गोलाघाट, झुनकी घाट, श्री रामबल्लभाकुंज, वैदेही भवन, राम हर्षण कुंज सहित सैकड़ों मंदिरों में जन्मोत्सव पर उत्सव का माहौल चरम पर रहा।

माता सीता की कुल देवी की निकली शोभायात्रा

माता सीता की कुल देवी माता गौरी का मंदिर प्रसिद्ध छोटी देवकाली है। मंदिर में 9 दिन पहले से विभिन्न आयोजन किए जा रहे हैं। यहां पर फूल -बंगले की झांकी सजा कर 1051 बत्ती की आरती की गई। गाजे-बाजे के साथ भव्य शोभा यात्रा भी निकाली। यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। यह यात्रा पिछले दो साल बाद निकाली गई थी। कोविड संक्रमण को देखते हुए पिछले आयोजनों को सीमित किया गया था।।

बधाई गान से गुंजायमान होते रहे मंदिर

रामनगरी में जानकी नवमी पर्व पर हफ्ते भर से देवी मंदिरों सहित प्रमुख मठ मंदिरों में विभिन्न कार्यक्रम शुरू हो जाते हैं। मंदिरो में सुबह से ही विशेष पूजा अनुष्ठान के शुरू हो गए। संत व श्रद्धालु जनक सुता जग जननि जानकी, अति सय प्रिय कर करुणानिधान की आदि भजन गाकर भक्ति के समुद्र में गोते लगाते रहे। मंदिरों का समूचा परिसर जानकी माता और श्री राम की जय के नारों से गूंजता रहा। सेवा और उपासना का केंद्र जानकी महल में खास तौर पर आयोजन किए गए थे।

संक्षिप्त समाचार

किशोर की सोता नाला में डूब कर मौत

फरुर्खाबाद, एजेंसी। अमृतपुर थाना क्षेत्र में शौच करने गए किशोर की मंगलवार को सोता नाला में डूब कर मौत हो गई। थाना क्षेत्र के ग्राम फखरपुर निवासी सुभाष (15) पुत्र जोगराज सोता नाला के निकट शौच करने के लिए गया था। अचानक पैर फिसल जाने से वह गहरे पानी में चला गया। जिससे उसकी डूबने से मौत हो गयी। किशोर के डूबने की खबर पर ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए। उपजिलाधिकारी पदम सिंह, लेखपाल वरुण, प्रधान शिवदत्त तिवारी मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की सहायता से किशोर के शव को पानी के बाहर निकाला गया। मृतक सुभाष पांच भाइयों में सबसे छोटा था। वह कक्षा आठ में पूर्व माध्यमिक विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करता था।

कर्ज में डूबे किसान ने की आत्महत्या

बंदायू, एजेंसी। एक 55 वर्षीय किसान ने 2.5 लाख रुपये के कर्ज में फंसने के बाद कथित तौर पर फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। किसान प्रताप सिंह को जरीफनगर इलाके में अपने बैलों को बांधने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली रस्सी से लटका पाया गया। हाल ही में, उसने अपनी पत्नी के इलाज और अपने कर्ज के हिस्से का भुगतान करने के लिए अपने बैल बेच दिए थे। जरीफनगर थाने के एसएचओ सुधाकर पांडे के मुताबिक किसान सोमवार को अपने घर से निकला था और बाद में दिन में वह गांव के बाहर एक पेड़ से लटका मिला। एसएचओ ने कहा कि प्रताप के परिवार ने बताया कि वह बकाया कर्ज के कारण परेशान था। उसे खेती में नुकसान हुआ था और उसे पटरी पर लौटने की कोई उम्मीद नहीं दिख रही थी। उसके परिवार ने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है। पोस्टमार्टम में मौत के कारण की पुष्टि फांसी के रूप में हुई है। परिवार राज्य हितग्राही योजना के तहत मुआवजे का हकदार होगा।

पंडित शिवकुमार शर्मा के निधन से योगी दुखी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रख्यात संतूर वादक पंडित शिवकुमार शर्मा के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। अपने शोक संदेश में श्री योगी ने कहा है कि सरल स्वभाव और आत्मा को सम्मोहित करने वाले संगीत कला के पारंगत पंडित शिवकुमार जी माँ सरस्वती के अनन्य साधक थे। कला-संगीत के क्षेत्र में उनके विशिष्ट योगदान के लिए भारत सरकार ने उन्हें पद्म विभूषण से अलंकृत किया था। आज उनके निधन से संगीत जगत में एक विराट शून्य उत्पन्न हुआ है। उन्होने शोकाकुल परिजनों और शिष्यों के प्रति शोक संवेदना प्रकट करते हुए शिवकुमार जी की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। गौरतलब है कि पंडित शिवकुमार शर्मा का मंगलवार सुबह मुंबई में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे और गुर्दा रोग से पीड़ित थे।

बलरामपुर में दो बाइक की भिड़ंत में दो लोगों की मौत, तीन अन्य घायल

बलरामपुर, एजेंसी। बलरामपुर जिले के उतरौला कोतवाली क्षेत्र में दो मोटरसाइकिल की आमने-सामने की भिड़ंत में दो लोगों की मौत हो गयी और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, सोमवार की देर रात बस्ती-उतरौला मार्ग पर हाशिमपारा गांव के पास दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने भिड़ंत हो जाने से अखिलेश गुप्ता (25), परमजीत यादव (28) की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि गुरुदेव त्रिपाठी, अरुण पांडेय और प्रमोद निषाद गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उतरौला कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अनिल सिंह ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

ज्ञानवापी मामले में विवादित टिप्पणी पर प्रोफेसर रविकांत ने मांगी माफी

लखनऊ, एजेंसी। टीवी डिबेट में ज्ञानवापी मामले में विवादित टिप्पणी करने वाले एसोसिएट प्रोफेसर रविकांत ने माफी मांग ली। सुबह विश्वविद्यालय खुलते ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं ने प्रोफेसर रविकांत से उक्त मामले में मिलना चाहा तो उन्होंने मिलने से मना कर दिया और चीफ प्राक्टर कार्यालय में जाकर बैठ गये। लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर रविकांत के खिलाफ बर्खास्तगी पर अड़े विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं ने स्थानीय पुलिस प्रशासन एवं चीफ प्राक्टर समेत विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने समझाया लेकिन कार्यकताओं ने एक बात नहीं मानी। विरोध करते हुए जमकर नारेबाजी की।

योगी सरकार का नाम बदलने का सिलसिला जारी

प्रयागराज का ये इलाका जाना जायेगा अटल बिहारी वाजपेयी के नाम से!

प्रयागराज, एजेंसी। भाजपा पर अक्सर ये आरोप लगता आया है कि वो शहरों और जनपदों के नाम बदल रही है। अब इसी कड़ी में प्रयागराज से खबर आ रही है कि वहां पर नैनी इलाके का नाम बदलने को लेकर मंजूरी मिल गई है। आपको बता दें कि इससे पहले इलाहाबाद का नाम बदलकर प्रयागराज रखा गया था और उसी के साथ जिले के विकास को भी पंख लग गए।इसके बाद चौराहों का सौंदर्यीकरण शुरू हुआ, फ्लाईओवर का जाल सा बिछ गया, शहर को जाम के जंजाल से मुक्ति मिली और विकास की गति तिगुनी हो गई।अब प्रयागराज के चौराहों, सड़कों और मोहल्ले के नाम भी बदले जाने वाले हैं।

नैनी इलाके और एयरपोर्ट का बदलेगा नाम

इलाहाबाद का नाम बदलकर प्रयागराज रखा गया था और अब एक बार फिर से प्रयागराज में नैनी इलाके और एयरपोर्ट का नाम बदले की तैयारी चल रही है। बताया जा रहा है कि नाम बदलने के प्रस्ताव को लेकर प्रयागराज के नगर निगम सदन से मंजूरी भी मिल चुकी है। जानकारी के मुताबिक, प्रयागराज के यमुना पार का नैनी इलाका कुछ समय बाद पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के नाम से जाना जाएगा। तो वहीं, प्रयागराज का सिविल एयरपोर्ट पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम से जाना जाएगा।

आने वाले कुछ दिनों में और जगहों के बदलेंगे नाम

इतना ही नहीं, शहर के कई सड़कों और चौराहों का नाम भी अंग्रेजों और मुगलों से हटाकर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के नाम पर रखने के प्रस्ताव को मंजूरी मिल चुकी है। बता दें कि आगे जो नाम बदलकर रखे जायेंगे वो स्वतंत्रता सेनानियों के साथ ही मशहूर साहित्यकारों के नाम पर रखा जाएगा। इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव को नगर निगम के सदन की बैठक में सर्वसम्मति से महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी की अध्यक्षता में अनुमति भी मिल चुकी है. ऐसे में माना जा रहा है कि अगले कुछ दिनों में प्रयागराज के कई चौराहे और सड़कों के साथ ही इलाके नए नामों से जाने जाएंगे।

अमेठी की बेटी को 'इसरो' लेकर जाएंगी केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी

अमेठी (उप्र), एजेंसी। जिले के एक स्कूल की छात्रा की भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) जाने की इच्छा पर केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने तुरंत कहा कि वह खुद उसे अगले महीने इसरो लेकर जाएंगी। गौरीगंज विधानसभा क्षेत्र के दुर्गन भवानी धाम के निकट एक निजी शिक्षण संस्थान का उद्घाटन करने मंगलवार को पहुंचीं केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने जब संजय गांधी पॉलिटेक्निक जगदीशपुर की छात्रा नीतू मौर्या को टैबलेट देते हुए पूछा, तुम आगे क्या करना चाहती हो? तो नीतू ने कहा, मैं इसरो जाना चाहती हूं और वैज्ञानिक बनना चाहती हूं। इस पर, केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह छात्रा इसरो जाना चाहती है, वैज्ञानिक बनना चाहती है। इस छात्रा को मैं अगले महीने स्वयं इसरो लेकर जाऊंगी। उन्होंने कहा कि अमेठी के लिए यह गर्व की बात होगी कि यहां की एक छात्रा इसरो जाना चाहती है और वैज्ञानिक बनना चाहती है। एक दिन नीतू जरूर अमेठी का नाम रोशन करेंगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा, मैं छात्र-छात्राओं से अपील करना चाहती हूं, वह जो कुछ करना चाहते हैं, मैं उनकी हर संभव मदद करने के लिए तैयार हूं। ईरानी ने कहा, अमेठी जिला में अब तक 11672 छात्र-छात्राओं को टैबलेट और स्मार्टफोन का वितरण किया गया है, मैं इसके लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद करती हूं।

ज्ञानवापी मामले में जारी रहेगी सुनवाई, आज कोर्ट फिर सुनेगी मामला

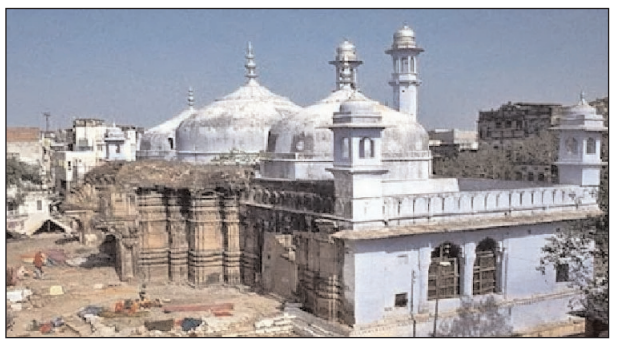

वाराणसी, एजेंसी। ज्ञानवापी मस्जिद सर्वे के बीच अधिवक्ता कमिश्नर को बदलने को लेकर मंगलवार को सुनवाई हुई। इस बीच कोई भी फैसला न्यायालय की ओर से मंगलवार को नहीं लिया गया। सुनवाई पूरी न होने के चलते बुधवार 11 मई को फिर से सुनवाई होगी। सुनवाई पूरी होने के बाद बुधवार को फैसला होने के आसार हैं। वादी अधिवक्ता नन्दन चतुर्वेदी ने कहा कि दोनों पक्षों को सुना गया। प्रतिवादी ने जोरदार तरीके से पक्ष रखा। कथाओं की तरह निरर्थक तथ्यों को रखा गया। कमिशन होने के निर्णय के बाद जो तथ्य उठाए गए उनका कोई अर्थ ही नहीं था। प्रतिवादी पक्ष ऐसा कमिश्नर चाह रहा है जो तथ्यों को नकार कर उनके पक्ष की बात करे। उनकी ओर से दी गई आपत्ति निरर्थक है। बुधवार को निर्णायक फैसला आ सकता है।

आपको बता दें कि अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद कमेटी ने 7 मई को वाराणसी में ज्ञानवापी सर्वे के कोर्ट कमिश्नर को बदलने की याचिका डाली थी। इस याचिका पर आज तीसरे दिन दोपहर के बाद सिविल जज सीनियर डिवीजन रवि कुमार दिवाकर सुनवाई की। सोमवार को इस मामले में कोर्ट के सम्मुख कोर्ट कमिश्नर और वादी पक्ष ने अपनी-अपनी आपत्तियां प्रस्तुत की थीं।

सिविल जज की अदालत में हुई सुनवाई

सिविल जज सीनियर डिवीजन रवि कुमार दिवाकर की अदालत में ज्ञानवापी परिसर स्थित मां श्रृंगार गौरी समेत अन्य देव विग्रहों के सर्वे व वीडियोग्राफी के लिए नियुक्त अधिवक्ता आयुक्त को हटाने संबंधी आवेदन पर सोमवार को भारी गहमागहमी के बीच सुनवाई हुई। हालांकि आदेश नहीं हो सका। अदालत ने अंजुमन इंतजामिया मसाजिद की तरफ से कमिश्नर को हटाने के आवेदन पर सोमवार को वादी पक्ष और सर्वे कमिश्नर से आपत्ति मांगी। इसके बाद मंगलवार को भी सुनवाई की गई। सुनवाई पूरी न होने के चलते बुधवार को समय दिया गया।

कोर्ट के बाहर कड़ा पहरा

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट परिसर में भारी पुलिस फोर्स तैनात की गयी है साथ सुरक्षा एजेंसियां भी अलर्ट हैं। पूरे कोर्ट परिसर में सख्त सुरक्षा पहरा लगाया गया है। इस समय कोर्ट के बाहर काफी गहमा-गहमी देखने को मिल रही है। कुछ देर में ज्ञानवापी मस्जिद-श्रृंगार गौरी सर्वे में कोर्ट कमिश्नर को बदलने का मामला सुना जाएगा। बता दें कि वादी पक्ष लगातार कह रहा है कि इस सर्वे में बैरीकेडिंग और मस्जिद तहखाने के सर्वे के भी कोर्ट ने आदेश दिए हैं पर प्रतिवादी पक्ष के अनुसार बैरिकेडिंग के अंदर जाने की बात कोर्ट के ऑर्डर में नहीं है।

पांचों महिलाएं बोलीं-केस नहीं लेंगे वापस

ज्ञानवापी प्रकरण को लेकर विश्व वैदिक सनातन संघ के प्रमुख जितेंद्र सिंह बिसेन ने रविवार को घोषणा की थी कि वह सोमवार को अदालत में केस वापस लेंगे। केस दर्ज करने वाली पांचों महिलाओं ने जब इससे इनकार कर दिया तो खुद को अलग-थलग पड़ता देख सोमवार को जितेंद्र सिंह बिसेन ने यू-टर्न ले लिया। कहा कि 'उनकी बात का गलत अर्थ निकाला गया। वह आदि विश्वेश्वर से संबंधित एक अन्य मुकदमे को वापस लेने आए हैं। इसके साथ ही देश विरोधी शक्तियों को हावी होते देख उन्होंने अपने संगठन की प्रदेश, मंडल, जिला और वार्ड स्तर की इकाइयों को भंग कर दिया है।'

डीसीडब्ल्यू ने तीनों निगमों से स्कूलों से जुड़े सुरक्षा उपायों की मांगी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) ने तीनों नगर निगमों को समन जारी कर छात्र छात्राओं की सुरक्षा के लिए स्कूलों द्वारा किए गए उपायों के बारे में जानकारी मांगी है। डीसीडब्ल्यू ने यह कदम पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा संचालित एक स्कूल में छात्राओं के साथ यौन उत्पीड़न की घटना की पृष्ठभूमि में उठाया है।

डीसीडब्ल्यू को दिल्ली के भजनपुरा इलाके में नगर निगम द्वारा संचालित एक प्राथमिक विद्यालय के अंदर छात्राओं के साथ यौन उत्पीड़न की शिकायत मिली थी। स्कूल की सभा के बाद छात्राएं कक्षा के अंदर अपने शिक्षक का इंतजार कर रही थीं, तभी एक अज्ञात व्यक्ति कक्षा में घुस आया और कुछ छात्राओं का यौन शोषण किया। इस संबंध में डीसीडब्ल्यू ने पूर्वी दिल्ली नगर निगम के आयुक्त को समन जारी किया था।

निगम के अधिकारी डीसीडब्ल्यू के सामने पेश हुए और बताया कि उनके किसी भी स्कूल में दिन के समय में सुरक्षा गार्ड नहीं होते हैं। उन्होंने डीसीडब्ल्यू को यह भी बताया कि 232 स्कूलों में से केवल 15 स्कूलों में सीसीटीवी कैमरे हैं, वह भी चारदीवारी पर और कक्षाओं के बाहर लगे हुए हैं। उन्होंने बताया कि पूर्वी दिल्ली नगर निगम के सभी स्कूलों की चार दीवारी पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का प्रस्ताव अंतिम चरण में है।

डीसीडब्ल्यू ने स्कूलों में दिन के समय सुरक्षा गार्डों की अनुपस्थिति और स्कूलों में सीसीटीवी कैमरों की कमी पर कड़ा संज्ञान लिया है। डीसीडब्ल्यू प्रमुख स्वाति मालीवाल ने कहा कि कक्षाओं सहित स्कूलों में सुरक्षा गार्ड और सीसीटीवी की कमी बिलकुल भी स्वीकार्य नहीं है क्योंकि इसका स्कूलों में बच्चों और शिक्षकों की सुरक्षा और सुरक्षा पर सीधा असर पड़ता है। डीसीडब्ल्यू ने दिल्ली के भजनपुरा में एमसीडी स्कूल में लड़कियों के यौन उत्पीड़न के मामले में दिल्ली पुलिस को भी नोटिस जारी किया था और स्कूल अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। दिल्ली पुलिस द्वारा प्रस्तुत एक जवाब में डीसीडब्ल्यू को बताया गया है कि मामले की रिपोर्ट पुलिस को नहीं करने के लिए स्कूल अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है। डीसीडब्ल्यू को सूचित किया गया है कि इसके लिए पोस्को अधिनियम के तहत प्राथमिकी में संबंधित धाराएँ जोड़ी गई हैं।

पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा दी गई जानकारी पर संज्ञान लेते हुए आयोग ने तीनों निगमों के आयुक्तों को समन जारी कर छात्रों की सुरक्षा की स्थिति की जानकारी मांगी है। डीसीडब्ल्यू ने प्रत्येक निगम द्वारा चलाए जा रहे स्कूलों का पूरा ब्योरा मांगा है। डीसीडब्ल्यू ने विद्यालय में दिन के समय उपस्थित सुरक्षा गार्डों की जानकारी सहित सभी विद्यालयों में सुरक्षा गार्डों की शीघ्र नियुक्ति के लिए उठाये गये कदमों की जानकारी मांगी है।

डीसीडब्ल्यू ने स्कूलों में लगे सीसीटीवी कैमरे, कक्षाओं के अंदर कैमरे लगाने की समय सीमा और स्कूलों की चारदीवारी की स्थिति की जानकारी भी मांगी है। डीसीडब्ल्यू ने स्कूलों के अंदर यौन उत्पीड़न की शिकायतों से निपटने के लिए नगर निगम द्वारा स्थापित तंत्र की जानकारी भी मांगी है।

इसके अलावा, डीसीडब्ल्यू ने स्कूल के कर्मचारियों जैसे प्रिंसिपल, शिक्षकों और परिचारकों, स्कूल में रिक्तियों की सूची और उन्हें भरने के लिए उठाए गए कदमों का विवरण मांगा है। आयोग ने सभी स्कूल स्टाफ के पुलिस सत्यापन की स्थिति की जानकारी भी मांगी है। डीसीडब्ल्यू की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कहा, ह्लएक स्कूल एक बच्चे के लिए दूसरा घर होता है। बच्चों को अपने स्कूलों में सबसे अधिक सुरक्षित महसूस करना चाहिए जिनका काम उनको समग्र शिक्षा प्रदान करना है।

अतिक्रमण हटाने के नाम पर मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है- कलीमुल हफीज

सुषमा रानी

नई दिल्ली। अतिक्रमण हटाने के नाम पर मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी सांप्रदायिकता को बढ़ावा दे रही है। शाहीनबाग के नाम पर देश की जनता का ध्यान गंभीर मुद्दों से भटकाया जा रहा है। यह विचार ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन दिल्ली के अध्यक्ष कलीमुल हफीज ने शाहीनबाग मे मीडिया के लोगो कों संबोधित करते हुऐ किये।

याद रहे कि आज सुबह 11 बजे शाहीनबाग मे बुलडोजर पहुंचा। उसके साथ एम.सी.डी. के पदाधिकारी और पुलिस के बड़े-बड़े अधिकारी मौजुद थे। बुलडोजर की सूचना मिलते ही लोगों की अच्छी-खासी भीड़ जमा हो गई और मीडिया के कई लोग भी पहुंचे। जहां एक-तरफ गोदी मीडिया इस कार्यवाही को अवैध कब्जा कह रहा था, वही दूसरी तरफ सच्चाई ये है कि शाहीनबाग मे कोई अवैध कब्जा नही मिला। एक शोरूम के बोर्ड पर लगाई गई मचान को ही गोदी मीडिया ने कब्जे का नाम दे दिया। उसको भी वहाँ के निवासियों ने खुद ही खोल दिया और बुलडोजर को बैरंग वापस लौटना पड़ा। कलीमुल हफीज ने कहा की बी.जे.पी. अपने भक्तों को दिखाना चाहती है कि हम मुसलमानों को चैन से जीने नहीं देगें। इसलिये कि भक्त सिर्फ इसी बात से खुश है कि सांप्रदायिक सरकारें मुसलमानों के जीवन, सम्मान और संपत्ति को बर्बाद कर रही हैं। उन्हें बेरोजगारी और बढ़ती महंगाई की परवाह नहीं है। दिल्ली के एम.सी.डी. पर पिछले 15 साल से बी.जे.पी. की सरकार है अगर वह कहती है कि यहां अतिक्रमण है तो उसे ये बताना चाहिए कि अतिक्रमण किसने करवाया था। बी.जे.पी. के सभी पार्षद पहले रिश्वत लेकर कब्जा करवाते हैं फिर उस नाजायज कब्जे को हटवाने के नाम पर पैसे लेते हैं। बी.जे.पी. मे जितना हो सके मुसलमानों पर अत्याचार करने और उन्हें नुकसान पहुंचाने की होड़ लगी हुई है। उत्तर प्रदेश में बाबा बुलडोजर हैं, खरगोन में मामा बुलडोजर हैं और दिल्ली में अमित शाह बुलडोजर हैं। इनमे से सब एक-दूसरे से आगे बढ़ जाना चाहता हैं। कलीमुल हफीज ने शाहीनबाग की जनता की प्रसंसा की कि आपसी इत्तेहाद से बी.जे.पी. की साजिश को विफल किया। उन्होनो कहा कि कोई भी नही चाहता सड़को को तंग किया जाये। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि सड़क किनारों पर दुकान लगाने वालों का रोजगार ही छीन लिया जाये। हमारी मांग है सरकार के लोग इंसाफ से काम करें। मुसलमानों को निशाना बनाकर राजनीति ना करें वरना यह हमारे आने वाली पीढ़ियों के लिए अच्छा नहीं होगा।

जहांगीरपुरी हिंसा : थाना प्रभारी का किया गया तबादला

नई दिल्ली, सुषमा रानी। हनुमान जयंती पर निकाले गए धार्मिक जुलूस के बाद इलाके में हुई सांप्रदायिक झड़प के बाद जहांगीरपुरी पुलिस थाने के प्रभारी का तबादला कर दिया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने इसे नियमित तबादला बताया है।

अधिकारी ने कहा कि निवर्तमान थाना प्रभारी ने तीन महीने पहले ही एक आवेदन दिया था जिसमें कहा था कि वह अब थाना प्रभारी के रूप में कार्य नहीं करना चाहते हैं। साथ ही उन्होंने स्थानांतरण करने की मांग की थी।

आधिकारिक आदेश के अनुसार, इंस्पेक्टर अरुण कुमार को राष्ट्रपति भवन में स्थानांतरित कर दिया गया है और तत्काल प्रभाव से नए थाना प्रभारी को जहांगीरपुरी थाने में तैनात किया गया है। छह मई को पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि उन्हें अपने नए कार्यभार में शामिल होने के लिए तुरंत कार्यमुक्त किया जाता है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने तबादले के बारे में पूछे जाने पर कहा, यह पुलिस आयुक्त के कार्यालय से जारी नियमित आदेश है। 16 अप्रैल को जहांगीरपुरी में हनुमान जयंती जुलूस के दौरान हिंदू और मुस्लिम समुदाय आपस में भिड़ गए। जिसमें आठ पुलिस कर्मी समेत नौ लोग घायल हो गए।

पुलिस के मुताबिक, झड़पों के दौरान पथराव और आगजनी हुई और कुछ वाहनों को भी आग के हवाले कर दिया गया था। इस बाबत जहांगीरपुरी थाने में एक मामला दर्ज किया गया था। जिसे बाद में दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा को स्थानांतरित कर दिया गया था। दिल्ली पुलिस इस मामले में अब तक तीन नाबालिगों समेत 36 लोगों को पकड़ चुकी है।

सीता नवमी महोत्सव में शामिल हुए 22 देशों के राजदूत

-बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की व्यवहारिक जागरूकता वर्तमान समय की प्रबल आवश्यकता: डॉ. वेद टंडन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय संस्कृति के विलुप्त होते हुए त्योहारों को पुनर्जीवित करने की मुहिम में मंगलवार को नई दिल्ली स्थित एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में सीता नवमी महोत्सव का आयोजन नारी सशक्तिकरण से जोड़ते हुए किया गया। इस महोत्सव में 22 देशों के राजदूत शामिल हुए।

सीता नवमी महोत्सव के आयोजक और राष्ट्र मंदिर के संस्थापक अजय भाई ने कि वर्तमान में मिथिलांचल, पूर्वांचल, जनकपुर को छोड़कर अधिकांश लोग इस त्योहार को भूल चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन ऐसे ही विलुप्त होते हुए त्योहारों को पुनर्जीवित करने की एक मुहिम है। वहीं, संस्था के संयोजक और ओरछा के राजा राम की लीला के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वेद टंडन ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन बहुत भी भव्य रूप से किया गया, जिसमें भारी संख्या में देश-विदेश के गणमान्य शामिल हुए। उन्होंने कहा कि सशक्तिकरण के लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ इस ध्येय वाक्य की व्यवहारिक जागरूकता वर्तमान समय की प्रबल आवश्यकता है।

डॉ. वेद टंडन ने बताया कि इस विषय के व्यवहारिक पक्ष के लिए सीता नवमी को नारी सशक्तिकरण से जोड़ते हुए राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए गृहणी से लेकर विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने वाली विभिन्न महिलाओं के सम्मानार्थ श्री शक्ति सम्मान समारोह का प्रारंभ किया जा रहा है। डॉ. वेद टंडन ने बताया कि कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं, वहीं, विशिष्ट जन स्वामी चिदानंद, माता भगवती देवी, महामंडलेश्वर कैलाश, भाजपा सांसद हंस राज हंस और मनोजी तिवारी, दुष्यंत गौतम, विश्व हिंदू परिषद के प्रमुख आलोक कुमार, वरिष्ठ भाजपा नेता सुधांशु मित्तल, श्याम जाजू सहित एनडीएमसी उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय व विभिन्न तीर्थों से प्रमुख संत व गणमान्य कार्यक्रम उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संजीव शर्मा ने किया।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली पुलिस करेगी राजस्थान के मंत्री के बेटे पर दर्ज दुष्कर्म मामले की जांच

नई दिल्ली, सुषमा रानी। राजस्थान सरकार में मंत्री महेश जोशी के बेटे रोहित जोशी की मुश्किल बढ़ने वाली है। दिल्ली पुलिस अब खुद इस मामले में जांच करेगी। दुष्कर्म, अप्राकृतिक संबंध बनाने व अन्य आरोपों से घिरे मंत्री के बेटे के खिलाफ दिल्ली के सदर बाजार थाने में रविवार को जीरो एफआईआर दर्ज की गई थी। दिल्ली पुलिस ने अब जीरो एफआईआर को रेगुलर एफआईआर तब्दील कर खुद ही मामले की जांच करने का मन बना लिया है।

पुलिस सूत्रों का कहना है कि जल्द ही रोहित को नोटिस देकर जांच में शामिल होने के लिए कहा जाएगा। माना जा रहा है कि दिल्ली पुलिस मामले में मंत्री के बेटे रोहित की गिरफ्तारी भी कर सकती है।

उत्तरी जिला के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि चूंकि आरोपी ने दिल्ली के सदर बाजार इलाके में भी पीड़िता के साथ वारदात को अंजाम दिया था। इसलिए तय किया गया है कि दिल्ली पुलिस ही इस मामले की जांच करेगी।

तजिंदर बग्गा को कोर्ट से मिली बड़ी राहत, गिरफ्तारी पर लगाई रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के नेता और प्रवक्ता तजिंदर पाल सिंह बग्गा को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। तजिंदर बग्गा की गिरफ्तारी पर पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने पांच जुलाई तक अस्थाई रूप से रोक लगा दी है। इस दौरान पंजाब सरकार भी तजिंदर बग्गा के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर सकेगी। इस पुरे मामले में इससे पहले उच्च न्यायलय में आधी रात को हुई सुनवाई में तजिंदर बग्गा की गिरफ्तारी पर 10 मई तक रोक लगाई थी। दरअसल भाजपा नेता तजिंदर बग्गा के खिलाफ मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को धमकी देने, भड़काऊ बयान देने और धार्मिक नफरत फैलाने का मामला पुंजाब पुलिस ने दर्ज किया था। इसके बाद तजिंदर बग्गा को गिरफ्तार भी किया गया था, जिसका भाजपा ने जमकर विरोध किया था। उच्च न्यायलय द्वारा गिरफ्तारी पर रोक लगाने के बाद बगा ने एक वीडियो जारी किया था। इस वीडियो में उन्होंने एक मैसेज के जरिए कोर्ट और अल्पसंख्यक आयोग का धन्यवाद किया था। वीडियो में उन्होंने कहा था कि ह्यमैं पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के साथ-साथ अल्पसंख्यक आयोग का भी धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने कल यह दिखा दिया कि इस देश में कानून काम करता है। अल्पसंख्यक आयोग ने पंजाब सरकार को मुझे पगड़ी नहीं पहनने देने के लिए नोटिस भेजा है, हम बगैर पगड़ी के बाहर नहीं निकल सकते हैं।

सुभाष नगर फायरिंग की घटना में एक और गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी के सुभाष नगर इलाके में दो व्यापारियों पर सनसनीखेज हमले के मामले में एक आरोपी शूटर को गिरफ्तार किया है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। 7 मई की शाम को पश्चिमी दिल्ली के सुभाष नगर में एक व्यस्त सड़क पर हमलावरों के एक समूह ने एक कार को घेर लिया और कम से कम 10 राउंड फायरिंग की। कार में बैठे दो भाइयों अजय चौधरी और जस्सा चौधरी को गोली लगी और उनका इलाज चल रहा है। सूत्रों के अनुसार, नवीनतम गिरफ्तार की पहचान पारस उर्फ साहिल के रूप में हुई है, जिसकी शिनाख्त सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद हुई। बताया जा रहा है कि आरोपी पारस दिल्ली के किसी गैंग का हिस्सा था। घटना के एक दिन बाद रविवार को पुलिस ने 47 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जिसने कथित तौर पर अपने साथियों को अपराध करने के लिए स्कूटी दी थी। आरोपी की पहचान राजू खान उर्फ गूगा के रूप में हुई है। आरोपी राजू खान ने हमलावरों को दोपहिया वाहन मुहैया कराया था जिसका इस्तेमाल उन्होंने अपराध में किया था। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की उपयुक्त धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। जांच अभी भी चल रही है।

हर वकील को निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार है : हाईकोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्च न्यायालय ने कहा है कि ह्यप्रत्येक वकील, जो अपने मुवक्किल की ओर से पैरवी करने के लिए अदालत में पेश होता है, उसे निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार है, चाहे शिकायतकर्ता कोई भी क्यों न हो। न्यायालय ने सात लोगों की ओर से सीधे उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत की मांग को लेकर दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की है। याचिका में दावा किया गया कि चूंकि इस मामले में शिकायतकर्ता एक वकील है, इसलिए निचली अदालत में निष्पक्ष सुनवाई संभव नहीं थी क्योंकि उनके वकीलों को बहस के दौरान परेशान किया जा सकता था। जस्टिस तलवंत सिंह के समक्ष मामले की सुनवाई के दौरान मौजूद मामले के शिकायतकर्ता ने भरोसा दिया कि निचली अदालत में ऐसा कुछ नहीं होगा, जैसा आरोपियों की ओर से दावा किया गया है। इस पर न्यायालय ने प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, नई दिल्ली से यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि जब भी आरोपियों की ओर से निचली अदालत में याचिका दाखिल की जाती है या मामले की सुनवाई हो तो ऐसी कोई घटना नहीं हो, जैसा कि आशंका व्यक्त की गई है। न्यायालय ने आरोपियों की याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि ह्यहर वकील, जो अपने मुवक्किल की ओर से पेश होता है, उसे निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार है, चाहे शिकायतकर्ता कोई भी क्यों न हो।

अदभुत शौर्य व साहस के प्रतीक थे महाराणा प्रताप : मनोज तिवारी

नई दिल्ली, एजेंसी। सांसद मनोज तिवारी ने मुकुंदपुर स्थित महाराणा प्रताप पार्क में स्थित उन की विशाल प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उपस्थित समाज के सैकड़ों लोगों को महाराणा प्रताप की जन्म जयंती की बधाई दी और खजान सिंह द्वारा संकलित इतिहास पर लिखी पुस्तक राजपूत इतिहास का विमोचन किया 4 दिन पहले ही सांसद मनोज तिवारी ने डीडीए के अधिकारियों के साथ बरसों से जर्जर हालत में मौजूद पार्क के अंदर विशालकाय प्रतिमा के जीर्णोद्धार का कार्य शुरू करवाया था। कार्यक्रम में विधायक विजेंद्र गुप्ता जिला अध्यक्ष मोहन गोयल, उपाध्यक्ष आनंद त्रिवेदी, पूनम चौहान, महामंत्री गुलाब सिंह राठौर, निगम पार्षद रेखा सिन्हा, कल्पना झा, राज कमल पटेल, किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष हितेंद्र त्यागी एवं युवा सिसोदिया मंच के

पदाधिकारी प्रकाश सिसोदिया किशोर सिसोदिया अशोक सिसोदिया ईश्वर सिसोदिया मंडल अध्यक्ष राकेश कौशिक मौजूद रहे। इस अवसर पर मनोज तिवारी ने कहा कि वीर सपूत, महान योद्धा और अदभुत शौर्य व साहस के प्रतीक महाराणा प्रताप ने भारत को एक ऐतिहासिक सोच दी जो युवाओं में स्वाभिमान योद्धाओं में वीरता और शौर्य का संचार करती है उनके आदर्शों का अनुकरण मात्र हमें देश प्रेम की भावना से जोड़ता है वही स्वाभिमान के लिए बड़े से बड़े विद्वान के लिए प्रेरित करता है जन्म जयंती पर आयोजन के लिए उन्होंने सामाजिक संस्था को बधाई देते हुए कहा कि आज देश के स्वाभिमान की रक्षा के लिए महाराणा प्रताप जैसे योद्धाओं और बलिदान की परंपरा का होना नितांत आवश्यक है और वह हमें महाराणा प्रताप के जीवन के आदर्श से मिलता है।

मनोज तिवारी ने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आज आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है इसी के तहत हमने महाराणा प्रताप से जुड़े इस पार्क के जीर्णोद्धार का संकल्प लिया और इसे आगामी 3 महीने में एक भव्य स्मारक का रूप दिया जाएगा इसी क्रम में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के सहयोग और परस्पर मार्गदर्शन से अन्य महापुरुषों के भी स्मारक बनाए जाएंगे जिससे आने वाली पीढ़ी को अपनी परंपरा और युवाओं में प्रेरणा का संचार होगा उन्होंने समाज के लोगों से आग्रह किया कि शहीदों के स्मारक बनाने के लिए उपयोगी जमीन की तलाश करें और हमें उसकी जानकारी दें हम समाज और शासन के सहयोग से इस क्रम को आगे भी जारी रखेंगे।

क्रिप्टोक्यूरेंसी के नाम पर युवती से लाखों की ठगी

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिप्टोक्यूरेंसी के नाम पर ठगों ने एक युवती के साथ दो लाख चार हजार रुपये की ठगी कर ली। बाहरी उत्तरी जिला के साइबर थाना पुलिस ने पीड़ित लड़की के बयान पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक पीड़ित अदिती सेक्टर-18 रोहिणी, समयपुर बादली इलाके में रहती है। युवती ने पुलिस को दी लिखित शिकायत में बताया कि बीते 27 अप्रैल को दिविका मित्तल नामक महिला ने उससे संपर्क किया था। जिसने क्रिप्टोक्यूरेंसी में पैसा लगाकर मुनाफा कमाने की बात कही थी। दिविका की क्रिप्टोक्यूरेंसी के बारे में जानकारी लेकर उसके कहने पर दस हजार रुपये दिविका के बताए बैंक खाते में गूगल पेय से जमा करवा दिये थे। दिविका के कहने पर उसने लिंक कोस्ट नामक एप को डाउनलोड कर लिया था, लेकिन उसके बाद उसके खाते से 28 अप्रैल की रात 12 बजकर 31 मिनट पर दस हजार रुपये निकल गए।

उसके बाद दो बजकर 37 मिनट तक आठ बार ऑनलाईन टांजेक्शन हुई। अगले ही दिन रात के वक्त ही पचास हजार रुपये दो ट्रांजेक्शन के जरिये निकले और 30 अप्रैल की रात12 बजकर 49 मिनट पर तीस हजार रुपये निकले। तीन दिन में 11 ऑनलाईन ट्रांजेक्शन से उसके खाते से ऑनलाईन दो लाख चार हजार आठ सौ 73 रुपये निकल गए। जिसके बारे में उसको बाद में पता चला था। बैंक अधिकारियों से संपर्क कर उसने अपने खाते को ब्लॉक करवाया था। खुद को ठगा महसूस करने के बाद उसने पुलिस में लिखित शिकायत दी।

दिल्ली मेट्रो में केबल चोरी रोकने के लिए मेट्रो पुलिस ने बनाई खास योजना

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की लाइफ लाइन कही जाने वाली मेट्रो के भीतर केबल चोरी के मामले पुलिस और डीएमआरसी के लिए सिरदर्द बने हुए हैं। आये दिन गैंग लाखों रुपये की केबल चोरी कर फरार हो जाते हैं। इन पर काबू पाने के लिए मेट्रो डीसीपी जितेंद्र मणि और डीएमआरसी की टीम ने मिलकर योजना बनाई है। डीसीपी की मानें तो इस तरह के कई गैंग पकड़े गए हैं और इस तरह की वारदातों में कमी देखने को मिल रही है। डीसीपी ने बताया कि केबल चोरी करने वाले गैंग मुख्य रूप से तीन तरीकों से वारदात को अंजाम देते हैं। इसमें सबसे पहले वह ऐसी जगह का इस्तेमाल कर मेट्रो परिसर में प्रवेश करते हैं जहां पर मेट्रो अंडर ग्राउंड होती है या अंडर ग्राउंड से बाहर निकलती है। ऐसी जगह पर वह आसानी से मेट्रो ट्रैक पर चले जाते हैं और वहां केबल चोरी कर फरार हो जाते हैं। दूसरे तरीके में यह गैंग ऐसी जगह चुनते हैं जहां पर मेट्रो ट्रैक के समीप पेड़ मौजूद हो। वह पेड़ के रास्ते मेट्रो ट्रैक पर चले जाते हैं और वहां से कीमती केबल चोरी कर नीचे खड़े अपने साथियों के पास फेंक देते हैं। तीसरे तरीके में यू-शेप में बने हुए पिलर के बीच मौजूद गैप के सहारे वे ऊपर दाखिल होते हैं। यहां से ट्रैक पर जाकर वह केबल को काटते हैं और उसे नीचे खड़े अपने साथियों के पास फेंक देते हैं। यह भी देखने में आया है कि ऊपर चढ़ने वाला शख्स बेहद हल्का होता है। उसका वजन 40 से 50 किलो होता है ताकि वह आसानी से ऊपर चढ़ सके और वारदात को अंजाम दे सके।

तार को काटने के लिए भी आरोपितों ने बेहद ही खास तरह का कटर बनाया होता है। लकड़ी के सहारे कटर को बांधकर वह केबल को काटते हैं ताकि उन्हें करंट ना लगे। चोरी होने वाली यह केबल 10 से 15 हजार रुपये प्रति मीटर कीमत की होती है।

साली को बलात्कार के बाद बदनाम करने की धमकी, पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। बाहरी जिले की स्पेशल स्टॉफ टीम ने एक फरार बलात्कारी को 22 सौ किलोमीटर से ज्यादा पीछा करने के बाद कर्नाटक से गिरफ्तार किया है। आरोपित ने पहले भी कानपुर में पीड़िता पर तेजाब से हमला किया था और उसे सात साल की कैद हुई थी। आरोपित की पहचान कपिल गुप्ता उर्फ आशीष गुप्ता के रूप में हुई है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। डीसीपी समीर शर्मा ने मंगलवार को बताया कि बीते 21 मार्च को सुल्तानपुरी थाने में एक महिला ने शिकायत दर्ज करवाई थी। महिला ने पुलिस को बताया कि 13 दिसंबर 2021 में सत्तर गंज, कानपुर यूपी के रहने वाले कपिल गुप्ता उर्फ आशीष गुप्ता जोकि उसका जीजा लगता है। कपिल उसके घर पर आया था। उसके पति और बच्चों पर तेजाब से हमला करने की धमकी देकर उसके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए।

इसके बाद उसने इसका वीडियो बना लिया और वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी। उसे ब्लैकमेल करने के बाद उसने दोबारा उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपित के बारे में जानकारी लेने की कोशिश की। पुलिस टीम ने उसके फोन को सर्विलांस पर लगाकर उसकी लोकेशन पता करने की कोशिश की। पुलिस को शुरूआती जांच में पता चला कि आरोपित कपिल गुप्ता पीड़िता को जानता था।

2005 में आरोपित कपिल गुप्ता ने शिकायतकर्ता पर तेजाब फेंका था। मामले में स्थानीय थाना करनालगंज, कानपुर में धारा 326 आईपीसी के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले में आरोपित को सात साल की सजा सुनाई गई थी। इस वारदात के बाद पीड़िता की शादी हो गई थी,जो दिल्ली में शिफ्ट हो गई थी। वह अपने ससुराल में पति और बच्चों के साथ रह रही थी। सजा पूरी होने के बाद आरोपित कपिल गुप्ता को जेल से रिहा किया गया। बाहर आते ही उसने पीड़िता से एक बार फिर से संपर्क किया। 13 दिसंबर 2021 को संपर्क कर कपिल गुप्ता ने उनके घर में जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए और उक्त घटना का वीडियो बना लिया था। मामले की गंभीरता को देखते इंस्पेक्टर अजमेर सिंह के निर्देशन में एएसआई राकेश और हेड कांस्टेबल परवीन को आरोपित को पकड़ने का जिम्मा सौंपा गया। फरार आरोपी कपिल गुप्ता को पकड़ने के लिए पंजाबी बाग और आरोपितों के अन्य संभावित ठिकानों पर कई छापे मारे गए। उसे गिरफ्तार करने के लिए एक टीम को उसके पैतृक स्थान कानपुर, उत्तर प्रदेश में भी भेजा गया था, लेकिन उसका पता नहीं चल सका क्योंकि उसने अपना मोबाइल फोन बंद कर दिया था।

संपादकीय

पीओजेके पीड़ितों को मिलेगा न्याय!

आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए जम्मू-कश्मीर के अपने उन भाइयों और बहिनों को याद करना आवश्यक है जोकि पाकिस्तान के जुल्मोसितम के शिकार हुए। उनके वंशज आजतक भी शोषण-उत्पीड़न सहने और दर-दर की ठोकरें खाने को अभिशप्त हैं। पाक अधिक्रांत जम्मू-कश्मीर के विस्थापितों और वहाँ के वासियों के साथ न्याय सुनिश्चित करना राष्ट्रीय कर्तव्य है। दरअसल, पीओजेके स्वातंत्र्योत्तर भारत की बलिदान भूमि है। जम्मू में 8 मई, 2022 को जम्मू-कश्मीर पीपुल्स फोरम द्वारा आयोजित ह्यश्रद्धांजलि व पुण्यभूमि स्मरण सभाह्ल ऐसी ही एक कोशिश है। इस सभा में शामिल होकर पाक अधिक्रांत जम्मू-कश्मीर के हजारों विस्थापित अपने पूर्वजों के त्याग और बलिदान का स्मरण करेंगे। यह अपने जीवन-मूल्यों, धर्म-संस्कृति और राष्ट्रभाव का परित्याग न करने वाले भारत माँ के उन असंख्य सपूतों के प्रति श्रद्धांजलि और उनके वंशजों के साथ खड़े होने का अवसर है। साथ ही, अपनी ह्यघर वापसीह्ल और अपने अधिकारों की आवाज भी मुखर करेंगे। इस सभा का उद्देश्य पाकिस्तान, चीन और दुनिया को यह सन्देश देना है कि प्रत्येक भारतीय अपने पीओजेके के उत्पीड़ित और विस्थापित भाइयों-बहिनों के बलिदान और दुःख-दर्द से अनजान नहीं है। उनके कष्ट निवारण और राष्ट्रीय एकता-अखंडता की रक्षा के लिए सम्पूर्ण राष्ट्र एकजुट और संकल्पबद्ध है।

पाक अधिक्रांत जम्मू-कश्मीर के प्रमुख क्षेत्र नीलम, हटियन बाला, मीरपुर, देवा बटाला, भिम्बर, कोटली, बाग पुलंदरी, सदनोती, रावलकोट, मुजफ्फराबाद, पुंछ, गिलगित और बाल्टिस्तान आदि हैं। बाद की दो लड़ाइयों (1965 और 1971) में पाकिस्तान ने कूटनीतिक चालाकी से छम्ब सेक्टर को भी हथिया लिया। माँ शारदा पीठ, माँ मंगला देवी मंदिर, और गुरू हरगोविंद सिंह गुरुद्वारा जैसे अनेक पवित्र स्थल पाकिस्तान के अवैध कब्जे में हैं। पीओजेके वासियों की भाषा, खान-पान, वेशभूषा और संस्कृति-प्रकृति पाकिस्तानी से अधिक भारतीय है। यहाँ कश्मीरी, गोजरी, पहाड़ी, हिंदको आदि भाषाएं बोली जाती हैं। यह क्षेत्र न सिर्फ भू-रणनीतिक दृष्टि से, बल्कि अपने प्राकृतिक संसाधनों और सांस्कृतिक समृद्धि के कारण भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज यहाँ शिया मुसलमान बसते हैं। आजादी के समय हिन्दू और सिख भी काफी संख्या में रहते थे। जितने जुल्मोसितम गैर-मुस्लिमों अर्थात हिन्दू और सिखों पर हुए लगभग उतने ही जुल्मोसितम आज शिया मुसलामानों पर हो रहे हैं। उन्हें आजतक भी दोयम दर्जे का मुसलमान और दोयम दर्जे का नागरिक माना जाता है। अमजद अयूब और डॉ. शब्बीर चौधरी (लन्दन), जमील मकसूद (ब्रुसेल्स), मंसूर अहमद पश्तीन (वजीरिस्तान), आरिफ आज़िक्या, हाजी सैय्यद सलमान चिश्ती, जफर चौधरी और जावेद राही जैसे हिम्मतवर लोग अलग-अलग मंचों से लगातार पीओजेके के पीड़ितों की आवाज मुखर कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर पीपुल्स फोरम द्वारा आयोजित जनसभा का प्रतीकात्मक ही नहीं, बल्कि रणनीतिक महत्व भी है। इस सभा में अपनी भूमि को वापस पाने और घर वापसी के संकल्प को फलीभूत करने के ठोस उपायों पर चर्चा होनी चाहिए। इन विस्थापितों की कुर्बानियों और कष्टों की ओर अंतरराष्ट्रीय समाज का ध्यान भी आकृष्ट करना चाहिए। मानवाधिकारों का उल्लंघन, लोकतन्त्र का पददलन, माँ-बहिनों का शील-हरण, पाकिस्तानी सेना की पिट्ठू सरकार और शासन-तंत्र द्वारा दमन, पाकिस्तानी सेना की देखरेख में फल-फूल रहे आतंकी संगठन और नशीले पदार्थों की खेती और तस्करी, पाकिस्तान के सिन्धी-पंजाबी मुस्लिम समुदाय को बसाकर किये जा रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तन, मंदिरों और गुरुद्वारों को ढहाने, मूर्तियों को क्षतिग्रस्त करने आदि के किस्से पाक अधिक्रांत कश्मीर का रोजनामचा है। यह सब सह रहे लोगों का अपराध यह है कि वे महाराजा हरिसिंह द्वारा हस्ताक्षरित 26 अक्टूबर, 1947 के अधिमिलन-पत्र के अनुसार भारतीय गणराज्य का हिस्सा होना चाहते हैं। भारत की प्रगति और खुशहाली में शामिल होना चाहते हैं। अमन-चैन और सुख-शांति चाहते हैं, जो 'एक असफल राष्ट्र' बन चुके पाकिस्तान में कभी मयस्सर नहीं होगी।

यह ऐतिहासिक अवसर है कि हम भूल-सुधार करते हुए अपने देश के भूले-बिसरे हिस्सों और देशवासियों का ध्यान करें। उनके मान-सम्मान और अधिकारों के लिए कुछ ठोस योजनायें बनायें। वर्तमान केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर समस्या के समाधान की दिशा में दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय दिया है। उसने पीओजेके विस्थापितों के प्रति पूरी संवेदनशीलता, सहानुभूति और सदाशयता दिखाते हुए 2000 करोड़ रुपये के राहत पैकेज, अन्यान्य सुविधाओं और योजनाओं की शुरूआत की है। लेकिन इस राहत पैकेज में जम्मू-कश्मीर के बाहर बसे विस्थापितों को शामिल न करना अनुचित है। तत्कालीन जम्मू-कश्मीर सरकार की सांप्रदायिक नीति और उपेक्षापूर्ण रवैये के कारण बहुत से विस्थापितों को अलग-अलग राज्यों में शरण लेनी पड़ी। पीओजेके विस्थापित समिति ने गृहमंत्री अमित शाह को एक ज्ञापन देकर अलग-अलग जगहों पर बसे सभी शरणार्थियों को इन राहत योजनाओं का लाभ देने की माँग भारत सरकार से की है। कश्मीर घाटी के विस्थापितों के लिए भी ऐसे पैकेज और परियोजनाओं लागू की जा रही हैं। लेकिन इन राहत योजनाओं का दायरा और स्तर बढ़ाये जाने की आवश्यकता है। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम-2019 ऐसी ही एक उल्लेखनीय राहत योजना है। कश्मीर घाटी के विस्थापितों के लिए देश के शिक्षण संस्थानों और सरकारी सेवाओं में प्रवेश हेतु विशेष प्रावधान किये गए हैं। इसके दायरे में पीओजेके विस्थापितों को भी शामिल करने की आवश्यकता है। जिस भारत का नागरिक होने की वजह से उनके पूर्वजों को असहनीय क्रूरता और प्रताड़ना सहनी पड़ी और वे स्वयं आजतक भी मुश्किल हालात में जीने को मजबूर हैं; उस भारत की सरकार और नागरिक समाज को एकजुट होकर उनके साथ खड़े होने और उनके आँसू पोंछने और आश्वस्त करने की जरूरत है।

जिस प्रकार चीन लद्दाख क्षेत्र में भारतीय सीमा पर गाँव बसाने की साजिशें रच रहा है, उसीप्रकार भारत को भी कश्मीर घाटी में और पीओजेके के सीमान्त क्षेत्रों में सेना और अर्धसैनिकों बलों की कॉलोनियां बसाने की पहल करनी चाहिए। यहाँ बसने और काम-धंधा शुरू करने वाले देशवासियों को बसाने के लिए भूमि अधिगृहीत और विकसित की जानी चाहिए। प्रवासी श्रमिकों और उद्यमियों के लिए सस्ते दाम पर आवासीय और व्यावसायिक भूखंड, आसान ऋण, ब्याज दर में सब्सिडी, शस्त्र लाइसेंस और शस्त्र आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए। ये लोग आतंकवाद से निपटने और खोई हुई भूमि को पाने में सेना और स्थानीय समाज के साथ प्रभावी भूमिका निभा सकेंगे। दहशतगर्दों के वर्चस्व को समाप्त करने की दिशा में ये उपाय प्रभावी साबित होंगे। आतंकवाद के शिकार निर्दोष नागरिकों को शहीद का दर्जा और उनके परिजनों को आर्थिक, सामाजिक और शारीरिक सुरक्षा देकर आतंकवाद से निडरतापूर्वक लड़ने वाला नागरिक समाज तैयार किया जा सकता है। सामाजिक संकल्प और संगठन के सामने मुट्ठीभर भाड़े के आतंकी भला कब तक ठहर पायेंगे! जस्टिस रंजना देसाई की अध्यक्षता वाले परिसीमन आयोग ने अपनी अंतिम रिपोर्ट दे दी है। इसमें अनुसूचित जनजातियों के लिए 9 सीटें आरक्षित की गयी हैं। आयोग ने एक महिला सहित कश्मीर घाटी के दो विस्थापितों के मनोनयन की सिफारिश की है।

TITLE CODE:-DELHIN29015

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक मो. अकिलुर रहमान द्वारा आरडी प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड नोएडा से मुद्रित व जे-29, जे-एक्स. गली नं-9, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित। सभी प्रकार के विवादित मामलों का निपटारा दिल्ली के न्याय क्षेत्र में ही होगा।

संपादक : मो. अकिलुर रहमान

E-mail : rajnitikdaon@gmail.com

Mob-9560268603

भारत अब भी युद्ध-विराम की कोशिश करें

ललित गर्ग

रूस-यूक्रेन युद्ध रुकने का नाम नहीं ले रहा है, जैसे-जैसे समय बीत रहा है, अधिक विनाश एवं विध्वंस की संभावनाएं बढ़ती जा रही है। विश्व युद्ध का संकट भी मंडराने लगा है। रूस-यूक्रेन के युद्ध विराम के मामले में भारत ने प्रयास किये, उसे व्यापक प्रयास करते हुए युद्ध विराम का श्रेय हासिल करना चाहिए था, ऐसा करने की सामर्थ्य एवं शक्ति भारत एवं उसके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास है, यूक्रेन-विवाद शांत करने के लिए भारत की पहल सबसे ज्यादा सार्थक हो सकती है लेकिन जो पहल हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की, उसे आगे बढ़ाना चाहिए था, लेकिन वह कोशिश अब संयुक्तराष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतरेस ने कर दी और वे काफी हद तक सफल भी हो गए। गुतरेस खुद जाकर पूतिन और झेलेंस्की से मिले। उन्होंने दोनों राष्ट्रों के सर्वोच्च नेतृत्व को समझाने-बुझाने की कोशिश की। दुनिया को विश्वयुद्ध से बचाने के लिये इस तरह की युद्ध-विराम की कोशिश बहुत जरूरी है और ऐसी कोशिशों में तीव्र गति लायी जानी चाहिए। क्योंकि युद्ध भले ही यूक्रेन और रूस की धरती पर हो रहा हो, लेकिन उसका असर सम्पूर्ण विश्व को झेलना पड़ रहा है।

यूक्रेन और रूस में शांति का उजाला करने, अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव करने के लिये भारत को एक बार फिर शांति प्रयासों को तीव्र गति देनी चाहिए। मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध की विभीषिका से मुक्ति देने के लिये यह जरूरी है। इन दोनों देशों को युद्ध विराम से अभय बनकर विश्व को निर्भय बनाना चाहिए। निश्चय ही यह किसी एक देश या दूसरे देश की जीत नहीं बल्कि समूची मानव-जाति की जीत होगी। यह समय की नजाकत को देखते हुए जरूरी है और इस जरूरत को महसूस करते हुए दोनों देशों को अपनी-अपनी सेनाएं हटाने के लिए तैयार हो जाना चाहिए। यह रूस का अहंकार एवं अंधापन ही है कि वह पहले दिन से ही ऐसे व्यवहार कर रहा है जैसे यूक्रेन उसके समक्ष कुछ भी नहीं, सचाई भी यही है कि यूक्रेन रूस के सामने नगण्य है। यथार्थ यह है कि अंधकार प्रकाश की ओर चलता है, पर अंधापन मृत्यु-विनाश की ओर। लेकिन रूस ने अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य का अहसास एक गलत समय पर गलत उद्देश्य के लिये कराया है।

भारत की नीति यह थी कि रूस का विरोध या समर्थन करने की बजाय हमें अपनी ताकत युद्ध को बंद करवाने में लगानी चाहिए। अभी युद्ध तो बंद नहीं हुआ है लेकिन गुतेरस के प्रयत्नों से एक कमाल का काम यह हुआ है कि सुरक्षा परिषद में सर्वसम्मति से यूक्रेन पर एक प्रस्ताव पारित कर दिया है। उसके समर्थन में नाटो देशों और भारत जैसे सदस्यों ने तो हाथ ऊँचा किया ही है। सुरक्षा परिषद का एक भी स्थायी सदस्य किसी प्रस्ताव का विरोध करे तो वह पारित नहीं हो सकता। रूस ने वीटो नहीं किया। क्योंकि इस प्रस्ताव में रूसी हमले के लिए ह्ययुद्धह्ल, ह्यआक्रमणह्ल या ह्यअतिक्रमणह्ल जैसे शब्दों का प्रयोग नहीं किया जाकर उसे सिर्फ ह्यविवादह्ल कहा गया है। इस ह्यविवादह्ल को बातचीत से हल करने की पेशकश की गई है। यही बात भारत हमेशा कहता रहा है। इस प्रस्ताव को नार्वे और मेक्सिको ने पेश किया था। यह प्रस्ताव तब पास हुआ है, जब सुरक्षा परिषद का आजकल अमेरिका अध्यक्ष है। वास्तव में इसे हम भारत के दृष्टिकोण को मिली विश्व-स्वीकृति भी कह सकते हैं। इस प्रस्ताव के बावजूद यूक्रेन-युद्ध अभी बंद नहीं हुआ है। भारत के लिए अभी भी मौका है अपने शांति प्रयास एवं युद्ध विराम की कोशिशें तीव्र करें। रूस और नाटो राष्ट्र, दोनों ही भारत से घनिष्टता बढ़ाना चाहते हैं

और दोनों ही भारत का सम्मान करते हैं। यदि प्रधानमंत्री मोदी अब भी पहल करें तो यूक्रेन-युद्ध तुरंत बंद हो सकता है। ऐसा संभव होता है तो यह भारत की बहुत बड़ी उपलब्धि मानी जायेगी। भले ही भारत के रिश्ते रूस के साथ दोस्ताना के रहे हैं, लेकिन इसकी अनदेखी भी नहीं की जा सकती कि यूक्रेन पर रूस के भीषण हमलों में वहां लोगों की जान जा रही है-न केवल निर्दोष-निहत्थे यूक्रेनियों की, बल्कि अन्य देशों के नागरिकों की भी।

यूक्रेन के साथ कोई अनहोनी होती है तो इसके लिए केवल रूस ही जिम्मेदार होगा। रूस एवं यूक्रेन के बीच इस तरह युद्धरत बने रहना खुद में एक असाधारण और अति-संवेदनशील मामला है, जो समूची दुनिया को विनाश एवं विध्वंस की ओर धकेलने जैसा है। ऐसे युद्ध का होना विजेता एवं विजित दोनों ही राष्ट्रों को सदियों तक पीछे धकेल देगा, इससे भौतिक हानि के अतिरिक्त मानवता के अपाहिज और विकलांग होने का भी बड़ा कारण बनेगा। विश्व के एक बड़े हिस्से में रूस पहले ही एक खलनायक जैसा उभर आया है। उसे विश्वशांति एवं मानवता की रक्षा का ध्यान रखते हुए युद्ध विराम के लिये अग्रसर होना चाहिए।

यह सही है कि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने रूस के सुरक्षा हितों की उपेक्षा करते हुए यूक्रेन को सैन्य संगठन नाटो का हिस्सा बनाने की अनावश्यक पहल की, यही वह वजह है जिसके कारण युद्ध उग्रत्तर होता गया लेकिन इसका यह मतलब तो नहीं कि रूसी राष्ट्रपति यूक्रेन के आम लोगों के साथ वहां रह रहे विदेशी नागरिकों की जान की परवाह न करें। फिलहाल वह ऐसा ही करते दिख रहे हैं और इसीलिए पश्चिम के साथ-साथ दुनिया के अन्य हिस्सों में भी निंदा का पात्र बने हुए हैं। खुद भारत ने सुरक्षा परिषद में यह साफ किया है कि यूक्रेन में हमला करके रूस ने उसकी संप्रभुता का उल्लंघन करने के साथ जिस तरह अंतरराष्ट्रीय नियमों की अवहेलना की, उसे उचित नहीं ठहराया जा सकता। यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध में भारतीय पक्ष का रुख न केवल संवेदनशील, बल्कि संतुलित भी है। भारत ने हमले की निंदा खुले शब्दों में भले न की हो, लेकिन उसने रूसी हमले का पक्ष भी नहीं लिया है और यूक्रेन की स्वतंत्रता और संप्रभुता के पक्ष में डटा हुआ है। कुल मिलाकर, भारत शांति का पक्षधर है और रूस एवं यूक्रेन युद्ध के सन्दर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि एक साहसी लेकिन अहिंसक नेता के रूप में उभरी है।

युद्ध जब शुरू हुआ था, तब भारत पर विशेष दबाव था कि वह युद्ध रोकने की पहल करे और भारत ने अपने दायरे में रहते हुए पुरजोर कोशिश की भी है। यहां तक कि भारत के रुख से अमेरिका को भी कोई शिकायत नहीं है। रूस भारत का आजमाया हुआ मित्र देश है, इस हिसाब से भी भारत का संतुलित रुख वास्तव में युद्ध का विरोध ही है। भारत में पदस्थ रूसी राजदूत ने भी संयुक्त राष्ट्र में भारत द्वारा अपनाए गए निष्पक्ष और संतुलित रुख के लिए आभार जताया है। भारत ने न केवल संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने का आह्वान किया है, बल्कि हिंसा और शत्रुता को तत्काल समाप्त करने की भी मांग की है। भारत इस समस्या का समाधान कूटनीति के रास्ते से देखना चाहता है। वह युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला चाहता है। पिछले दिनों कुछ व्यग्रता का परिचय देते हुए पोलैंड जैसे देश भारत या भारतीयों के खिलाफ दिखने लगे थे, लेकिन उन्हें भी भारत की कोशिशों का महत्व समझ में आ गया है। भारत की कोशिशें उन देशों से कहीं बेहतर हैं, जो यूक्रेन को हथियार देकर आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। लेकिन उन्हें यह सोच लेना चाहिए, जब रूस में तबाही शुरू होगी, तब इस युद्ध का क्या रुख होगा? यह तबाही रूस नहीं, बल्कि समूची दुनिया की तबाही होगी, क्योंकि रूस परमाणु विस्फोट करने को विवश होगा, जो दुनिया की बड़ी चिन्ता का सबब है।

बड़े शक्तिसम्पन्न राष्ट्रों को इस युद्ध को विराम देने के प्रयास करने चाहिए। जबकि वे हिंसक एवं घातक मारक अस्त्र-शस्त्र देकर युद्ध को और तीव्र कर रहे हैं, जबकि युद्ध क्षेत्र में आम लोगों तक हर जरूरी मानवीय मदद पहुंचाने की जरूरत है, भारत ने मानवीय आधार पर इसी तरह की राहत सामग्री यूक्रेन भेजी है। भारत ने उचित ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को यह भी बता दिया है कि वह सभी संबंधित पक्षों के संपर्क में है और उनसे बातचीत की मेज पर लौटने का आग्रह कर रहा है। निस्संदेह, भारत को मानवता के पक्ष के साथ-साथ अपना हित देखते हुए शांति और राहत के प्रयासों में जुटे रहना चाहिए और अपने युद्ध-विराम प्रयासों को तीव्र गति देनी चाहिए।

हेलमेंट और पत्नी दोनों सुरक्षा कवच!!

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर नारी का सम्मान हर देश में किया जाता है। नारी के हक, अधिकार, समानता का भाव इत्यादि अनेक अवसरों के लिए वैश्विक स्तरपर अनेक दिन मनाए जाते हैं। हमने अभी 8 मार्च 2022को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े जोरदार ढंग से और शिद्दत के साथ मनाया। साथियों आधी आबादीके तौर पर महिलाएं हमारे समाज -जीवन का एक मजबूत आधार है। महिलाओं के बिना इस दुनिया की कल्पना करना ही असंभव है।कई बार महिलाओं के साथ पेशेवर जिंदगी में भेदभाव होता है। घर-परिवार में भी कई दफा उन्हें समान हक और सम्मान नहीं मिल पाता है। फिर वे जूझती हैं। संघर्ष कर करती हैं और इस दुनिया को खूबसूरत बनाने में उनका ही सर्वाधिक योगदान है। महिला/ स्त्री/ नारी/ औरत शब्द कुछ भी हो, मां/ बहन/ बेटी/ पत्नी रिश्ता कोई सा भी हो वे हर जगह सम्मान की हकदार है। चाहे वह शिक्षक/ वकील/ डॉक्टर/ पत्रकार/ सैनिक/ सरकारी कर्मी/इंजीनियर जैसे किसी पेशे में हों या फि र गृहिणी ही क्यों न हों, समानता, सम्मान का अधिकार उन्हें भी उतना ही है, जितना की पुरुषों का है।

साथियों आज हम इन अधिकारों में जो नारी का पत्नी के रूप में सराहनीय जवाबदारी निभाने से संबंधित है, जो ग्रहणी के साथ घर का प्रबंधन, सास ससुर की माता पिता के रूप में सेवा, पति के जीवन में हर मोड़ पर संगिनी का रूप होता है, पत्नी को हर पति और परिवार द्वारा सम्मान दिए जाने को रेखांकित करना जरूरी है। मीडिया में या हम कई जगहों पर एक व्यंग्य या जोक्स के रूप में पढ़ते हैं कि हेलमेंट और पत्नी दोनों का स्वभाव एक जैसा होता है सिर पर बिठाके रखो तो जान बची रहेगी!!

साथियों इसमें भी हम सकारात्मकता और गंभीरता से सोचे तो यह सच है कि जो नारी पत्नी के रूप में इतनी जवाबदारियां निभाती है वह सम्मान की हकदार तो होगी ही!! यहां हम सिर पर बैठाके रखो से का अर्थ मान सम्मान और उसके हक के संबंध में करते हैं, और करें भी क्यों ना? क्योंकि हमने अनेक बार यह कहावत सुने हैं कि पुरुष की सफलता के पीछे नारी का हाथ होता है। अनेकों बार पति की सफलता के पीछे भी पत्नी का बहुत बड़ा हाथ होता है कुछ अपवादों को छोड़ दें तो वह हर स्थिति, परिस्थितियों में पति का साथ देती है।

साथियों बात अगर हम पतिपत्नी के दांपत्य जीवन में सोच की करें तो, दांपत्य जीवन में पति-पत्नी की अलग सोच रिश्ते को कमजोर कर सकती हैं। जब पति पत्नी के विचार एक दूसरे से नहीं मिलते तो लड़ाई या टकराव होना स्वभाविक है। हर किसी व्यक्ति का स्वभाव अलग-अलग होता है और अगर दो अलग स्वभाव के व्यक्ति एक रिश्ते में बंध जाएं तो ऐसे में समझदारी से काम लेना जरूरी है। लेकिन कभी-कभी गलत फैसले लेने से रिश्ते में गलतफहमी बढ़ती चली जाती है और रिश्ता टूटने लगता है। ऐसे में समय रहते रिश्ते को बचाना जरूरी है। बता दें कि कुछ तरीके रिश्ते में खुशहाली और प्यार दोनों ला सकते हैं। ऐसे अनेक तरीके हैं जो अलग-अलग स्वभाव के व्यक्ति एक दूसरे के साथ तालमेल बैठाने के लिए अपना सकते हैं।

साथियों बात अगर हम दांपत्य जीवन में आपस में सामंजस्य बैठाने की करें तो, अगर आपकी अपने पार्टनर के साथ कई मसलों पर सहमति नहीं होती हैं तो ऐसे में लड़ाई करने के बजाए कोई ऐसा रास्ता निकालें, जिससे आपका और आपके पार्टनर का दोनों की बात का मान रह जाए, हर व्यक्ति की अपनी पसंद अपनी इच्छा होती है। ऐसे में अपने पार्टनर पर उस इच्छा को ठोकना गलत बात है। अपने पार्टनर को पर्सनल स्पेस से दें। हमेशा दांपत्य जीवन में एक दूसरे को सामान समझे और दोनों के फैसले को महत्व दें।

साथियों बात अगर हम दांपत्य जीवन में रिश्ते और परिवार के स्वभाव की करें तो, दांपत्य जीवन में एक दूसरे से प्यार करने के साथ-साथ उसकी इज्जत करना भी बेहद जरूरी है। ऐसे में यदि आपको पता है कि आपके पार्टनर का स्वभाव अलग है या उसके कुछ फैसले आपको पसंद नहीं हैं तो उसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि आप अपने पार्टनर के स्वभाव को बदलें। ऐसा करने से आपके पार्टनर को लग सकता है कि आप उससे प्यार नहीं करते और आप को उनके कारण शर्मिंदगी होती है। ऐसे में अपने पार्टनर का स्वभाव बदलने के बजाय आप अपने पार्टनर को अपनी परेशानी के बारे में बताएं और एक दूसरे से बातचीत करें।

साथियों बात अगर हम सिर पर बिठाके रखो तो जान बची रहेगी की करें तो इस आर्टिकल का उद्देश्य दांपत्य जीवन में पति पत्नी को हर्ट करना नहीं है। इसका मतलब हमें पत्नी को सम्मान, अधिकार देने से है न कि पत्नि या पति को हर्ट करने की!! क्योंकि सामान्यतः मीडिया में यह पंक्ति हास्य, व्यंग्य, जोक्स के रूप में ही आती है परंतु हमें इस व्यंग्य और जोक्स को भीसकारात्मकता से रेखांकित करने की जरूरत है क्योंकि एक सुखी दांपत्य जीवन के लिए पत्नी को हक, अधिकार, प्यार और महत्व देना वर्तमान समय की नजाकत को देखते हुए जरूरी भी है क्योंकि मेरा ऐसा मानना है कि इसकी हर पत्नी हकदार भी है। हालांकि इसके साथ पत्नी को भी पूरी शिद्दत के साथ अपनी जवाबदारी, कर्तव्य निभाने की उतनी ही जरूरी है जितना इस पंक्ति को सकारात्मक और गंभीरता से रेखांकित करना जरूरी है

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यह आलेख हेलमेट और पत्नी दोनों सुरक्षा का कवच है?!! हेलमेंट और पत्नी दोनों का स्वभाव एक जैसा!! सिर पर बिठा कर रखो तो जान बची रहेगी?!!नारी त्याग की मूरत है, हर रिश्ते को अपनत्व, कर्तव्य, जवाबदारी से निभाने में परिपूर्ण है।

प्रधानमंत्री मोदी यूरोपीय देशों की यात्रा के बाद वैश्विक लोकप्रियता के शिखर पर

संजीव ठाकुर

लोकप्रियता के अंतर्राष्ट्रीय सर्वे के अनुसार भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 77 अंक लेकर ख्याति के नए शिखर पर पहुंच गए हैं। निश्चित तौर पर भारत के लिए गर्व की बात है कि उनके प्रधानमंत्री वैश्विक स्तर पर सर्वमान्य और लोकप्रिय शख्सियत बन चुके हैं। इस सर्वे के अनुसार अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन एक 40% ब्रिटेन प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन 37% और चौथे क्रम पर ई मैनुअल मेक्रो हैं। मोदी जी यूरोपीय यात्रा के दौरान जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज, डेनमार्क की प्रधानमंत्री मैटे फेडरिक्शन,और फ्रांस के सत्ता प्रमुख एमैनुएल मैक्रों से अलग-अलग मुलाकात कर भारत और इन तीनों देशों के मध्य व्यापारिक सामरिक तथा वैज्ञानिक समझौते तथा प्रतिनिधि मंडलों के मध्य वार्ता की गई। तीनों देशों के राष्ट्र प्रमुखों ने मोदी जी का जिस ढंग से स्वागत किया, उससे यह साफ प्रतीत होता है की भारत के प्रधानमंत्री का पद वैश्विक स्तर पर कितना ऊंचा हो चुका है और उसकी परिणति प्रधानमंत्री जी की लोकप्रियता दशार्ती है।

प्रधानमंत्री मोदी जर्मनी की यात्रा के दौरान वहां के चांसलर ओलाफ शोल्ज से मुलाकात कर कई व्यापारिक मुद्दों के अलावा रूस यूक्रेन युद्ध के शांति पूर्वक बातचीत से हल निकालने के संदर्भ में महत्वपूर्ण बैठक हुई इसके अलावा चूंकि जर्मनी यूरोप का एक महत्वपूर्ण देश है एवं व्यापारिक केंद्र भी, जर्मनी रूस से पेट्रोल, डीजल, गैस का सबसे बड़ा खरीददार है। किंतु रूस यूक्रेन युद्ध में उसने रूस की खुलकर आलोचना भी की है एवं वह भारत से भी इस बात की आशा करता है, पर भारत ने स्पष्ट तौर पर अपने देश के हितों को ध्यान में रखते हुए कहा कि युद्ध में किसी की जीत नहीं होती है युद्ध सदैव विनाशकारी होता है और युद्ध को शीघ्र समाप्त किया जाना चाहिए। बर्लिन में बसे भारतीयों द्वारा प्रधानमंत्री मोदी का भव्य स्वागत किया गया। आज प्रधानमंत्री मोदी डेनमार्क की राजधानी कोपनहेगन में वहां की प्रधानमंत्री मैटे फेडरिक्शन के मेहमान हैं।। डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन में वहां की प्रधानमंत्री मेटे फेड्रिक्सन ने भारत के प्रधानमंत्री की हवाई अड्डे पर अगुवाई की, उसके पश्चात वे उनके निवास पर भी गए। राजनीतिक तौर पर भारत तथा डेनमार्क के बीच ऊर्जा, हरित ऊर्जा शिक्षा एवं

टेक्नोलॉजी के संदर्भ में विमर्श किया। भारत के प्रधानमंत्री तथा डेनमार्क में उनके समकक्ष ने आपसी हितों सहित क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय महत्व के विषयों पर चर्चा की दोनों देशों के बीच प्रतिनिधि मंडल स्तर पर वार्ता के बाद यह तय हुआ कि भारत और डेनमार्क हरित ऊर्जा और शिक्षा के क्षेत्र में भविष्य में मिलकर काम करेंगे। शिक्षा टेक्नोलॉजी एवं ऊर्जा पर दोनों देशों के बीच आम सहमति बनी एवं ऊर्जा के क्षेत्र में काम कर लेने के लिए आम सहमति पर समझौता हुआ। दोनों पक्षों में हरित ऊर्जा शिक्षा के क्षेत्र में साथ काम करने को लेकर सामरिक साझेदारी के अलावा कौशल विकास जलवायु परिवर्तन नवीनीकरण ऊर्जा के संबंधों में एवं संदर्भ क्षेत्रों में व्यापक सहयोग की चर्चा भी हुई इसके अलावा जल परिवहन तथा जल प्रबंधन जैसे क्षेत्रों पर भी व्यापक विमर्श हुआ। यह तो तय है कि जर्मन और डेनमार्क की यात्राओं से मोदी जी ने यूरोप में कूटनीति की एक नई पहल शुरू की है। प्रधानमंत्री मोदी अंतिम पड़ाव में फ्रांस की राजधानी पेरिस में होंगे फ्रांस के राष्ट्रपति ईमैनुअल मेक्रो के द्वितीय बार राष्ट्रपति के बाद भारत के प्रधानमंत्री की यह फ्रांस की अधिकारिक यात्रा है। पर प्रधानमंत्री की फ्रांस की यात्रा के पहले ही फ्रांसीसी रक्षा नौसैनिक प्रमुख ने भारत को एक झटका देते हुए घोषणा की कि वह पीएम 75 प्रोजेक्ट में भाग लेने में असमर्थ है। उल्लेखनीय है कि 43हजार करोड रुपए के इस प्रोजेक्ट के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए 5 अंतर्राष्ट्रीय समूहों में से फ्रांस का डिफेंस समूह भी उनमें से एक है। जो अत्यंत महत्वपूर्ण भी है ।नौसेना प्रमुख ने कहा रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल की शर्तें पूरी नहीं कर सकते हैं इसीलिए फ्रांस एस परियोजना से पीछे हट रहा है। यह परियोजना भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

जर्मनी के बाद फ्रांस यूरोपीय देशों का बहुत ही महत्वपूर्ण और शक्तिशाली देश है भारत फ्रांस से लड़ाकू विमान और अन्य सामरिक महत्व के अस्त्र शस्त्र की भारी भरकम खरीदी करता है और नौसेना प्रमुख द्वारा यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जबकि अगले दिन यानी कि बुधवार को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पेरिस की यात्रा पर पहुंचने वाले हैं और प्रधानमंत्री फ्रांस के फिर से चुने गए राष्ट्रपति ईमैन्युअल मेक्रो और भारतीय प्रधानमंत्री दोनों देशों के सामरिक व्यापारिक तथा आर्थिक पहलुओं पर गंभीर चर्चा करने वाले हैं। आपको यह बता दें की प्रोजेक्ट ढ 5 भारत में पनडुब्बी बनाने की दूसरी सबसे बड़ी परियोजना है इस प्रणाली में पारंपरिक पनडुब्बी को अधिक समय तक उच्च गति पर पानी में डूबे रहने की क्षमता प्रदान करता है। मोदी फ्रांस की यात्रा और द्विपक्षीय वार्ता के बाद शिखर सम्मेलन में भाग भी लेने वाले हैं।

चीन में कोरोना के कारण कच्चे तेल की कीमत को झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण से कच्चे तेल के लिए आयात पर निर्भर रहने वाले भारत जैसे कई देशों को फायदा होने की उम्मीद बन गई है। चीन में इस बीमारी के संक्रमण के कारण कच्चे तेल की मांग में काफी कमी आई है, जिसकी वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल आज के कारोबार में करीब 4 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है।

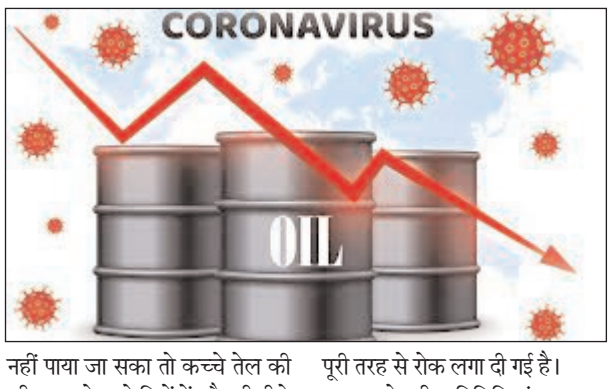

चीन की ओर से कच्चे तेल की मांग में अचानक हुई कमी के कारण आज ब्रेंट क्रूड 4.47 डॉलर यानी करीब 4 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 107.9 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है, वही डब्ल्यूटीआई क्रूड 4.3 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4.67 डॉलर मंदा होकर 105.10 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है। संभावना जताई जा रही है कि अगर चीन में कोरोना के संक्रमण पर जल्द ही काबू नहीं पाया जा सका तो कच्चे तेल की कीमत आने वाले दिनों में और भी नीचे जा सकती है। आपको बता दें कि चीन इन दिनों कोरोना संक्रमण से बुरी तरह से जूझ रहा है। इस जानलेवा बीमारी के संक्रमण की वजह से चीन के आधे से अधिक भूभाग में पूरा कामकाज ठप हो गया है। चीन के 46 शहरों में फिलहाल लॉकडाउन लगा हुआ है। इसी तरह देश के सबसे प्रमुख व्यावसायिक केंद्रों में से एक शंघाई में भी स्कूल-कॉलेज और कारोबार पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है।

कारोबारी गतिविधियां ठप पड़ जाने के कारण चीन में पेट्रोलियम उत्पादों की मांग भी काफी कम हो गई है। इसका सीधा असर चीन के क्रूड ऑयल इंपोर्ट पर भी पड़ा है। चीन दुनिया के सबसे बड़े ऑयल इंपोर्टर देशों में से एक है। ऐसी स्थिति में चीन से कच्चे तेल की मांग में कमी होने का असर अंतरराष्ट्रीय क्रूड ऑयल मार्केट पर साफ नजर आने लगा है।

अभीतक मिली जानकारी के मुताबिक कोरोना की बीमारी के कारण चीन में इस साल के शुरूआती 4 महीने के दौरान क्रूड ऑयल के इंपोर्ट में 4.8 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई थी। लेकिन मई के शुरूआती 7 दिनों में ही इस बीमारी का संक्रमण तेज हो जाने के कारण चीन के ऑयल इंपोर्ट में करीब 30 प्रतिशत की कमी आ गई है। कच्चे तेल की मांग में आई इस कमी के कारण पिछले कुछ समय से, खासकर रूस और यूक्रेन का युद्ध शुरू होने के बाद से ही लगातार तेज हो रही कच्चे तेल की कीमत में भी कमी आने की संभावना बन रही है।

हालांकि तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक के प्रवक्ता जामनेई सियादुआ ने सोमवार को ही कच्चे तेल के उत्पादन में कटौती करने के संकेत दिए हैं। इसका मतलब ये भी है कि अगर ओपेक की ओर से कच्चे तेल के उत्पादन में कटौती की जाती है, तो चीन में कच्चे तेल की मांग घटने के बावजूद अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत में ज्यादा कमी आने की संभावना नहीं बन सकेगी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में 2022 की शुरूआत से लेकर अभी तक ब्रेंट क्रूड और डब्लूटीआई क्रूड की कीमत में लगभग 35 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई है। इस तेजी की वजहों में एक प्रमुख वजह रूस और चीन के बीच जारी युद्ध है, तो दूसरी वजह ओपेक द्वारा सीमित मात्रा में कच्चे तेल का उत्पादन करना रहा है। ऐसे में अगर ओपेक के प्रवक्ता की ओर से दिए गए संकेत के मुताबिक आने वाले दिनों में कच्चे तेल के उत्पादन में कटौती की जाती है, तो चीन के क्रूड ऑर्डर में आई कमी का फायदा दुनिया के अन्य देशों को नहीं मिल सकेगा। इसीलिए बाजार के जानकार कच्चे तेल की कीमत में आई 4 प्रतिशत की तेजी और चीन के क्रूड ऑयल इंपोर्ट में गिरावट के बावजूद तेल की कीमत को लेकर किसी भी तरह का आकलन करने से बच रहे हैं।

आयशर ने लॉन्च किया प्राइमा जी-3 ट्रैक्टर रेंज

मुंबई, एजेंसी। विश्व के तीसरे सबसे बड़े ट्रैक्टर निमार्ता, टैफे-ट्रैक्टर्स एंड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड समूह के आयशर ट्रैक्टर्स ने आयशर प्राइमा जी-3 सीरीज लॉन्च करने की घोषणा की है। प्रीमियम ट्रैक्टरों की एक पूरी नई रेंज- आयशर प्राइमा जी-3 सीरीज नए जमाने के भारतीय किसानों को ध्यान में रख कर निर्मित की गई है। बेहतरीन स्टाइल वाले, कार्यक्षम और मजबूत ट्रैक्टर की चाह रखते हैं। आयशर प्राइमा जी3 40-60 एच.पी. रेंज में ट्रैक्टरों की एक नई सीरीज है, जो दशकों के बेजोड़ अनुभव के साथ विकसित की गई शानदार स्टाइलिंग, उन्नत टेक्नोलॉजी और बेहतरीन आराम प्रदान करती है।

आयशर प्राइमा जी-3 सीरीज को लॉन्च करते हुए, टैफे की सी.एम.डी. मल्लिका श्रीनिवासन ने कहा दशकों से आयशर ब्रांड, कृषि और कॉमर्शियल - दोनों क्षेत्रों में अपने भरोसे, विश्वसनीयता, मजबूती और बहुमुखी उपयोगिता के लिए जाना जाता है। प्राइमा जी-3 के लॉन्च से आधुनिक भारत के प्रगतिशील किसानों को अधिक उत्पादकता, आराम और आसान परिचालन का लाभ मिलेगा, जिसकी वे आकांक्षा करते हैं। साथ ही उन्हें कम लागत में ज्यादा फायदे का विकल्प भी प्राप्त होगा, जो सदा से आयशर का वादा रहा है।

नया प्राइमा जी-3 नए जमाने के एरोडायनामिक बॉनेट के साथ आता है जो ट्रैक्टर को एक अनूठा, शानदार स्टाइल प्रदान करता है और यह वन-टच ओपन, सिंगल पीस बॉनेट इंजन तक आसान पहुंच प्रदान करता है, जिससे ट्रेक्टर का रख-रखाव आसान हो जाता है। उच्च तीव्रता वाली 3डी कूलिंग टेक्नोलॉजी के साथ बोल्ड ग्रिल, रैप-अराउंड हेडलाइट और डिजी-एनएक्सटी डैशबोर्ड इसे देखने में आकर्षक बनाते हैं और ज्यादा क्रॉस-एयर फ्लो देते हैं जिससे इन ट्रैक्टरों का लंबे समय तक निरंतर परिचालन किया जा सकता है।

वीडियोटेक्स ग्रेटर नोएडा में नई एलईडी टीवी सुविधा स्थापित करेगा, 100 करोड़ रुपये का करेगा निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स अनुबंध निमार्ता वीडियोटेक्स इंटरनेशनल ने मंगलवार को ग्रेटर नोएडा में 100 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करने और एक नई एलईडी टीवी निर्माण सुविधा स्थापित करने की घोषणा की। इस निवेश के साथ, कंपनी ने कहा कि वह अपनी मौजूदा क्षमता को 14 लाख टीवी तक और नई क्षमता को 18 लाख टीवी तक बढ़ाएगी। एक वर्ष में संयुक्त उत्पादन क्षमता को 32 लाख टीवी तक ले जाएगी। वीडियोटेक्स इंटरनेशनल के निदेशक अर्जुन बजाज ने कहा, भारत में इलेक्ट्रॉनिक अनुबंध निर्माण 2025 तक छह गुना से अधिक बढ़ने का अनुमान है। तैयार उत्पादों के आयात पर बढ़े हुए शुल्क ने भारत में स्थानीय विनिर्माण और असेंबली को मजबूत बढ़ावा दिया है। वीडियोटेक्स सबसे पुराने और सबसे बड़े अनुबंध निमार्ताओं (ओडीएम/ओईएम) में से एक रहा है और इसकी वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धी स्थिति बनाए रखने वाले विनिर्माण में बेहतर तकनीक और

बुनियादी ढांचे के साथ, नए अवसर का लाभ उठाने में मजबूत रूचि है। नए यूनिटस के अनुसार, दो इकाइयों के बीच, वीडियोटेक्स नई नौकरियों को जोड़ेगा। इसमें कंपनी से जुड़े विक्रेताओं के लिए नए रोजगार के अवसर प्रदान करने के साथ-साथ विनिर्माण इकाइयों, बैक ऑफिस और अन्य में कर्मचारी शामिल हैं।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावट का रुख

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार में आज लगातार दूसरे दिन गिरावट का माहौल बना हुआ है। शेयर बाजार ने आज कमजोरी के साथ कारोबार की शुरूआत की थी। हालांकि शुरूआती दौर में खरीदारी के सपोर्ट से बाजार कुछ देर के लिए हरे निशान में भी गया, लेकिन उसके बाद एक बार फिर बिकवाली का दबाव बनाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गोता लगाकर लाल निशान में पहुंच गए।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स आज 161.36 अंक टूट कर 54,309.31 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत में ही तेज खरीदारी शुरू हो गई, जिसके कारण पहले 10 मिनट के कारोबार में ही सेंसेक्स 173.39 अंक उछलकर 54,644.06 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इस ऊंचाई पर पहुंचने के बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण सेंसेक्स भी लगातार नीचे की ओर फिसलता चला गया। कारोबार के दौरान खरीदारों ने बीच-बीच में लिवाली करके सेंसेक्स को सहारा देने की कोशिश भी की। इस खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स में रह रह कर ऊपर चढ़ने की गति भी नजर आई। लेकिन बिकवाली के चौतरफा दबाव की वजह यदा-कदा होने वाली खरीदारी से सेंसेक्स को कोई फायदा नहीं मिल सका और ये सूचकांक लगातार नीचे की ओर गिरता चला गया। लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 108.38 अंक की कमजोरी के साथ 54,362.29 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी ने भी आज 52.95 अंक की कमजोरी के साथ 16,248.90 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। शुरूआती खरीदारी के सपोर्ट से पहले 10 मिनट में निफ्टी ओपनिंग लेवल से करीब 104 अंक उछलकर 16,352.50 अंक के स्तर तक पहुंच गया। लेकिन इसके बाद लगे बिकवाली के झटके ने निफ्टी को भी गोता लगाने के लिए मजबूर कर दिया।

शेयर बाजार में बीच-बीच में हो रही खरीदारी के कारण निफ्टी की गति भी यदा-कदा ऊपर की बनती रही, लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि निफ्टी वापस हरे निशान में नहीं लौट सका। बाजार में लगातार हो रही खरीदारी और बिकवाली के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 39.70 अंक की कमजोरी के साथ 16,262.15 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। घरेलू शेयर बाजार ने प्री ओपनिंग सेशन में भी कमजोर ग्लोबल संकेतों की वजह से कमजोरी के साथ आज के कारोबार की शुरूआत की थी।

मेकमायट्रिप ने बी2बी खंड को बढ़ाने की योजना बनाई

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑनलाइन यात्रा सेवाएं देने वाली फर्म मेकमायट्रिप ने मंगलवार को कहा कि वह बड़े कॉरपोरेट और एमएसएमई उद्यमों को लक्षित करते हुए अपने बी2बी (दो व्यवसायों के बीच होने वाला कारोबार) खंड को बढ़ाने की योजना बना रही है। कंपनी ने कहा कि इस पहल के तहत वह घरेलू कॉरपोरेट यात्रा में मौजूद अवसरों का फायदा लेना चाहेगी। कंपनी के पास इस समय 1,650 से अधिक मध्यम और बड़े आकार के कॉरपोरेट ग्राहक और 30,000 से अधिक एमएसएमई ग्राहक हैं। मेकमायट्रिप ने 26,000 से अधिक ऑफलाइन ट्रैवल एजेंटों को शामिल अपने साथ जोड़ा है।

लगातार बढ़ रही महंगाई अप्रैल में 18 महीने के उच्च स्तर पर पहुंचने की आशंका : रिपोर्ट

महंगाई से राहत की उम्मीद नहीं

नई दिल्ली। देशवासियों को फिलहाल महंगाई से राहत की उम्मीद नहीं दिख रही है। यह बात रिसर्च फर्म नोमुरा ने अपनी रिपोर्ट में कही। नोमुरा के अनुसार अप्रैल में महंगाई 18 माह के उच्च स्तर पर पहुंच सकती है। रिपोर्ट के अनुसार आने वाले समय में आम जनता पर महंगाई का बोझ और बढ़ सकता है। पिछले कुछ महीनों से भारत में खुदरा महंगाई लगातार बढ़ रही है और इसे नियंत्रित करने के लिए ही भारती रिजर्व बैंक ने हाल ही में आनन-फानन में एमपीसी की बैठक कर नीतिगत दरों में 40 बेसिस प्वाइंट का इजाफा कर दिया। इस बढ़ोतरी के बाद 20 मई 2020 से चार फीसदी पर स्थित रेपो दर बढ़कर 4.40 फीसदी हो गई। रिपोर्ट में विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले दिनों में देश में महंगाई अभी और भी बढ़ सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया कि भारत की मुद्रास्फीति में आधारभूत मुद्रास्फीति का हिस्सा 88 फीसदी है, जो कि एशिया में सबसे उच्च स्तरों में एक है। इसके अलावा एक पोल के परिणामों का जिक्र करते हुए कहा गया है कि अप्रैल महीने में देश की खुदरा महंगाई 18 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच सकती है। इसका बड़ा कारण ईंधन और खाद्य पदार्थों की कीमतों आई तेजी है। 5 से 9 मई के बीच कराए गए इस पोल के मुताबिक, देश में खुदरा महंगाई अप्रैल महीने में 7.5 फीसदी पर पहुंच सकती है, जो मार्च में 6.95 फीसदी पर रही थी। बता दें कि खुदरा महंगाई के आंकड़े 12 मई को जारी किए जा सकते हैं।

इन उत्पादों के दाम में इजाफा

उपभोक्ता मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, मसूर दाल एक साल पहले की तुलना में 14.73 फीसदी महंगी हुई है। 9 मई 2021 को मसूर दाल के दाम 84.34 रुपए थी, जो 9 मई 2022 को बढ़कर 96.77 रुपए हो गई। इसी प्रकार चीनी के दाम 39.75 रुपए से बढ़कर 41.48 रुपए हो गए हैं। जो एक साल में 4.35 फीसदी बढ़े हैं। चायपत्ती की बात करें तो यह 7.97 फीसदी महंगी हुई है। एक साल पहले जहां चायपत्ती की कीमत 265.94 रुपए थी, वहीं अब बढ़कर 284.75 रुपए हो गई है। आलू के दाम में 26.46 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। आलू की कीमत साल भर पहले 17.76 रुपए थी, जो अब बढ़कर 22.46 रुपए हो गई है। वही टमाटर की बात करें तो यह 113.38 फीसदी महंगा हुआ है। टमाटर के मौजूद भाव 38.26 रुपए हैं, जबकि एक साल पहले यह 17.93 रुपए किलो बिका था। दूध की बात करें तो यह 7.37 फीसदी महंगा हुआ है। वर्तमान में यह 51.38 रुपए लीटर बिक रहा है जबकि एक साल पहले 48.85 रुपए बिका था। इसी तरह खाद्य तेल की बात करें तो मूंगफली तेल 6.47 फीसदी बढ़कर 187 रुपए पहुंच चुका है, सरसों तेल 12.52 फीसदी उछलकर 185.52 रुपए पहुंच गया है। इसी तरह वनस्पति तेल 25 फीसदी, सूरजमुखी 14.48 फीसदी और पाम तेल 19.98 फीसदी महंगा हुआ है।

डॉलर के मुकाबले कमजोर रुपया और बढ़ाएगा महंगाई

फिक्की की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक रुपए में आई ताजा गिरावट का असर तमाम क्षेत्रों के आयात में देखने को मिलेगी। आयात अब महंगा हो जाएगा इससे न सिर्फ देश का चालूखाता घाटा बढ़ेगा बल्कि रुपया इसी तरह गिरता रहा तो कारोबारियों की लागत में भी इजाफा होगा। देश में 48 फीसदी कारोबारियों ने देश में उत्पादन की लागत में 10 फीसदी से ज्यादा बढ़त की बात मानी है। रुपए के गिरावट के नए स्तर पर पहुंचने के बाद विशेषज्ञों को लगता है कि इसका असर तमाम कमोडिटी के आयात पर पड़ेगा और उसी के साथ उससे बनने वाला उत्पाद भी प्रभावित होगा। भारत बड़े पैमाने पर जरूरी चीजों जैसे कच्चा तेलए इस्पात, पाम आयल और दवाओं का आयात करता है। ऐसे में इन सभी चीजों के लिए पहले के मुकाबले ज्यादा कीमत चुकानी होगी। सर्वे में करीब 84 फीसदी कंपनियों ने माना है कि कच्चे माल की ऊंची लागत कारोबार के लिए बड़ी बाधा है। पिछले दौर के सर्वे में ये आंकड़ा 82 फीसदी था। इनमें से 48 फीसदी का मानना है कि उत्पादन की लागत 10 फीसदी से ज्यादा है। रुपए में अगर ये गिरावट आगे भी जारी रही तो इन कारोबारियों की मुश्किल और बढ़ सकती है।

12 साल के शीर्ष पर पहुंचे आटे के दाम, इस साल 46 फीसदी बढ़ीं गेहूं की कीमतें

गेहूं की कीमतों में बढ़ोतरी से आटे के दाम 12 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गए हैं। इससे ब्रेड, बिस्कुट और आटे से बनने वाले उत्पाद भी जल्द महंगे हो जाएंगे। उपभोक्ता मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल गेहूं की कीमतें अब तक 46 फीसदी तक बढ़ गई हैं। इसका न्यूनतम समर्थन मूल्य 2015 रुपए प्रति क्विंटल है। बाजार में इसकी कीमत एमएसपी से 20 फीसदी अधिक है। इसी तरह, आटे का भाव अप्रैल में 32.38 रुपए प्रति किलोग्राम पहुंच गया था। यह जनवरी, 2010 के बाद सबसे ज्यादा है। गेहूं में तेजी से एफएमसीजी कंपनियां आने वाले समय में आटे से बनने वाले उत्पादों के दाम 15 फीसदी तक बढ़ा सकती हैं। मंत्रालय का कहना है कि पिछले एक साल में आम आदमी की थाली की हर चीजें महंगी हो गई हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण गेहूं का उत्पादन कम होने से आटे की कीमतों में बड़ी तेजी आई है। इसके अलावा, युद्ध के कारण आपूर्ति बाधित होने से विदेशी बाजारों में भारतीय गेहूं की मांग भी ज्यादा रही। डीजल के भाव में तेजी से किराया बढ़ने के कारण भी गेहूं और आटे के भाव आसमान छू रहे हैं। 156 केंद्रों पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, पोर्ट ब्लेयर में आटे की कीमत सबसे ज्यादा 59 रुपए प्रति किलो थी, जबकि पश्चिम बंगाल में सबसे कम 22 रुपए प्रति किलो थी।

बढ़ती महंगाई पर भारत विश्व के चार देशों में शामिल

रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे उच्च महंगाई की मार झेल रहीं अर्थव्यवस्थाओं में चार देशों के नाम सबसे ऊपर हैं। इनमें भारत भी शामिल है। इसके अलावा, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया और ताइवान में भी महंगाई उच्च स्तर पर बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस लिस्ट में शामिल देशों को महंगाई काबू में करने के लिए सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है।

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन ने मनाया अंतरराष्ट्रीय मजूदर दिवस

मुंबई। पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन द्वारा संवाद हॉल, पश्चिम रेलवे मुख्यालय, चर्चगेट में मजदूर दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती कमलेश बुटानी ने पश्चिम रेलवे के आठ कर्मचारियों को ड्यूटी के दौरान सराहनीय एवं अनुकरणीय कार्य के लिए सम्मानित किया। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर के अनुसार ट्रैक मेंटेनर, पॉइंटमैन, खलासी आदि के रूप में कार्यरत पश्चिम रेलवे के छह मंडलों के आठ कर्मचारियों को उनके अनुकरणीय कार्य की सराहना के रूप में पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन द्वारा पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया। पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती कमलेश बुटानी ने सभी आठ पुरस्कार विजेताओं को एक उपहार और एक योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान किया। श्रीमती बुटानी ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और उनकी कड़ी मेहनत की तहे दिल से सराहना की। उन्होंने पुरस्कार विजेताओं को अपना अच्छा कार्य जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर श्रीमती बुटानी ने पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की ओर से बधवार पार्क में हेल्थ डिस्पेंसरी को एक आरओ वाटर प्यूरीफायर दान दिया। पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन द्वारा ये पुरस्कार प्रति वर्ष कर्मचारियों के मनोबल को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के लिए प्रदान किए जाते हैं। यह पुरस्कार समूह घ के कर्मचारियों को अपनी ड्यूटी का कुशलतापूर्वक निर्वहन करने में भूमिका और योगदान को मान्यता देने के लिए दिए गए।

आठ कर्मचारी सराहनीय कार्य के लिए सम्मानित

कागज की खपत बढ़ाने की जरूरत

नई दिल्ली। केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री भगवत किशनराव कराड ने देश में कागज की खपत बढ़ाने पर जोर देते हुये आज कहा कि कागज उद्योग के लिए कच्चे माल के रूप में कृषि अवशेषों के लिए नवाचार और बिजली की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अक्षय ऊर्जा के उपयोग पर जोर दिया जाना चाहिए।

श्री कराड ने ग्रेटर नोएडा स्थित एक्सपो सेंटर में कागज उद्योग पर आधारित तीन दिवसीय प्रदर्शनी एवं सम्मेलन पेपरेक्स का उद्घाटन करते हुये कहा कि भारत में कागज की खपत को बढ़ावा देने की जरूरत है। बढ़ती घरेलू मांग को पूरा करने और भारत को कागज विनिर्माण में आत्मनिर्भर बनाने के लिए देश में कागज उत्पादन को 7-8 गुना बढ़ाने की जरूरत है। वर्तमान में भारत में कागज के वैश्विक उत्पादन का केवल 4-5 फीसदी हिस्सा है। उन्होंने कहा कि पेपरेक्स जैसे आयोजन से आम लोगों व छोटे उद्यमियों को कागज से जुड़ी विस्तृत जानकारी, नई तकनीकों और इसमें निहित अवसरों से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। इंडिया एग्रो एंड रिसाइकिल्ड पेपर मेनुफेकचरर्स एसोसियेशन आईएआरपीएमए द्वारा आयोजित पेपरेक्स इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस एवं प्रदर्शनी दुनिया में पेपर सेक्टर के बड़े कॉन्फ्रेंस में शुमार है। एफएमसीजी प्रोडक्ट, फार्मा, टेक्सटाइल, ऑर्गनाइज्ड रिटेल, बढ़ते ई-कॉमर्स और अन्य सेगमेंट से क्वालिटी पैकेजिंग की मांग लगातार आ रही है। कागज उद्योग में विकास की व्यापक संभावनाएं हैं।

माइक्रोसॉफ्ट ने सुरक्षा मांगों को पूरा करने के लिए नई सेवा की घोषणा की

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। आज की सुरक्षा मांगों को पूरा करने के मकसद से, माइक्रोसॉफ्ट ने माइक्रोसॉफ्ट सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स नामक एक नई सेवा की घोषणा की है।

कंपनी ने कहा कि नई सेवा माइक्रोसॉफ्ट और मानव विशेषज्ञता से कई सुरक्षा-केंद्रित प्रौद्योगिकियों को एक साथ लाती है।

सुरक्षा, अनुपालन, पहचान और प्रबंधन के कॉर्पोरेट उपाध्यक्ष वासु जक्कल ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि माइक्रोसॉफ्ट हमारी मौजूदा सेवा क्षमताओं का विस्तार एक नई सेवा श्रेणी के तहत कर रहा है, जिसे

माइक्रोसॉफ्ट सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स कहा जाता है। जक्कल ने कहा, माइक्रोसॉफ्ट सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स, प्रौद्योगिकी को मानव-नेतृत्व वाली सेवाओं के साथ जोड़ता है ताकि संगठनों को अधिक सुरक्षित और उत्पादक परिणाम प्राप्त करने में मदद मिल सके।

उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी की मंशा सुरक्षा, अनुपालन, पहचान, प्रबंधन और गोपनीयता में सेवाओं की इस नई श्रेणी को वितरित करना है। उस यात्रा का पहला कदम सुरक्षा के लिए नई और विस्तारित सेवाओं की पेशकश करना है।

जक्कल ने कहा, हमारे अविश्वसनीय साझेदार पारिस्थितिकी तंत्र से इनपुट के साथ, हमने तीन नई प्रबंधित सेवाओं को डिजाइन किया है जो आपकी जरूरतों को पूरा करने और उन्हें प्रशिक्षण देने की चुनौतियों के बिना आपकी विशेषज्ञों की टीम को बढ़ाने में आपकी मदद कर सकते हैं।

एक नजर

तेजिंदर बग्गा की गिरफ्तारी पर छह जुलाई तक रोक

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता तेजिंदर पाल बग्गा को बड़ी राहत प्रदान करते हुए उनकी गिरफ्तारी पर छह जुलाई तक रोक लगा दी है। न्यायालय ने बग्गा को गिरफ्तारी पर छह जुलाई तक रोक लगाते हुये उसे जांच में शामिल होने को कहा है। पुलिस उससे दो घंटे तक उसके खिलाफ दर्ज मामले में पूछताछ कर सकती है। मामले में अगली सुनवाई छह जुलायी को होगी । गौरतलब है कि पिछले सप्ताह हाईवोल्टेज ड्रामा हुआ जिसमें तीन राज्यों की पुलिस आमने-सामने रही। गत एक जुलाई को मोहाली थाने में दर्ज मामले में आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल के खिलाफ बग्गा ने बयानबाजी की थी।

चैरिअट ऑफ फायर सैन्य अभ्यास इजराइल में शुरू

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने अपना सबसे बड़ा सैन्य अभ्यास चैरिअट ऑफ फायर शुरू किया है। आईडीएफ ने कहा कि चैरिअट ऑफ फायर, हमने दशकों में अपना सबसे बड़ा सैन्य अभ्यास शुरू किया है। उन्होंने कहा कि जमीन पर, हवा में, समुद्र में और साइबर स्पेस में हमारी रक्षात्मक तैयारी और तैयारियों को बढ़ाने के लिए आईडीएफ के हर हिस्से के सैनिक अगले महीने एक साथ प्रशिक्षण लेंगे। इससे प्रशिक्षित हाकरे इजराइल सैनिक ज्यादा आक्रमक और छापामार युद्धशैली में सशक्त होंगे।

बोलीविया में भगदड़ से पांच छात्रों की मौत, कई घायल

ला पेज (एजेंसी) । बोलीविया के पोटोसी शहर में छात्रों पर आंसू गैस के गोले दागे जाने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गयी और करीब 50 अन्य घायल हो गए। स्थानीय पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। जानकारी के अनुसार, यह घटना टॉमस फ्रिस ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी में हुई जब छात्र आगामी छात्र परिषद चुनाव के संबंध में विश्वविद्यालय के मैदान में एक सभा कर रहे थे। विश्वविद्यालय के प्रचार्य पेड्रो लोपेज ने संवाददाताओं को बताया कि कई घायल छात्र गहन चिकित्सा इकाई में हैं। उन्होंने मरने वालों की संख्या ज्यादा होने से इंकार नहीं किया।

इलाज के बाद अमेरिका से वापस लौटे केरल के सीएम

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन मंगलवार को अमेरिका से इलाज कराने के बाद वापस लौट आए। मुख्यमंत्री का मिनेसोटा के रोचेस्टर के मेयो क्लनिक में इलाज चल रहा था। अमेरिका में अपने प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री ने ऑनलाइन मंत्रिमंडल बैठक में भाग लिया और महत्वपूर्ण ई-फाइलों पर हस्ताक्षर किए। यह तीसरी बार था जब मुख्यमंत्री इलाज के लिए अमेरिका गए थे। उनके साथ उनकी पत्नी टी कमला और निजी कर्मी वीएम सुनीश भी थे।

आज का इतिहास

- **1752:** अमेरिका के फिलाडेल्फिया में पहली अग्नि बीमा पॉलिसी की शुरुआत हुई।
- **1784 :** ब्रिटेन और मैसूर के टीपू सुल्तान के बीच शांति संधि पर हस्ताक्षर।
- **1833 :** इंग्लैंड से क्यूबेक जा रहे जहाज लेडी-ऑफ-द-लेक के हिमखंड से टकराकर अटलांटिक सागर में डूबने से 215 लोगों की मौत हुई।
- **1857 :** दिल्ली में सिपाही विद्रोह भड़का।
- **1951:** राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद ने नवनिर्मित सोमनाथ मंदिर का उद्घाटन किया।
- **1955:** इजरायल ने गाजा पर हमला किया।
- **1960:** पहली गर्भनिरोधक गोली बाजार में उपलब्ध कराई गई।
- **1965:** बंगलादेश में चक्रवाती तूफान से 17 हजार लोगों की मौत।

असम के लोगों से गृह मंत्री अमित शाह का वादा

पूर्वोत्तर के राज्य को अफस्पा मुक्त कर देंगे

गुवाहाटी, (एजेंसी) मंगलवार को असम के गुवाहाटी में बोलते हुए, गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि राज्य के लगभग 60 प्रतिशत क्षेत्रों से सशस्त्र बल विशेषाधिकार कानून हटा लिया गया है और मुझे पूरी उम्मीद है कि आगामी कुछ वर्षों में असम उग्रवाद से बिल्कुल मुक्त हो जाएगा, इसके बाद राज्य के शेष हिस्से से भी अफस्पा हटा लिया जाएगा।

गृह मंत्री शाह ने कहा कि एक समय था जब असम को सशस्त्र बल विशेष शक्ति अधिनियम (अफस्पा) दिया गया था, अब राज्य के युवाओं को 'नौकरी और आकांक्षाओं' की शक्तियां मिल रही हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि असम जल्द ही उग्रवाद मुक्त होगा। पिछले छह महीनों में असम में कोई घुसपैठ नहीं हुई है। असम के युवा अब अफस्पा की जगह विकास चाहते हैं। मुझे उम्मीद है कि आने वाले दिनों में पूरे असम से अफस्पा हटा लिया जाएगा। शाह ने कहा कि 1990 के दशक में लागू होने के बाद मोदी सरकार के सत्ता में आने तक अफस्पा को असम में सात बार बढ़ाया गया था। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के 8 साल के शासन के बाद, राज्य के 23 जिलों को अफ्स्पा मुक्त कर दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने तारीफ करते हुए कहा कि असम पुलिस ने पिछले 1 साल में कई उपलब्धियां हासिल की हैं।

शाह ने यह भी कहा कि चरमपंथी समूहों के साथ एक के बाद एक शांति समझौते किए जा रहे हैं, भटके हुए युवा मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं और सात दशक पुराने मुद्दों को सुलझाने के लिए पड़ोसी राज्यों के साथ बातचीत भी की जा रही है।

प्रधानमंत्री दे चुके हैं अफ्स्पा को लेकर आश्वासन

हाल ही में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी असम में थे, जहां उन्होंने कहा कि वह पूर्वोत्तर में संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में शांति की उम्मीद करते हैं और अगर चीजें सामान्य हो जाती हैं तो अफस्पा को हटा दिया जाएगा। असम के कारबी आंगलोंग क्षेत्र के लोरिंगथेपी में गत 28 अप्रैल को 'एकता, शांति और समृद्धि' रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि पूर्वोत्तर के राज्यों में जैसे-जैसे शांति आ रही है, हम नियम बदल रहे हैं। अब असम के 23 जिलों से अफ्स्पा टा दिया गया है, क्योंकि वहां शांति है।

रक्षा मंत्रालय का तीनों सेनाओं को निर्देश, उपद्रवियों को सीधे गोली मार दी जाए

श्रीलंका में हिंसक प्रदर्शन, आठ लोगों की मौत, 220 घायल

कोलंबो, (एजेंसी)। श्रीलंका में बिगड़ते हालातों के बीच रक्षा मंत्रालय ने सेना के तीनों अंग- थलसेना, वायुसेना और नौसेना को निर्देश दिए हैं कि अगर जरूरत पड़े तो उपद्रवियों को काबू करने के लिए उन पर खुलेआम फायरिंग कर दी जाए। आदेश के मुताबिक, अगर कहीं सार्वजनिक संपत्ति की लूट या किसी को चोट पहुंचाने की घटना सामने आती है, तो सेना के पास गोलीबारी की छूट होगी।

गौरतलब है कि श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने बुधवार को ही देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा था कि हिंसक और बदला लेने वाली घटनाएं नहीं होनी चाहिए और इन्हें बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आर्थिक संकटों का सामना कर रहे श्रीलंका में प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के पद से इस्तीफे के बाद राजनीतिक संकट और गहरा गया है। इस बीच, मंगलवार को स्पीकर महिंदा यापा अबेयवर्धने ने संकट में घिरे राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे से अनुरोध किया कि वे इस सप्ताह संसद का सत्र फिर से बुलाएं, ताकि देश में दशकों के सबसे खराब आर्थिक संकट को लेकर अभूतपूर्व हिंसा और सरकार के खिलाफ व्यापक विरोध के बीच मौजूदा स्थिति पर चर्चा की जा सके। वहीं, दूसरी ओर महिंदा राजपक्षे के खिलाफ लोगों का गुस्सा शांत नहीं हो रहा है। मंगलवार को भीड़ ने उनके आवास और त्रिंकोमाली में नौसेना मुख्यालय को घेर रखा है। इसके साथ ही सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को राजपक्षे परिवार और उनके वफादारों को देश से भागने से रोकने के लिए कोलंबो में बंदरानाइक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर जाने वाली सड़क पर चेक पोस्ट बना दिया है। लोगों के बड़े समूह ने हवाई अड्डे की ओर जाने वाली सड़क पर चेक पोस्ट बनाया है। प्रदर्शनकारी लोग सत्ताधारी गुट के वफादारों को देश से भागने से रोकने की कोशिश कर रहे हैं। गौरतलब है कि कोलंबो में बंदरानाइक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को स्थानीय रूप से कटुनायके हवाई अड्डे के रूप में जाना जाता है।

राष्ट्रपति गोतबाया को 17 से पहले संसद को फिर से बुलाना होगा

स्पीकर महिंदा यापा अबेयवर्धने ने बताया कि उन्होंने राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को फोन करके इसके लिए अनुरोध किया था। संसदीय अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति गोतबाया को 17 मई की निर्धारित तिथि से पहले संसद को फिर से बुलाना होगा, क्योंकि वर्तमान में देश में कोई प्रधान मंत्री और सरकार नहीं है। सूत्रों ने कहा कि राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को सरकार बनाने के लिए संसद में प्रतिनिधित्व करने वाले राजनीतिक दलों के नेताओं से मिलना है। अध्यक्ष अबेयवर्धने ने यह भी कहा कि उन्होंने खुद पार्टी नेताओं की एक बैठक की सूचना दी थी ताकि सदन के कामकाज पर चर्चा की जा सके। महिंदा राजपक्षे को शांतिपूर्ण तरीके से सरकार विरोधी प्रदर्शन कर रहे लोगों पर हमला करने के मामले में विपक्षी राजनेता उनकी गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। सोमवार को हुई हिंसा में कम से कम आठ लोगों की जान चली गई थी और 200 से अधिक लोग घायल हो गए थे। साथ ही कई राजनेताओं के घरों पर आगजनी हुई थी।

रूस-यूक्रेन 76 वां दिन

बाइडेन का यूक्रेन फंडिंग बिल को तत्काल पारित करने का आग्रह

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन को आवश्यक सैन्य, आर्थिक और मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए कांग्रेस को एक प्रस्ताव भेजा है।

श्री बाइडेन ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मैंने यूक्रेन के लड़ाकों का समर्थन करने के लिए कांग्रेस में द्विदलीय बहुमत से मुझे प्रदान किये गये संसाधनों का लगभग पूरा उपयोग कर लिया है। यह सहायता युद्ध के मैदान पर यूक्रेन की सफलता के लिए महत्वपूर्ण रही है। हम कांग्रेस की कार्रवाई की प्रतीक्षा करते हुए राहत सामग्री की आपूर्ति नहीं रोक सकते। हम इस महत्वपूर्ण समय सीमा को पूरा करने से लगभग 10 दिन दूर हैं। श्री बाइडेन ने 28 अप्रैल को कांग्रेस से यूक्रेन को 33 अरब डॉलर की सहायता देने के लिए एक विधेयक पारित करने के लिए कहा था, जिसमें रक्षा सहायता के रूप में 20 अरब डॉलर की रकम भी शामिल थी। उन्होंने प्रस्ताव को जल्द से जल्द पारित करने का आग्रह करते हुए कहा कि उन्होंने कांग्रेस को यूक्रेन सप्लीमेंट बिल के हिस्से के रूप में कोविड उपचार, टीकों और परीक्षणों के लिए बहुत आवश्यक फंडिंग पर लंबे समय से प्रतीक्षित कार्रवाई करने की सिफारिश की है।

यूरोपीय संघ में शामिल होने से पहले यूक्रेन को लंबा इंतजार करना होगा: मैक्रों

पेरिस, (एजेंसी)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि यूक्रेन को यूरोपीय संघ में स्वीकार किए जाने से पहले दशकों तक इंतजार करना होगा। श्री मैक्रों ने स्ट्रासबर्ग में यूरोपीय संघ की संसद को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने सुझाव दिया कि यूक्रेन एक समानांतर यूरोपीय समुदाय में शामिल हो सकता है। गौरतलब है कि यूक्रेन में रूसी सैन्य कार्रवाई के चार दिन बाद ही यूक्रेन यूरोपीय संघ में शामिल होने के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया शुरू की थी। राष्ट्रपति मैक्रों के अनुसार, यूक्रेन के आवेदन पर समानांतर यूरोपीय समुदाय पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह उन देशों को जोड़ने का एक तरीका होगा, जो भौगोलिक रूप से यूरोप में हैं और हमारे मूल्यों को साझा करते हैं।

नई दिल्ली में संसद के लाइब्रेरी भवन में मंगलवार को राज्यसभा सचिवालय में राज्यसभा दिवस मनाया गया। इस अवसर कलाकारों ने रंगारंग प्रस्तुति दी।

पांच रेल कर्मियों को संरक्षा पुरस्कार

नीरज बने अप्रैल माह के सर्वश्रेष्ठ रेलकर्मी

प्रयागराज, (ब्यूरो)। महाप्रबन्धक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रमोद कुमार, ने उत्तर मध्य रेलवे के विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में संरक्षा के प्रति किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए झांसी, आगरा एवं प्रयागराज मण्डलों से चयनित पांच रेल कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कृत कर्मचारियों में अखिलेश वर्मा, हेल्पर/कानपुर, प्रयागराज मण्डल, धीरेन्द्र प्रताप, ट्रैक मेन्टेनर-2 भरवारी, प्रयागराज, हरकेश मीना,

प्वाइण्टसमैन, कोटरा, झांसी मण्डल, मोहर सिंह, ट्रैक मेन्टेनर-द्ध, आगरा सिटी/आगरा मण्डल एवं नीरज, टेक्नीशियन-1/सी.एण्डडब्ल्य/आगरा कैण्ट, आगरा मण्डल शामिल हैं। नीरज, को अप्रैल माह के सर्वश्रेष्ठ रेलकर्मी के संरक्षा पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है। नीरज ने दिनांक 1 अप्रेल को आगरा कैण्ट स्टेशन पर गाड़ी सं0 16788 के कोच सं. एसआर 03246 में लीडिंग ट्राली के फ्रेम को क्रैक देखा। इन्होंने सर्व सम्बन्धित को सूचित कर एक गम्भीर हादसे को बचाया। इस प्रकार इन्होंने रेलवे की संरक्षा के साथ अपनी ड्यूटी के प्रति सराहनीय कार्य किया गया है। महाप्रबंधक ने नीरज, की धर्मपत्नी को एक बधाई सन्देश भेज पूरे परिवार का आभार व्यक्त किया।

अरुणाचल के राज्यपाल ने की वायुसेना प्रमुख से मुलाकात

ईटानगर/नई दिल्ली, (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल ब्रिगेडियर (सेवानिवृत) डॉ बी डी मिश्रा ने मंगलवार को भारतीय वायुसेना प्रमुख एयरचीफ मार्शल वी आर चौधरी से दिल्ली में मुलाकात की और राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों पर चर्चा की। वायुसेना प्रमुख के साथ सीमावर्ती राज्यों में अधिक ऊंचाई पर बनी फायरिंग रेंज और सुरक्षा से जुड़े दूसरे मुद्दों पर भी चर्चा की गई। राजभवन की ओर से दी गयी जानकारी में बताया गया कि इस बैठक में राज्यपाल ने वायु सुरक्षा तंत्र विशेषकर प्रदेश में आधुनिक लैंडिंग ग्राउंड (एएलजी) को मजबूती देने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने एएलजी के सुरक्षा अभियानों के साथ साथ नागरिक वायु यातायात टर्मिनल्स में भी इस्तेमाल किये जाने की जरूरत पर बल दिया। वायुसेना के अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में फायरिंग रेंज बनाये जाने के संबंध में जरूरी कदम उठाने की आवश्यकता पर बल देते हुए राज्यपाल ने इसे वायुसैनिकों को फायरिंग प्रैक्टिस और प्रशिक्षण के लिए जरूरी बताया।

अमेरिका के सूखते सबसे बड़े जलाशय में मिले मानव अवशेष

वाशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिका के तेजी से सूखते सबसे बड़े जलाशय लेक मीड में एक शव मिलने के एक सप्ताह बाद कई मानव अवशेष मिले हैं।

बीबीसी के अनुसार, जलाशय से मिले नये मानव अवशेषों के बारे में पार्क के कर्मी को शनिवार को सूचना दी गयी। गौरतलब है कि

पहली बार एक मई को मिला था इस जलाशय से एक शव

पहली बार एक मई को इस जलाशय से एक शव मिला था।जांचकर्ताओं ने कहा कि यहां मिला शव 1970-80 के दशक का था, जिसकी गोली मारकर हत्या कर की गयी थी। इसी दौरान पुलिस ने कहा कि जलाशय के नीचे जाने पर और शव मिलेंगे। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, लेक मीड का स्तर 2000 के बाद से नीचे आता जा रहा है और पिछले कई वर्षों में सूखे की स्थिति बिगड़ती जा रही है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक, जलवायु परिवर्तन के कारण ऐसा हो रहा है। पिछले महीने जलाशय में पानी का स्तर काफी कम हो गया।

वक्फ बोर्ड से जुड़े 87वें मामले में मिली आजम खान को जमानत

प्रयागराज (ब्यूरो)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को इलाहाबाद हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है।आजम खान को वक्फ बोर्ड की जायदाद को गलत इस्तेमाल से संबंधित मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट से जमानत दे दी है। लेकिन आजम खान अभी जेल की चारदीवारी के अंदर ही रहेंगे बाहर नहीं आ पाएंगे, क्योंकि आजम खान के खिलाफ तीन दिन पहले एक और मुकदमा दर्ज किया गया है।

हाल ही में आजम खान के खिलाफ जाली दस्तावेज की मदद से 3 स्कूलों की मान्यता दिलाने से संबंधित मामले में तीन दिन पूर्व एक केस दर्ज किया गया है। यह केस आजम खान के खिलाफ रामपुर में दर्ज किया गया है।

हिंदुओं को अल्पसंख्यक दर्जा: केंद्र को मिली तीन माह की मोहलत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

ऐसे मामलों को सुलझाने की जरूरत

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को केंद्र को उन राज्यों में हिंदुओं को अल्पसंख्यक का दर्जा दिलाने के मामले में राज्य सरकारों के साथ परामर्श करने के लिए तीन महीने की मोहलत प्रदान कर दी, जहां उनकी जनसंख्या अन्य समुदायों के मुकाबले कम है। न्यायालय ने केंद्र से कहा कि ये ऐसे मामले हैं, जिन्हें सुलझाए जाने की जरूरत है। हर चीज पर न्यायिक निर्णय नहीं सुनाया नहीं जा सकता।

केंद्र की तरफ से पेश हुए वकील द्वारा न्यायालय से इस मामले से दूर रहने की मांग किए जाने पर न्यायमूर्ति संजय किशन कौल की अगुवाई वाली दो-न्यायाधीशों की पीठ ने यह टिप्पणी की। केंद्र ने सोमवार को एक हलफनामा दायर कर कहा था कि इस मुद्दे के दूरगामी प्रभाव हैं और इसे राज्यों से परामर्श करने के लिए अधिक समय की जरूरत है।

उल्लेखनीय है कि उच्चतम न्यायालय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय की ओर से दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें नौ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में हिंदुओं को अल्पसंख्यक का दर्जा देने की मांग की गई है, जहां उनकी आबादी कम है।

श्री उपाध्याय द्वारा साल 2020 में दायर इस याचिका में कहा गया कि साल 2011 की जनगणना के अनुसार, लक्षद्वीप, मिजोरम, नागालैंड, मेघालय, जम्मू-कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर और पंजाब में हिंदू अल्पसंख्यक हैं और इस तरह से उन्हें इन राज्यों में 2002 के टीएमए पाई फाउंडेशन के फैसले में शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित सिद्धांत के अनुसार अल्पसंख्यक का दर्जा दिया जाना चाहिए।

पुलित्ज़र पुरस्कार पाने वाले चार भारतीयों में दानिश सिद्दीकी भी

न्यूयार्क, (एजेंसी)। पत्रकारिता के क्षेत्र में अमेरिका के सर्वोच्च सम्मान पुलित्ज़र पुरस्कार 2022 से चार भारतीयों को नवाज़ा गया है और इनमें अफगानिस्तान में पिछले साल सेना और तालिबान के बीच संघर्ष को कवर करने के दौरान मारे गये फोटोजर्नलिस्ट दानिश सिद्दीकी को भी शामिल किया गया है।

यह दूसरी बार ,दानिश को 2018 में भी दिया गया था यह पुरस्कार

संगठन की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार सोमवार को घोषित पुरस्कारों मे चार भारतीय पत्रकारों अदनान, आबिदी, सना इरशाद माट्टो, अमित दवे और दानिश सिद्दीकी का नाम शामिल है । भारत में कोविड के कारण हुई तबाही पर लिखे गये लेखों के लिए पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

श्री सिद्दीकी पिछले साल अफगान सेना और तालिबान के बीच अफगानिस्तान में कंधार के स्पिन बोलदाक डिस्ट्रिक में हुई झड़पों को कवर करने के लिए भेजा गया था। श्री सिद्दीकी को इससे पहले रोहिंग्या समस्या को दिखाने के लिए 2018 में भी पुलित्ज़र पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इसके साथ्ह ही '' ब्रेकिंग न्यूज फोटोग्राफी '' का पुरस्कार लॉस एंजेल्स टाइम्स के मार्कस यान ने जीता। '' ब्रेकिंग न्जूज रिपोर्टिंग का पुरस्कार '' मियामी हेराल्ड'' ने जीता। जनसेवा वर्ग में जनवरी छह को हुए हमले के कारण, इसकी कीमत और उसके प्रभावों के मामलों को कवर करने वाले '' द वाशिंगटन पोस्ट'' ने पुरस्कार हासिल किया।

स्मृति शेष

शिवकुमार शर्मा के पिता की भविष्यवाणी हुई थी सच

ऐसे बने भारतीय शास्त्रीय संगीत के महारथी संतूर वादक

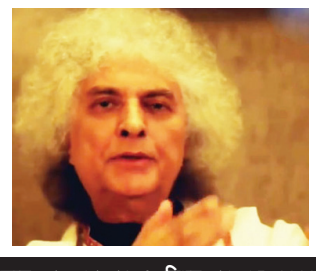

जन्म: 13-01-1938 निधन: 10-05-2022

मुंबई, (एजेंसी)। पं. शिव कुमार शर्मा का मंगलवार को निधन हो गया, वह 84 वर्ष के थे। शिवकुमार शर्मा संतूर के महारथी होने के साथ-साथ एक अच्छे गायक भी थे। इन्हें ही संतूर को लोकप्रिय शास्त्रीय वाद्य बनाने में पूरा श्रेय जाता है। खास बात ये भी है कि इन्होंने संगीत साधना जब आरंभ की थी तब संतूर के बारे में कभी हल्का फुल्का भी नहीं सोचा था।

भारत का गौरव बढ़ाने वाले शास्त्रीय संगीत वादक पंडित शिवकुमार शर्मा का निधन हो गया है। इस खबर से देशभर में शोक की लहर सी दौड़ गई है। जम्मू की वादियों में जन्में शिवकुमार शर्मा पंडित उमा दत्त शर्मा के घर पैदा हुए थे। बचपन से ही उन्हें संगीत की शिक्षा मिली थी, परिवार में माहौल ऐसा था कि सुबह संगीत का सूरज और शाम संगीत की छांव में बीतती थी। पिता ने पंडित शिवकुमार को पांच साल की उम्र से संगीत की शिक्षा देनी आरंभ कर दी थी। पिता उस वक्त 'संतूर' वाद्य पर शोध कर रहे थे। उस वक्त उन्होंने अपने बेटे के लिए एक भविष्यवाणी की थी।

पिता ने की थी शिवकुमार शर्मा को लेकर भविष्यवाणी की थी, वो भविष्यवाणी कई साल बाद पंडित शिवकुमार के द्वारा सच हुई। दरअसल, पिता ने तब ही निश्चय कर लिया था कि कुछ भी हो जाए शिवकुमार देश के पहले ऐसे वादक बनेंगे जो कि भारतीय शास्त्रीय संगीत को संतूर पर बजाएंगे और अपनी सभ्यता को आगे बढ़ाएंगे, देश का नाम रौशन करेंगे। हुआ भी ऐसा ही, 13 साल की उम्र में शिवकुमार ने संतूर बजाना शुरू किया था।

संतूर वादक होने के साथ-साथ वे शानदार गायक भी थे

बता दें, शिवकुमार शर्मा संतूर के महारथी होने के साथ-साथ एक अच्छे गायक भी थे। इन्हें ही संतूर को लोकप्रिय शास्त्रीय वाद्य बनाने में पूरा श्रेय जाता है। खास बात ये भी है कि इन्होंने संगीत साधना जब आरंभ की थी तब संतूर के बारे में कभी हल्का फुल्का भी नहीं सोचा था। लेकिन पिता के वचन उनके लिए बहुत मायने रखते थे। उन्हें अपने पिता के उस निश्चय के बारे में खबर थी। ऐसे में उन्होंने भी पिता के इस सपने को पूरा करने में जान फूंक दी। साल 1960 में पंडित शिवकुमार शर्मा का सबसे पहला एलबम आया था। 1965 में उन्होंने निर्देशक वी शांताराम की फिल्म के लिए संगीत दिया। ये फिल्म थी-झनक झनक पायल बाजे। फिल्मी दुनिया में भी पं. शिव कुमार शर्मा का अहम और महत्वपूर्ण योगदान रहा था। बॉलीवुड में 'शिव-हरी' (शिव कुमार शर्मा और हरिप्रसाद चौरसिया) की जोड़ी ने कई हिट गानों में अपना सुपर हिट संगीत दिया। चांदनी में मेरे हाथों में नौ-नौ चूड़ियां बहुत ही पसंदीदा संगीत रहा। फिल्म सिलसिला का एक गाना देखा एक ख्वाब भी पं. शिव कुमार शर्मा के मशहूर चुनिंदा गानों की सूची में एक है।

समर्पित रेलकर्मी हमारे सिस्टम की नींव हैं: श्रीमती पूनम कुमार

प्रयागराज, (ब्यूरो)। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के उपलक्ष्य में महिला कल्याण संगठन उमरे, प्रयागराज मंडल द्वारा अपने मंडल के समर्पित रेलकर्मियों का आभार एवं सम्मान व्यक्त करने के लि मंगलवार को मण्डल के सभागार में समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्षा महिला कल्याण संगठन उत्तर मध्य रेलवे, मुख्यालय श्रीमती पूनम कुमार सहित संगठन की कार्यकारी टीम उपस्थित रही। इस अवसर पर सर्वप्रथम कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अध्यक्षा महिला कल्याण संगठन, उत्तर मध्य रेलवे, मुख्यालय श्रीमती पूनम कुमार जी का अध्यक्षा महिला कल्याण संगठन प्रयागराज मण्डल श्रीमती अंजलि अग्रवाल ने हार्दिक स्वागत व अभिनंदन किया एवं सचिव महिला कल्याण संगठन, प्रयागराज मण्डल श्रीमती शालिनी शुक्ला द्वारा पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। इसके उपरांत अध्यक्षा महिला कल्याण संगठन उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय श्रीमती पूनम कुमार एवं अध्यक्षा महिला कल्याण संगठन प्रयागराज मण्डल, महिला कल्याण संगठन उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय की कार्यकारी टीम तथा मंडल की संगठन के अन्य सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारम्भ किया गया।

इंटर्नशिप देता है सिखने एवं अनुभव लेने का एक साथ अवसर

जब एक कॉलेज स्टूडेंट किसी ऑर्गेनाइजेशन या कंपनी में इंटर्नशिप शुरू करता है, तो पहली बार उसे बिजनेस वर्ल्ड या प्रैक्टिकल वर्क के बारे में जानने का मौका मिलता है। ऑफिस का प्रोफेशनल माहौल कई बार स्टूडेंट्स के लिए चैलेंजिंग हो जाता है, लेकिन कुछ खास तैयारी और अच्छे इंटर्नशिप एटिकेट्स से आप कंपनी और उसके एंप्लॉइज के साथ एक मजबूत प्रोफेशनल रिलेशनशिप बना सकते हैं। मुमकिन है कि आगे चलकर इसका फायदा भी आपको जॉब के रूप में मिले।

सोशल स्किल्स:- इंटर्नशिप के दौरान एक इंटर्न के लिए अच्छी सोशल स्किल्स काफी काम आती हैं। ऑफिस के कलीग्स के साथ दोस्ताना व्यवहार करें। दूसरे लोगों को ऑब्जर्व करें कि वे ऑफिस में एक-दूसरे से कैसे बात करते हैं और मिलते हैं। ऑफिस में काम के दौरान अपना सेलफोन बंद ही रखें या पर्सनल कॉल्स बहुत जरूरी होने पर ही करें। अगर काम के सिलसिले में फोन पर बात करनी हो, तो प्रोफेशनल टोन रखें। ई-मेल कर रहे हों, तो ग्रामर और स्पेलिंग का पूरा ध्यान रखें। कभी किसी को पर्सनल ई-मेल न भेजें। इसके अलावा, दूसरे लोगों के साथ एक प्रोफेशनल डिस्टेंस मेनटेन करना अच्छा रहेगा। इससे एक मैसेज जाएगा कि आप सीखने आए हैं, पर्सनल रिलेशन बनाने नहीं।

फॉलो करें चेन कमांड:- एक इंटर्न के लिए यह जानना बेहद जरूरी है कि ऑर्गेनाइजेशन का फॉर्मल और इनफॉर्मल रिपोर्टिंग स्ट्रक्चर क्या है, साथ ही इंटर्नशिप पीरियड के दौरान उन्हें किसे रिपोर्ट करना होगा, यह जानना बेहद जरूरी है। इसके लिए पहले दिन ही वहां के एचआर मैनेजर से मिलकर इंटर्नशिप की डिटेल्स पता कर लें कि आपको किसके अंडर में इंटर्नशिप करनी होगी, ताकि किसी एक सीनियर के गाइडेंस में काम करने और सीखने का मौका मिल सके। आपको ऑफिस के चेन ऑफ कमांड का भी ध्यान रखना होगा। बिना काम के हर किसी के पास जाने से बचना होगा।

रोल ऑफ अटेंडेंस:- इंटर्नशिप करने वाले फ्रेशर्स को कोशिश करनी चाहिए कि वह एबसेंट न हो। इस दौरान टाइमिंग एटिकेट्स का ध्यान जरूरी रखें। इससे आप सीनियर्स और मैनेजमेंट को इंप्रेस कर पाएंगे। उन्हें लगेगा कि आप काम को लेकर गंभीर हैं। इसके बावजूद किसी कारण अगर छुट्टी लेनी पड जाए, तो अपनी कमांडिंग अथॉरिटी को इंफॉर्म जरूर कर दें। इंफॉर्म किए बिना कभी छुट्टी न लें। प्रोफेशनल एटिकेट्स को फॉलो करें।

रेस्पेक्ट करें:- इंटर्नशिप के दौरान स्टूडेंट्स को अच्छा परफॉर्म करना होता है। इससे आगे के लिए अपॉर्च्युनिटीज बनती हैं, लेकिन ये तभी हो सकता है, जब एक इंटर्न सिर्फ अपने काम से मतलब रखे। अगर आप ऑफिस में प्रोजेक्ट या वर्क रिलेटेड इश्यूज पर ही बात करेंगे और गॉसिप से बचेंगे, तो आपकी अच्छी इमेज बनेगी। इसी तरह ऑफिस में काम करने वाले हर शख्स की रेस्पेक्ट करना जरूरी है, क्योंकि वे वहां के वर्क कल्चर और माहौल को आपसे बेहतर जानते हैं।

फर्स्ट इंप्रेशन इज लास्ट इंप्रेशन:- एक स्टूडेंट जब इंटर्नशिप के लिए किसी कंपनी में जाता है, तो उसका मकसद सीखना होता है। इसलिए कोशिश यही होनी चाहिए कि जो असाइनमेंट मिले, उसे एक्सेप्ट करें। इसके साथ ही आपको अपना इंट्रोडक्शन देना आना चाहिए। फ्रेंडली बिहेवियर और चेहरे पर स्माइल रहेगी, तो किसी भी कंपनी में फर्स्ट इंप्रेशन जमाना आसान होगा। इससे प्वॉइंट्स मिलेंगे सो अलग। इसी तरह आपका ड्रेसिंग सेंस भी प्रोफेशनल होना चाहिए।

एटिकेट्स का रखें ख्याल:- जॉब के लिए कॉम्पिटिशन टफ हो रहा है, ऐसे में स्टूडेंट्स को मिलने वाली इंटर्नशिप का रोल और भी अहम हो गया है। इंटर्नशिप में अच्छी परफॉर्मेंस से जॉब के दरवाजे खुलते हैं। इसलिए स्टूडेंट्स को यह ध्यान रखना चाहिए कि उसके परफार्मेंस का नतीजा तो इंटर्नशिप खत्म होने पर आएगा, लेकिन एप्टीट्यूड और नॉन-वर्बल कम्युनिकेशन का रिजल्ट, तो शुरू के दो-तीन दिनों में ही मिल जाएगा। आप अगर सही ड्रेस सेंस के साथ कंपनी में एंट्री करेंगे, प्रॉपर एटिकेट्स के साथ लोगों से मिलेंगे, उनके क्वैश्चंस का आंसर देंगे, तो वहां के लोग भी आपको पॉजिटिव ही लेंगे।

लेंस से पाएं स्टाइलिश लुक

यूं तो लेंस लंबे समय से ट्रेंड में हैं, लेकिन अब इनमें इतनी वैराइटी आ गई है कि आप इन्हें समारोह व थीम के मुताबिक ट्राई कर सकते हैं। यही नहीं, इन्हें ड्रेस के साथ मैच करवाने से स्टाइल का एक्स फैक्टर भी पाया जा सकता है। पहले ड्रेस को परफेक्ट लुक देने में वेलरी प्रयोग की जाती थी, लेकिन अब इसकी जगह लेंस ने ले ली है। अगर आप भी इसे प्रयोग करने के मूड में हैं, तो लेंस के बारे में यहां बहुत कुछ जान सकती हैं:

पार्टी टच: अपनी ड्रेस के साथ लेंस मैच करना आपको डिफरेंट लुक देगा। अगर रॉक स्टार लुक चाहते हैं, तो ब्लू सर्किल में ब्लैक ओवल वाले लेंस चुनें, वहीं बेबी पिंक व पर्पल के कांबिनेशन से आप सेलर सेटर्न लुक पा सकती हैं। लेंस से बहुत यादा प्रयोग न करें, बस ड्रेस से मैच करते लाइट या ड्रार्क शेड्स ट्राई करें।

बीच थीम: बीच लुक चाहते हैं, तो लुइस फ्लॉरेंस ग्रीन और डार्क ग्रीन का कांबिनेशन ट्राई करें। इसके लिए ग्रीन व ब्लू के डिफरेंट शेड्स भी लगा सकती हैं। इन्हें ड्रेस से मैच करके चलेंगे, तो ये और भी बेहतर इफेक्ट्स देंगे।

ट्रेडिशिनल एंगल: अगर आप शादी या किसी ट्रेडिशनल मौके के लिए लेंस ढूंढ रही हैं, तो प्योर हेजल, ऑटम, सनराइज, एंबर और ब्राउन के तमाम शेड्स आप ट्राई कर सकती हैं।

बीच थीम: स्पोर्टी लुक: स्पोर्ट्स के फैन हैं या इससे जुड़े किसी इवेंट पर जा रहे हैं, तो फुटबॉल, किट बैट, बॉल, कंट्री का फ्लैग वगैरह बेस्ड लेंस ट्राई किए जा रहे हैं।

डेटिंग के लिए: डेट पर यूं तो नेचुरल कलर के लेंस ही अच्छे लगते हैं, लेकिन अगर आप यादा ही रोमांटिक होना चाहें, तो ब्राइट पिंक, लाइट ब्लू जैसे कलर्स में हार्ट शेप्ड लेंस ट्राई कर सकते हैं।

पर्पल किटी: बाहर पर्पल का सर्किल फिर पीला व अंदर से काला ओवल, ये लेंस इसी तरह ये कई कलर्स कांबिनेशन में मिलते हैं। इसके साथ आप प्लेन पर्पल नहीं, बल्कि पर्पल कांबिनेशन में ड्रेस ट्राई करें। इसके साथ की एक्सेसरीज को भी लेंस से मैच करवाएं।

समथिंग डिफरेंट: भिन्न लुक के लिए मिक्स एंड मैच, प्योर व्हाइट, स्माइलिंग फेस, फ्लावर शेप, क्वाइन शेप वगैरह लेंस ट्राई किए जा सकते हैं। खासतौर पर पार्टियों में ये आपको एकदम डिफरेंट लुक देंगे।

कमजोर दिल वाले रोज खाएं आंवला

आंवला प्रकृति का दिया हुआ ऐसा उपहार है जिससे हमारे शरीर में पनप रही कई सारी बीमारियों का नाश हो सकता है। यदि आपको अच्छे स्वास्थ्य का मालिक बनना है तो आंवले का प्रयोग अभी से आरंभ कर दें। आंवला आयरन और विटामिन सी भरा होता है।

हर मनुष्य को प्रतिदिन 50 मिली ग्राम विटामिन सी की जरूरत होती है तो ऐसे में यदि आप आंवले का सेवन या फिर इसके रस का सेवन करेंगे तो आपके शरीर में विटामिन सी की पूर्ती होगी। आंवले का जूस प्रतिदिन लेने से पाचन सही, त्वचा में चमक, त्वचा के रोगों में लाभ, बालों की चमक बढाने, बालों को सफेद होने से रोकने के अतिरिक्त और भी बहुत सारे फायदे हैं। आंवला विटामिन सी का अच्छा स्रोत होता है। एक आंवले में तीन संतरे के बराबर विटामिन सी होती है।

आंवले के कुछ लाभ इस प्रकार हैं:-

-आंवले का सेवन करने से शरीर की प्रतिरोधक शक्ति मजबूत होती है।

-आंवले का जूस पीने से खून साफ होता है।

-आंवला खाने से आंखों की रोशनी बढ़ती है।

-पथरी की शिकायत होने पर सूखे आंवले के चूर्ण को मूली के रस में मिलाकर चालिस दिन तक सेवन करने से - पथरी गल कर समाप्त हो जाती है।

-डायबिटीज के रोगियों के लिए आंवला बहुत लाभदायक है। मधुमेह के रोगी हल्दी के चूर्ण के साथ आंवले का सेवन करें तो इससे उन्हें लाभ होगा।

-बवासीर के रोगी सूखे आंवले को बारीक पीस कर

सुबह- शाम गाय के दूध में मिलाकर प्रतिदिन सेवन करें तो इससे बवासीर में लाभ होगा।

-यदि नाक से खून निकल रहा हो तो आंवले को पीसकर बकरी के दूध में मिलाकर सिर और मस्तिष्क पर लेप लगायें तो इससे नाक से खून का आना बंद हो जायेगा।

-आंवला खाने से दिल मजबूत होता है। दिल के कमजोर लोगों को कम से कम तीन आंवले का प्रयोग प्रतिदिन करना चाहिये।

-खांसी आने पर दिन में तीन बार आंवले का मुरब्बा गाय के दूध के साथ खाना चाहिये। यदि खांसी अधिक आ रही हो तो आंवले को शहद में मिलाकर पीने से खांसी ठीक हो जाती है।

-यदि पेशाब में जलन की समस्या का सामना हो तो हरे आंवले का रस शहद में मिलाकर सेवन करने से जलन समाप्त हो जायेगी और पेशाब साफ आयेगा।

ईश्वर की स्तुति-प्रार्थना-उपासना का आधार

-मनमोहन कुमार आर्य-

ईश्वर व जीवात्मा दोनों चेतन तत्व है। ईश्वर के पास आनन्द है। वह सदैव आनन्द से परिपूर्ण रहता है। उसमें कभी आनन्द की कमी नहीं आती। दुःखी होने व दुःख आने की तो कोई बात ही नहीं है। जीवात्मा चेतन तत्व होकर भी आनन्द से रहित है। आनन्द व सुख यह षब्द कुछ-कुछ मिलते जुलते हैं परन्तु आनन्द का भौतिक सुख से कोई लेना-देना नहीं है। हम समझते हैं कि जब जीवात्मा ईष्वरोपासना में तल्लीन होता है तब उसे कुछ आनन्द की अनुभूति होती है। सुषुप्ति की अवस्था में भी सुख की उपलब्धि होती है जिसे सुख व आनन्द का मिश्रण कह सकते हैं। जीवात्मा का षरीर से युक्त होकर जन्म ही इसलिए होता है कि वह अपने दुःखों की निवृति कर सुख व आनन्द की प्राप्ति करे।

कहा गया है कि दुःख का कारण बन्धन होता है जो हमारे अच्छे व बुरे कर्मो के कारण से होता है। आसक्ति रहित पुण्य कर्मों का परिणाम को बन्धनों का क्षय कह सकते हैं। परन्तु यदि हमारे कर्मो में आसक्ति अथवा फल की इच्छा बनी हुई है तो वह कर्म बन्धन में डालने वाला होता है जिसका परिणाम दुःख व सुख की प्राप्ति है। जीवात्मा विचार करता है, उसे सुख अच्छा लगता है और दुःखों से उसे द्वेष है। अब सुखों के लिए उसे ऐसे कर्मों का चुनाव करना है जिससे उसे इच्छित सुख-सुविधा की वस्तुएं प्राप्त हो सकें। वह देखता है कि धन से संसार के प्रायः सभी सुख प्राप्त किए जा सकते हैं। हमने अपने एक आर्य विद्वान मित्र स्व. प्रा. अनूप सिंह का जनवरी, 1995 में आर्य समाज मन्दिर, धामावाला, देहरादून में प्रवचन कराया था। हमने उन्हें कहा कि आधुनिक परिप्रेक्ष्य में वह वैदिक विचाराधारा को प्रस्तुत करें। उन्होंने अपने प्रवचन में कहा था कि ह्यपैसा खुदा तो नहीं पर खुदा की कसम खुदा से कुछ कम भी नहीं। इससे कुछ-कुछ अनुमान होता है कि धन से सुख-सुविधायें प्राप्त की जा सकती हैं।

आज हम देष व विदेष में बड़े-बड़े धनाड्य लोगों को देख रहे हैं। उनके पास इतना धन है कि उनकी कई पीढ़ियां आसानी से खा-पी सकती हैं, जीवन निर्वाह कर सकती है और षायद् तब भी वह धन समाप्त नही होगा। यह तो एक नम्बर के धन की बात हो रही है। फिर भी वह और धन कमाने मे लगें हैं। हमने देष के बड़े बड़े पूंजी-पतियों को भी देखा है जो मृत्यु के अन्तिम दिनों तक धनोपार्जन के कार्यों में संलग्न रहे। उनके अगले जन्म का क्या हुआ, क्या वह मनुष्य बने भी नहीं, यह तो परमात्मा ही जानता है। हमें लगता है कि उन धनाड्य लोगों ने भी कभी इस बात की परवाह नहीं की कि जिस धन को कमाने के लिए वह पागल हो रहे हैं उससे उन्हें सुखपूर्वक मृत्यु भी मिल सकेगी या नहीं, मृत्यु के बाद पुनर्जन्म होगा या नहीं और पुनर्जन्म में वह क्या बनेगें?

इसका कभी ध्यान, विचार, चिन्तन व अपेक्षित प्रयास नहीं किये और न हि वेदो के विद्वानों का परामर्ष आदि उन्होंने कभी लिया। हम देखते हैं कि 99 प्रतिषत लोग तो धन के ही चक्र में फंसे हुए हैं। उन्हें जीवन के उद्देष्य से कुछ लेना-देना नहीं है। हम कर्मों के स्वरूप पर विचार कर रहे हैं। मनुष्य कर्म करता है तो उसे सुख व दुख की उपलब्धि होती है। एक समय में वह केवल एक ही कर्म कर सकता है। इससे अधिक नहीं। यदि वह चाहे कि एक साथ दो, चार या छः कर्म कर ले, तो नहीं कर सकेगा। एक समय में वह एक ही कर्म कर सकता है व करता है। अब ईश्वर के बारे में यह विचार करना है कि क्या ईश्वर भी मनुष्य की तरह एक समय में केवल एक ही कर्म करता है या न्यूनाधिक कर सकता है। हमारा ज्ञान व अनुभव कहता है कि ईश्वर एक समय में एक भी और असंख्य या अनन्त कर्म कर सकता है।

ईश्वर एक समय में अनेक कार्य कैसे करता है? इसका विज्ञान के अनुसार विचार करते हैं। हम अपने सामने अपना सौर्य मण्डल व अन्य लोक-लोकान्तरों को देख रहे हैं। इन्हें आज से 1,96,08,53,114 वर्ष पहले बनाया गया है। बनने से पहले इनके घटक व मौलिक पदार्थ, अवयव, प्रकृति के कण सत्व-रज-तम अपनी कारण अवस्था में रहे होंगे। पृथिवी पर उपलब्ध निर्मित व कार्य पदार्थों का जब खण्डन करते हैं तो वह छोटे होते जाकर अणु व परमाणु की स्थिति में पहुंच जाते हैं। परमाणु में भी वैज्ञानिकों के अनुसार इलेक्ट्रान, प्रोटोन व न्यूट्रान आदि कण हैं। क्या यही कण सत्व-रज-तम हैं या हो सकते हैं, यह हम प्रवर वैदिक विद्वानों पर छोड़ते हैं। वह इस पर चिन्तन करें और आर्य पाठकों को बतायें कि यथार्थ स्थिति क्या है? इसी प्रकार से हम सूर्य व चन्द्र आदि ग्रह व उपग्रहों व संसार के सभी लोक-लोकान्तरों के बारे में मान सकते हैं। यह भी हो सकता है कि यह परमाणु व इसके इलेक्ट्रान, प्रोटोन व न्यूट्रान आदि कण कारण प्रकृति जो कि इनसे भी सूक्ष्म हो या है, से बनाये गये हैं। यह परमाणु व इसके कण, अणु व भिन्न-2 पदार्थ, अग्नि, जल, वायु, पृथिवी, आकाष, महतत्व, अहंकार, रूप, रस, गन्ध आदि पांच तन्मात्रायें आदि किसने व कैसे बनाये, तो हमें एक उत्तर मिलता है कि यह सब अपोरूषेय पदार्थ या रचनायें हैं।

इन्हें जिसने भी बनाया वह निराकार, आंखों से दिखाई न देने वाली चेतन सत्ता, सर्वव्यापक, सर्वज्ञ, सर्वषक्तिमान, अनादि, जन्म व मृत्यु से रहित, अजर, अमर व आनन्द से परिपूर्ण है। वह सत्ता इस जगत व सृष्टि को किसी विषेष प्रयोजन से बनाती है व चला रही है। काल गणना के अनुसार हमारी सृष्टि विगत 1,96,08,53,114 वर्षो से निरन्तर बनी-बनाई स्थिति में है और सामान्य व उत्कृष्ट रूप से चल रही है। हम समझते हैं कि वैज्ञानिक इन बातों को झुठला नहीं सकते, यह सभी तथ्य सर्व-साधारण को पता है। सृष्टि का अपौरूषेय सत्ता से बनना व उसके द्वारा ही चलाया जाना, यह तथ्य वैज्ञानिक अनुमान व सच्चाई है। वैज्ञानिक यदि किसी पदार्थ को प्रयोगषाला में सिद्ध नहीं कर पाते तो कह देते हैं कि ऐसे पदार्थ का अस्तित्व नहीं है। हमारा अनुमान है कि वैज्ञानिक मनुष्य की जीवात्मा को भी सत्य व इसके अस्तित्व जो अनादि, अजन्मा, अभौतिक, अनन्त, अमर, नित्य, चेतन तत्व, एकदेषी, सूक्ष्म, नेत्रेन्द्रिय से अगोचर है, उसके अस्तित्व को स्वीकार नहीं करते।

वह भी इसे षरीर के साथ उत्पन्न व मृत्यु के साथ समाप्त मानते हैं। हमें लगता है कि यह उनका बहुत भारी अज्ञान है। इसके लिए हम उन्हें दोषी न मानकर स्वयं को ही दोषी मानते हैं। हमें अपना अध्ययन बढ़ाकर, उनसे मिलकर उन्हें जीवात्मा के नित्य, चेतन, अविनाषी, अजन्मा व अमर, कर्म-फल के भोग व मुक्ति प्राप्त करने के लिए जन्म लेने वाला तत्व व सत्ता बतायें, समझायें, उनके सभी प्रष्नों का उत्तर दें, प्रयास निरन्तर चलता रहे, तो सफलता मिल सकती है। उनका सबसे बड़ा प्रष्न यह हो सकता है कि यदि जीवात्मा है तो वह आंखों से दिखाई क्यों नहीं देता? आप उसे हमें दिखाईये और सिद्ध कीजिए। यहां आकर गाड़ी रूक जाती है। अब हमारे विद्वानों को उनकी अंग्रेजी भाषा में जीवात्मा के अस्तित्व के प्रमाण देने हैं। पं. गुरूदत्त विद्यार्थी ने ह्यजीवात्मा के अस्तित्व के प्रमाणह्व नाम से एक लघु पुस्तिका का निर्माण भी कर चुके हैं। हमारे दर्षनों में भी आत्मा व ईश्वर को सिद्ध करने के लिए पर्याप्त सामग्री है। हमारे दर्षनकारों ने जीवात्मा के अस्तित्व को तर्को व प्रमाणों से सिद्ध भी किया है।

यदि हम अपने वैज्ञानिकों के सम्मुख इच्छाद्वेषप्रयत्नसुखदुःखज्ञानान्यात्मनो लिगंमिति। (न्यायदर्षन 1/1/10) व प्राणापाननिमेषोन्मेष जीवन मनोगतीन्द्रियान्तर्विकाराः सुख-दुःखेच्छा-द्वेषप्रयत्नाष्चात्मनो लिगांनि। (वैषेषिक दर्षन 3/2/4) की व्याख्या कर दें और उसे उनके मन-मस्तिष्क व आत्मा में बैठा दें तो हमारा कुछ काम चल सकता है। महर्षि दयानन्द ने सत्यार्थ प्रकाष के सप्तम समुल्लास में इन सूत्रों का अर्थ करते हुए लिखा है कि 'इच्छा' = पदार्थो की प्राप्ति की अभिलाषा, 'द्वेष' = दुःखादि की अनिच्छा वैर, 'प्रयत्न' = पुरूषार्थ बल, 'सुख' = आनन्द, 'दुःख' = विलाप अप्रसन्नता, 'ज्ञान' = विवेक पहिचानना ये तुल्य हैं। परन्तु वैषेषिक में 'प्राण' = प्राणवायु को बाहर निकालना, 'अपान' = प्राण को बाहर से भीतर को लेना,'निमेष' = आंख को मींचना, 'उन्मेष' = आंख को खोलना, 'जीवन' = प्राण का धारण करना, 'मनः' = निष्चय स्मरण और अहंकार करना, 'गति' = चलना, 'इन्द्रिय' = सब इन्द्रियों को चलाना, 'अन्तर्विकार' = भिन्न-भिन्न क्षुधा-तृषा हर्ष-षोकादियुक्त होना, ये विषेष हैं।

यह जीवात्मा के गुण परमात्मा के गुणों से भिन्न हैं। इन्हीं से आत्मा की प्रतीति करनी, क्योंकि यह स्थूल नहीं है। इसी क्रम में महर्षि आगे लिखते हैं कि जब तक आत्मा देह में होता है, तभी तक ये गुण प्रकाषित रहते हैं। और जब जीवात्मा षरीर छोड़ चला जाता है, तब ये गुण षरीर में नहीं रहते। जिसके होने से जो हो और न होने से न हो, वे गुण उसी के होते हैं। जैसे दीप और सूर्यादि के न होने से प्रकाषादि का न होना और होने से होना है, वैसे ही जीव और परमात्मा का विज्ञान गुण द्वारा होता है। जीवात्मा का प्रमाण प्रष्नोपनिषद् 4/9 में यह कहकर दिया गया है कि 'एष हि द्रष्टा, स्प्रष्टा, श्रोता, ध्राता, रसयिता, मन्ता, बोद्धा, कत्र्ता, विज्ञानात्मा पुरूषः।' अर्थात् जीवात्मा वह है जो देखती, स्पर्ष करती, सुनती, सूंघती, चलती, इच्छा करती, जानती, काम करती और प्रत्येक चीज को समझती है। जीवात्मा ही सच्चा चेतन मनुष्य है।

इसी प्रकार से इस सृष्टि को बनाने वाली अपौरूषेय सत्ता ईश्वर को भी सिद्ध किया जा सकता है। वह यह तो जानते हैं कि प्रत्येक वस्तु जो सूक्ष्म है भले हि वह भौतिक हो, आंखों से दिखाई नही देती। प्रत्येक सूक्ष्म वस्तु का आंखों से दिखाई देना आवष्यक नहीं है। इलेक्ट्रान, प्रोटोन व न्यूट्रान आदि कण व इनसे बना परमाणु और सम्भवतः किसी भी पदार्थ का 1 अणु, यथा हाइड्रोजन, आक्सीजन, नाईट्रोजन आदि भी तो दिखाई नहीं देते परन्तु वैज्ञानिक इन्हें मानते हैं। इन पदार्थों को प्रयोगषाला में सिद्ध किया जा सकता है। हम भी ईश्वर व जीवात्मा को इस संसार रूपी प्रयोगषाला में उपस्थित, इनके कर्मों, कार्यों व स्वरूप के ज्ञान से सिद्ध कर सकते हैं। अतः ईश्वर व जीवात्मा का अस्तित्व भी उतना ही सत्य है जितना की सृष्टि और उसके सूक्ष्म कणों, अणु, परमाणुओं व इनमें विद्यमान इलेक्ट्रान, प्रोटोन व न्यूट्रान आदि कणों वा चंतजपबसमे का है।

यह संसार एक अपौरूषेय सत्ता जिसे 'ईश्वर' व अन्य अनेक गुण व क्रियाओं के वाचक तथा सम्बन्धसूचक नामों से जाना जाता है, जिसका मुख्य नाम 'ओउम्' है, के द्वारा जीवात्माओं, रूहों वे वनसे के लिए बनाया गया है। ईश्वर एक है तथा जीवात्माओं की संख्या अनन्त, असंख्य व अगणित बवनदजसमे है।

लखनऊ को 62 रन से हराकर अंतिम चार में पहुंचने वाली पहली टीम बनीं

प्लेऑफ में पहुंची गुजरात

पुणे (एजेंसी) मैन ऑफ द मैच सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल के नाबाद अर्धशतक और अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान (24 रन पर चार विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर गुजरात टाइटंस ने मंगलवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स को 62 रन से धूल चटाते हुए आईपीएल 2022 के प्लेऑफ में प्रवेश कर लिया।

गुजरात ने चार विकेट के नुकसान पर 144 रन बनाये और लखनऊ को 135 ओवर में में मात्र 82 रन पर ढेर कर दिया। गुजरात की 12 मैचों में यह नौवीं जीत है और वह 18 अंकों के साथ प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम बन गयी है। लखनऊ को 12 मैचों में चौथी हार का सामना करना पड़ा लेकिन वह 16 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। गुजरात की पारी में सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने सात चौकों की मदद से सबसे ज्यादा 63 रन बनाये, लेकिन उन्होंने इस निजी स्कोर के लिए 49 गेंदें खेलीं। इसके अलावा ओपनिंग करने उतरे ऋद्धिमान साहा ने 11 गेंदों पर पांच रन, मैथ्यू वेड ने सात गेंदों पर 10 रन और कप्तान हार्दिक पांड्या ने 13 गेंदों पर 11 रन बनाये। डेविड मिलर के 26 (24) और राहुल तेवतिया के 22(16) की बदौलत गुजरात लखनऊ को 145 रन का लक्ष्य दे पाई। लखनऊ की कसी हुई गेंदबाज़ी की बदौलत गुजरात अपनी पारी में सिर्फ़ एक छक्का लगा सकी। सुपरजाइंट्स के तेज गेंदबाज आवेश ख़ान ने अपने चार ओवरों में 26 रन देकर दो विकेट झटके, जबकि मोहसिन खान ने अपने चार ओवरों में एक विकेट के बदले 18 रन दिए। कृणाल पांड्या ने अपने चार ओवर के कोटे में 24 रन दिये। लखनऊ की इकोनॉमिकल गेंदबाज़ी के बीच महंगे साबित हुए जेसन होल्डर ने 41 रन देकर एक विकेट लिया। इस सीजन दोनों टीमों के बीच खेल गए दोनों मुकाबलों में गुजरात टाइटंस विजयी रहा।

गुजरात की घातक गेंदबाजी के आगे लखनऊ के बल्लेबाजों ने टेके घुटने

लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ सुपर जाएंट्स 13.5 ओवर में 82 रन बनाकर ढेर हो गई। लखनऊ की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 19 रन के स्कोर पर क्विंटन डिकॉक और 24 के स्कोर पर केएल राहुल आउट हो गए। इसके कुछ देर बाद करण शर्मा भी मिलर को अपना कैच दे बैठे। लखनऊ के लिए दीपक हुड्डा ने सर्वाधिक 27 रन बनाये जबकि क्विंटन डी कॉक ने 11 और आवेश खान ने 12 रन बनाए। इसके अलावा कप्तान राहुल 8 रन, करण शर्मा 4, क्रुणाल पांड्या 5, आयुष बदोनी 8, मार्कस स्टोइनिस 2, जेसन होल्डर 1, मोहसिन खान 1 रन बनाकर आउट हुए। गुजरात के गेंदबाजों ने जिस तरीके की गेंदबाजी की, उसकी जितनी भी सराहना की जए कम है। गुजरात के तेज गेंदबाजों ने पहले पावरप्ले में धारदार गेंदबाजी करते हुए विकेट हासिल किए और फिर बाकी का काम राशिद और अपना पहला मैच खेल रहे साई किशोर ने कर दिया। मार्कस स्टॉयनिस दो रन बनाकर रन आउट हुए। गुजरात की तरफ से राशिद के चार विकेटों के अलावा यश दयाल और साई किशोर ने दो -दो विकेट लिए। वहीं शमी ने तीन ओवर में पांच रन देकर एक विकेट लिया।

स्कोर बोर्ड

गुजरात टाइटंस	रन	गेंद	4/6
साहा कै. आवेश बो. मोहसिन	05	11	1/0
शुभमन गिल नाबाद	63	49	7/0
मैथ्यूज वेड कै. डिकॉक बो. आवेश	10	07	2/0
हार्दिक कै. डिकॉक बो. आवेश	11	13	0/0
मिलर कै. बदोनी बो. होल्डर	26	24	1/1
राहुल तेवतिया नाबाद	22	16	4/0

अतिरिक्त: 7, कुल: 20 ओवर में चार विकेट पर 144 रन **विकेट पतन:** 1-8, 2-24, 3-51, 4-103 **गेंदबाजी:** मोहसिन खान 4-0-18-1, दुश्मांता चमीरा 4-0-34-0, आवेश खान 4-0-26-2, कृणाल पंड्या 4-0-24-0, जेसन होल्डर 4-0-41-1,

लखनऊ सुपर जायंट्स	रन	गेंद	4/6
डिकॉक कै. साई किशोर बो. दयाल	11	10	0/1
लोकेश राहुल कै. साहा बो. शमी	08	16	1/0
दीपक हुड्डा कै. शमी बो. राशिद	27	26	3/0
करण शर्मा कै. मिलर बो. दयाल	04	04	1/0
क्रुणाल कै. साहा बो. राशिद	05	05	1/0
बदोनी कै. साहा बो. साई किशोर	08	11	1/0
स्टॉयनिस रन आउट	02	02	0/0
होल्डर पगबाधा राशिद	01	02	0/0
मोहसिन कै. राशिद बो. किशोर	01	03	0 /0
चमीरा नाबाद	00	00	0/0
आवेश खान कै. साहा बो. राशिद	12	04	0/2

अतिरिक्त: 3, कुल: 13.5 ओवर में 82 रन पर ऑल आउट **विकेट पतन:** 1-19, 2-24, 3-33, 4-45, 5-61 , 6-65, 7-67, 8-70, 9-70, 10-82 **गेंदबाजी:** मोहम्मद शमी 3-0-5-1, हार्दिक पंड्या 1-0-8-0, यश दयाल 2-0-24-2, अल्जारी जोसेफ 2-0-14-0, राशिद खान 3.5-0-24-4, साई किशोर 2-0-7-2,

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	टीम	रन
बटलर	राजस्थान	618
केएल राहुल	लखनऊ	459
डु प्लेसिस	बेंगलुरु	389
शुभमन गिल	गुजरात	384

पर्पल कैप

खिलाड़ी	टीम	विकेट
युजवेंद्र चहल	राजस्थान	22
हसरंगा	बेंगलुरु	21
कगिसो रबाडा	पंजाब	18
कुलदीप यादव	दिल्ली	18

आईपीएल 2022 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
गुजरात	12	09	03	18	0.376
लखनऊ	12	08	04	16	0.385
राजस्थान	11	07	04	14	0.326
बैंगलुरु	12	07	05	14	-0.115
दिल्ली	11	05	06	10	0.150
हैदराबाद	11	05	06	10	-0.031
कोलकाता	12	05	07	10	-0.057
पंजाब	11	05	06	10	-0.231
चेन्नई	11	04	07	08	0.028
मुंबई	11	02	09	04	-0.894

बीएसएनएल की शानदार जीत

भोपाल। राजधानी के ओल्ड कैंपियन ग्राउंड में चल रहे सारांश ट्रॉफी इंटर कारपोरेट क्रिकेट टूर्नामेंट में बीएसएनएल ने विजाग लॉजिस्टिक्स को 55 रन से हरा दिया जबकि सोमवार रात हुए मैच में बीएसएनएल की टीम ने स्पोर्ट्स एज की टीम पर 41 रनों से हराया। पहले मैच में बीएसएनएल की जी सतीश और मोहनीश मिश्रा की ओपनर जोड़ी ने जबरदस्त साझेदारी दिखाई और पहले विकेट के पतन तक स्कोर को 150 रन पर पहुंचा दिया। बीएसएनएल का पहला विकेट मोहनीश के रूप में गिरा जिन्होंने 5 छक्के और 10 चौकों की मदद से 45 गेंदों पर 87 रन बनाए। बीएसएनएल के लिए जी सतीश ने 4 छक्कों और 8 चौकों की मदद से 44 गेंदों पर 75 रन की पारी खेली। बीएसएनएल की टीम ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 204 रन का स्कोर बनाया। विजाग लॉजिस्टिक्स की ने जवाबी पारी खेलते हुएछह विकेट पर 149 रन बनाए। इस तरह बीएसएनएल ने यह मैच 55 रन से जीता। मोहनीश मिश्रा को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। इसके पहले दूधिया रोशनी में खेले गए लीग मैच में बीएसएनएल की टीम ने स्पोर्ट्स एज को 41 रन से हरा दिया। बीएसएनएल ने तीन विकेट पर 208 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। सारांश ट्रॉपी में यह पहला मौका था जब किसी टीम ने 200 रन से ज्यादा का स्कोर बनाया। इतना ही नहीं बीएसएनएल के जी सतीश ने टूर्नामेंट का पहला शतक ठोकते हुए 61 गेंदों पर 104 रन का शानदार स्कोर बनाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए स्पोर्टस एज की टीम 19 ओवर में 167 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। बीएसएनएल के जी सतीश को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में सेज ग्रुप के वाइस प्रेसिडेंट रूपेश गोरखे, सिद्धांता रेड क्रॉस हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. सुबोध वार्ष्णेय और प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता शाहवर अली खान उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत सारांश टाइम्स के डायरेक्टर अर्सलान ताहिर ने किया।

इंग्लैंड दौरे से पहले निकोल्स चोटिल

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज हेनरी निकोल्स को इस सप्ताह के अंत में टीम के इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना होने से पहले ट्रेनिंग के दौरान काफ इंजरी हुई है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने खुलासा किया कि माउंट माउंगानुई में प्री-टूर कैंप में निकोल्स के दाहिने पैर में चोट लगी थी। सोमवार को अभ्यास के दौरान उनको चोट लगी थी और इसके बाद उनका स्कैन किया जाएगा और तभी स्पष्ट होगा कि चोट से उबरने में उनको कितना समय लगेगा। इंग्लैंड के दौरे पर जाने से पहले न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम को बड़ा झटका हेनरी निकोल्स के रूप में लगा है, जो शायद दौरे से बाहर हो सकता है। मंगलवार को कोच गैरी स्टीड ने कहा, उनका शाम को एमआरआई स्कैन होना है। हम उसके बाद ही जानेंगे कि यह चोट कितनी गंभीर है।

एशिया कप तीरंदाजी में भारत ने जीते तीन स्वर्ण पदक

सुलेमानिया। भारतीय तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को यहां एशिया कप चरण दो में तीन स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता।

परनीत कौर, अदिति स्वामी और साक्षी चौधरी की तिकड़ी ने कजाखस्तान को 204-201 से हराकर महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। प्रथमेश फुगे, ऋषभ यादव और जावकर समाधान की भारतीय पुरुष टीम ने एकतरफा फाइनल में बांग्लादेश को 224-218 से हराकर भारत के लिए दूसरा स्वर्ण पदक जीता। समाधान ने कांस्य पदक के प्ले आफ मुकाबले में सर्जेई खिस्टीच को 147-145 से हराकर दूसरा पदक जीता। समाधान के कांस्य पदक के साथ भारत ने कंपाउंड पुरुष व्यक्तिगत वर्ग में क्लीन स्वीप किया जहां प्रथमेश और ऋषभ बुधवार को स्वर्ण पदक के मुकाबले में भिड़ेंगे। भारत ने कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में तीसरा स्वर्ण पदक जीता जब प्रथमेश और परनीत की जोड़ी ने आदिल झेशेनबिनोवा और खिस्टीच की कजाखस्तान की जोड़ी को 158-151 से हराया। प्रतियोगिता के अंतिम दिन बुधवार को भारतीय तीरंदाज सात स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक के लिए चुनौती पेश करेंगे।

प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए दिल्ली को जीत जरूरी

नई दिल्ली। पिछले मैच में मिली हार को भुलाकर दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए बुधवार को राजस्थान रॉयल्स को हराने के इरादे से उतरेगी जबकि रॉयल्स जीत की लय को कायम रखना चाहेंगे। दिल्ली ने 11 में से छह मैच गंवाये हैं और अंकतालिका में पांचवें स्थान पर होने के बावजूद उनकी प्लेऑफ की राह उतनी आसान नहीं है। सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स के इतने ही मैचों में दस अंक है। दिल्ली का नेट रनरेट प्लस 0.150 है लेकिन उसे अगले तीनों मैच जीतने होंगे। दूसरी ओर राजस्थान 14 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है और उसे क्वॉलीफाई करने के लिए दो ही अंक की जरूरत है। उसका रनरेट भी प्लस 0.326 है जो आखिरी गणना में उपयोगी साबित हो सकता है। इस सत्र में दिल्ली की टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन कर पाने में नाकाम रही है। सनराइजर्स को हराने के बाद वह चेन्नई सुपर किंग्स से 91 रन से हार गई। डेवोन कॉवे के खिलाफ उसके गेंदबाज बेबस नजर आये और चेन्नई ने चौकों छल्लों की बौछार लगाकर 200 से अधिक रन बना डाले।

शापोवालोव ने दर्शकों को कहे अपशब्द, अंपयार से बदसलूकी

इटालियन ओपन के पहले दौर में लोरेंजो सोनेगो को हराया

नई दिल्ली। कनाडा के डेनिस शापोवालोव ने इटालियन ओपन टेनिस के पहले दौर में संहिता का उल्लंघन किया लेकिन लोरेंजो सोनेगो को 7-6, 3-6, 6-3 से हराने में कामयाब रहे। दूसरे सेट में चेयर अंपायर को लाल क्लेकोर्ट पर विरोधी खिलाड़ी की साइड दिखाने के लिए वह नेट के ऊपर से कूद गए थे जो खेलभावना के विपरीत आचरण माना जाता है।

अंपायर ने शापोवालोव की सर्विस को बाहर करार दिया था जिससे उनके डबलफाल्ट पर सोनेगो को ब्रेक प्वाइंट मिला। शापोवालोव वह सेट हार गए। उन्होंने हालांकि बाद में अपने आचरण के लिए अंपायर से माफी मांगी। अब उनका सामना जॉर्जिया के निकोलोज बासिलाश्विली से होगा जिन्होंने डेनियल इवांस को 7-6, 6-2 से हराया। मैच के दौरान शापावालोव एक दर्शक पर भी भड़के, उन्होंने अपशब्द का उपयोग कर कहा कि इसे बाहर निकालो। बाद में शापोवालोव ने कहा कि वह मुझे बाहर भेजने के लिए कह रहा था। मैंने अंपायर से शिकायत की लेकिन उन्होंने कहा कि मैंने दर्शक को ऐसा करते नहीं देखा। डेनिस ने कहा कि अंपायर को बॉस्केटबाल (एनबीए)की तरह मैच के दौरान ऐसे दर्शकों पर नजर रखनी चाहिए। तीन बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन स्टेन वावरिंका ने रीली ओपेलका को 3-6, 7-5, 6-2 से मात दी। डोमिनिक थियेम को इटली के फेबियो फोगनिनी ने 6-4, 7-6 से हराया। अब उनका सामना हमवतन जानिक सिनेर से हो सकता है। महिला वर्ग में 2020 की चैंपियन सिमोना हालेप ने एलिजे कोर्नेत को 6-4, 6-4 से हराया जबकि विक्टोरिया अजारेंका ने विक्टोरिया गोलुबिच को 6-3, 6-0 से मात दी। कोको गॉफ ने एंजेलिक कर्बर को 6-1, 6-4 से हराया।

सीएसए ने वापस लिये मार्क बाउचर के खिलाफ दुराचरण के आरोप

जोहानसबर्ग। क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) ने पुरुष टीम के मुख्य कोच मार्क बाउचर पर लगे नस्लभेदी मामलों में दुराचरण के आरोपों को औपचारिक तौर पर और पूर्णतया वापस ले लिया है। इस गतिविधि से एक हफ्ते बाद उनके साथ अनुसूचित अनुशासनात्मक सुनवाई की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। साथ ही एसजेएन सुनवाइयों में उनका नाम नस्लभेदी मामलों में आने के बाद सीएसए ने उन्हें अपने पद से हटाने की जो मांग की थी उसे भी खारिज कर दिया गया है। सीएसए ने पाया कि इन आरोपों के प्रमुख किरदार रहे पूर्व सहायक कोच इर्नॉक अंकवे और बाउचर के टीममेट रह चुके पॉल एडम्स के सुनवाई में आकर बयान ना दिए जाने पर यह आरोप कमजोर पड़ चुके थे। उनकी ताकत और कम हुई जब एक मध्यस्थता प्रक्रिया के बाद पूर्व कप्तान और सीएसए के क्रिकेट निदेशक रहे ग्रीम स्मिथ को भी दुराचरण के आरोपों से बरी कर दिया गया था।

उबेर कप के क्वॉर्टर फाइनल में पहुंची भारतीय महिला टीम

अमेरिका को 4-1 से हराया

बैंकॉक। भारतीय महिला टीम ने ग्रुप डी के मुकाबले में अमेरिका को 4-1 से हराकर बैंकॉक में खेले जा रहे टूर्नामेंट में बीडब्लूएफ उबर कप के क्वॉर्टर फाइनल में प्रवेश किया। पहले मैच में कनाडा को 4-1 से हराने वाली भारतीय टीम की यह लगातार दूसरी जीत है जिससे ग्रुप में उसका शीर्ष दो में रहना तय हो गया है । इस दौर में दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी पीवी सिंधु ने ग्रुप डी में जीत के साथ शुरुआत की। उन्होंने जेनी गई को महज 26 मिनट में 21 - 10, 21 - 11 से हराकर भारत को जीत के साथ शुरूआत दिलाई।

दूसरे मैच में भारत की महिला जोड़ी का सामना अमेरिकी खिलाड़ियों से था। भारत की तनीशा क्रास्टो और त्रिशा जॉली ने फैंसेस्का कोरबेट और अलीसन ली की जोड़ी को 34 मिनट में 21-19, 21-10 के अंतर से हरा दिया। इसके साथ ही भारत की बढ़त 2-0 हो चुकी थी और अगले तीन मुकाबलों में भारत को सिर्फ एक जीत की जरूरत थी और अगले ही मैच में आकर्षि कश्यप ने इस्टर शी को हराकर भारत की जरूरत पूरी कर

दी। उन्होंने अमेरिकी खिलाड़ी को 34 मिनट के अंदर 18-21, 11-21 के अंतर से हराया। सिमरन सिंघी और रितिका ठाकेर की युवा जोड़ी लौरेन लाम और कोडी तांग ली से 12-21, 21- 17, 13 - 21 से हार गई। आखिरी मैच में अष्मिता चालिहा ने नताली चि को 21 -18, 21-13 से हराया। भारतीय महिला टीम का सामना आखिरी ग्रुप मैच में बुधवार को कोरिया से होगा ।

केके तिवारी जेयू की खेल गतिविधियों से प्रतिबंधित

भोपाल। भिंड जिले के आलमपुर शासकीय महाविद्यालय में पदस्थ क्रीड़ा अधिकारी केके तिवारी को जीवाजी विश्वविद्यालय की खेल गतिविधियों से प्रतिबंधित कर दिया गया है। जीवाजी विश्वविद्यालय की महिला हॉकी टीम के खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में भागीदारी नहीं कर पाना कारण बना है। मंगलवार को विश्वविद्यालय कार्यपरिषद की बैठक में करीब डेढ़ दर्जन प्रकरणों में सबसे महत्वपूर्ण निर्णय क्रीड़ा अधिकारी केके तिवारी को प्रतिबंधित करने का रहा। गौरतलब है कि बेंगलुरू में 23 अप्रेल से 4 मई तक हुए दूसरे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में जीवाजी विश्वविद्यालय की महिला हॉकी टीम कोच परमजीत सिंह और मैनेजर केके तिवारी के कारण भाग लेने से वंचित हो गई। जबकि विवि की यह टीम उदयपुर में हुई अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयीन हॉकी स्पर्धा की चैंपियन है। इस टीम के खेलों इंडिया में भी शर्तिया पदक जीतने की संभावना थी। यहां बता दें अभा अंतर विवि हॉकी स्पर्धा में जीवाजी विवि की इसी टीम ने ग्वालियर की ही आईटीएम यूनिवर्सिटी टीम को हराकर खिताब जीता था और इसी आईटीएम यूनिवर्सिटी टीम ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में स्वर्ण पदक जीता है। इन दोनों टीमों सहित बेंगलुरू खेला इंडिया गेम्स में भाग लेने वाली अनेक टीमों में खिलाड़ी कम थे, लेकिन उन्होंने पूरा प्रोसिजर अपना कर टीम पूरी की और भाग लिया, लेकिन जीवाजी विश्वविद्यालय के कोच परमजीत सिंह और मैनेजर केके तिवारी ने प्रोसिजर पूरा नहीं किया, जिसके कारण खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में जहां जीवाजी विवि की मदनामी हुई वहीं विवि एक अहम सफलता से वंचित रह गया। मंगलवार को कुलपति प्रो अविनाश तिवारी की अध्यक्ष में हुई ईसी बैठक में जहां सभी सदस्यों ने क्रीड़ा अधिकारी केके तिवारी के विवि गतिविधियों से प्रतिबंधित किया गया वहीं विवि के शारीरिक शिक्षा विभाग से टीम चयन से लेकर टीम के खेलो इंडिया गेम्स में भागीदारी नहीं हो पाने की रिपोर्ट तलब की है। यह भी फैसला हुआ कि पूरी प्रकरण से राज्य शासन को अवगत कराया जाएगा, जिससे क्रीड़ा अधिकारी तिवारी के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए।

जेयू वुमंस टीम का खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में भाग नहीं ले पाना बनी वजह

ऋषभ पंत को रसेल मोड में बल्लेबाजी करने की जरूरत: रवि शास्त्री

नई दिल्ली। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने सुझाव दिया है कि अगर विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत आईपीएल 2022 सीजन में दिल्ली कैपिटल्स की मदद करना चाहते हैं, तो उन्हें बिना सोचे आंद्रे रसेल की तरह बल्लेबाजी करनी होगी। शास्त्री ने कहा, मुझे लगता है कि एक बार पंत रन बनाने की गति पकड़ लेंगे, तो उन्हें उस गति को नहीं रोकना चाहिए, साथ ही उन्हें इस प्रारूप में आंद्रे रसेल मोड में बल्लेबाजी करनी चाहिए। उन्होंने कहा, पंत को कहा कि अगर आप किसी गेंदबाज को हिट करना चाहते हैं, तो हिट करें, इसके लिए ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है, क्योंकि आप लोगों की अपेक्षा से अधिक मैच जीत सकते हैं।

शाकिब कोरोना संक्रमित, श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट से बाहर

ढाका। बांग्लादेश के हरफनमौला खिलाड़ी शाकिब अल हसन को श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच से बाहर कर दिया गया, क्योंकि वह कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। 35 वर्षीय शाकिब सोमवार को यूएसए से लौटे थे और उनके मंगलवार को बांग्लादेश टीम में शामिल होने की उम्मीद थी। हालांकि, दो बार संक्रमित पॉजिटिव रिपोर्ट देने के बाद ऑलराउंडर को आइसोलेशन में रहने की सलाह दी गई है। कोरोना प्रोटोकॉल के तहत उन्हें अगले पांच दिनों तक आइसोलेशन में रहना होगा।

तीन टी20 खेलने भारत आएगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

मेलबर्न। मौजूदा विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम तीन टी20 खेलने सितंबर में भारत आएगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम की इस सीरीज को टी20 विश्व कप की तैयारियों के तौर पर देखा जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया की टीम जिम्बाब्वे, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ घर में सीरीज खेलेगी और इसके बाद सितंबर में भारत आएगी। इस सीरीज को अक्टूबर और नवंबर में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों के तौर पर देखा जा रहा है। अगले साल, फरवरी और मार्च में ऑस्ट्रेलियाई टीम चार मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने भी भारत आएगी। भारत को नौ जून से 19 जून तक दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घर पर पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इसके बाद दो टी20 मैचों के लिए आयरलैंड का भी दौरा करना है। वहीं एक जुलाई को भारतीय टीम को पिछले साल कोविड की वजह से स्थगित हुआ पांचवां और आखिरी टेस्ट मैच खेलने इंग्लैंड जाना है। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी20 और तीन वनडे मैचों की सीरीज भी होगी।

कोलकाता करेगा ब्रिज चैम्पियनशिप की मेजबानी

कोलकाता। कोलकाता के न्यू टाउन स्थित बिस्वा बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में 12-15 मई के बीच होने वाले चौथे ऑल इंडिया श्री सिमेंट ब्रिज टूर्नामेंट्स में भारत भर से 300 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। पश्चिम बंगाल ब्रिज एसोसियेशन के सचिव देबाशीष रे ने यह जानकारी दी। रे ने बताया कि भारतीय ब्रिज महासंघ द्वारा आयोजित चार दिवसीय प्रतियोगिता में ख्यातिप्राप्त हेमा देओरा, मुंबई के जैगी शिवदसानी, दिल्ली के अशोक गोयल, स्थानीय चैलेंजर सुमीत मुखर्जी, सुकमल दास और सुब्रता साहा शामिल होंगे। इनके अलावा देबोब्रता मजूमदर, शिवनाथ डे सरकार, प्रणोब बर्धन, राजेस्वर तिवारी, कीज़ाद अंकलेसरिया ने भी 50 टीमों के इस टूर्नामेंट में अपना नाम दर्ज कराने की पुष्टी की है।

महिला विश्व चैंपियनशिप में भारत की विजयी शुरुआत

इस्तांबुल, एजेंसी। तुर्की के इस्तांबुल में जारी 12वीं आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के दूसरे प्रतिस्पर्धी दिन मंगलवार को भारत के नाम एक और जीत दर्ज हुई। पहली बार विश्व चैम्पियनशिप में खेल रहीं हरियाणा निवासी नीतू ने 48 किग्रा भार वर्ग के पहले दौर के मुकाबले में रोमानिया की स्टेलयुटा डुटा को एकतरफा अंदाज में 5-0 से हरा दिया।

हरियाणा के भिवानी की निवासी नीतू ने इससे पहले, फरवरी में 2022 स्ट्रैंड्जा बॉक्सिंग टूनार्मेंट में स्वर्ण पदक जीता था। इसके अलावा 21 वर्षीय नीतू 2017 यूथ वर्ल्ड चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। नीतू और डुटा ने इस मुकाबले की आक्रामक शुरूआत की। डुटा अधिक आक्रामक दिख रही थीं लेकिन नीतू ने खुद

को संयमित बनाए रखते हुए सही समय पर सटीक मुक्के लगाए औड्ड पहले राउंड में सभी जजों से पूरे अंक हासिल करने में सफल रहीं।

इसके बाद दूसरे और तीसरे राउंड में भी नीतू ने अपना वही प्रदर्शन जारी रखा औड्ड विजेता बनकर उभरीं। नीतू के रूप में भारत को दो दिनों में दूसरी जीत मिली है। पहले दिन ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने जीत हासिल की थी। शनिवार को अंतिम-16 दौर के मैच में नीतू का सामना स्पेन की लोपेज डेल अर्बोल मार्टा से होगा। लोपेज ने पहले दौर के मैच में वियतनाम के गुयेन थी थू नी को एकतरफा अंतर से हराया।

बुधवार को चार भारतीय खिलाड़ी एक्शन में होंगी। 2019 एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली निकहत जरीन 52 किग्रा भार वर्ग के शुरूआती दौर के मैच में मेक्सिको की हेरेरा अल्वारेज के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेंगी। इसी तरह, मनीषा (57 किग्रा), परवीन (63 किग्रा) और स्वीटी (75 किग्रा) देश की तीन अन्य मुक्केबाज हैं, जो इस प्रतिष्ठित वैश्विक प्रतियोगिता के तीसरे दिन अंतिम- 32 राउंड में अपनी चुनौती की शुरूआत करेंगी।

मनीषा को पहले दौर में बाई मिली थी और वह दूसरे दौर में नेपाल की कला थापा से भिड़ेंगी जबकि परवीन और स्वीटी क्रमशः यूक्रेन की मारिया बोवा और इंग्लैंड की केरी डेविस से भिड़ेंगी। इससे पहले, प्रतियोगिता के पहले दिन ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने विश्व चैंपियनशिप में दो बार की पदक विजेता चीनी ताइपे की चेन निएन-चिन के खिलाफ 3-2 से रोमांचक जीत हासिल करते हुए अंतरराष्ट्रीय सर्किट में विजयी वापसी की। 2020 टोक्यो ओलंपिक के बाद यह लवलीना का पहला अंतरराष्ट्रीय मैच था।

गुरुग्राम में खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2021 का भव्य आगाज

गुरुग्राम। गुरुग्राम की नॉथकैप यूनिवर्सिटी में खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2021 के चौथे सीजन के लॉन्च कार्यक्रम में खेलो इंडिया यूथ गेम्स का शुभंकर (मैस्कट), लोगो, जर्सी और गीत भी लॉन्च किया गया। खेल व युवा मामलों के राज्य मंत्री श्री संदीप सिंह ने लॉन्च पर कहा, हरियाणा की पहल पर खेलो इंडिया की शुरूआत की गयी थी। उसी दिशा में अब खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2021 के चौथे सीजन की स्वयं हरियाणा मेजबानी कर रहा है। हरियाणा पहली बार किसी राष्ट्रीय स्तर के खेल की मेजबानी कर रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा, यह कार्यक्रम बहुत इंतजार के बाद आया है।